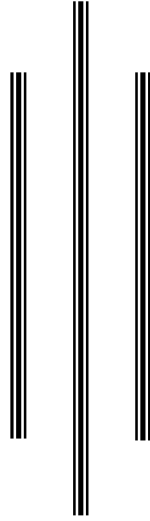


व्यवस्थापिका-संसद
प्रथम अधिवेशन

बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण
२०६३/२०६४
(सूचना पत्र - २)



प्रारम्भ मिति :-
२०६३ साल माघ १ गते सोमवार

अन्त्य मिति :-
२०६४ साल असार ३ गते आइतवार

व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय
कार्यव्यवस्था शाखा
संसद्भवन, सिंहदरबार
काठमाडौं

व्यवस्थापिका-संसद माननीय सदस्यहरुको नामावली
(वर्णानुक्रमानुसार)

क्र सं.	नाम थर	जिल्ला	क्षेत्र नं.
१	श्री अक्कलबहादुर बिष्ट	अछाम	
२	श्री अजयकुमार चौरसिया बरै	पर्सा	२
३	श्री अजयप्रताप शाह	कपिलवस्तु	४
४	श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह	बझाङ	१
५	श्री अर्जुनप्रसाद जोशी	पर्वत	१
६	श्री अञ्जना विसंखे	काठमाडौं	
७	श्री अमरेशकुमार सिंह	सर्लाही	
८	श्री अमृत कुमार बोहरा	सिन्धुपाल्चोक	
९	श्री अमृता थापा	स्याङ्जा	
१०	श्री अशोक कोइराला	मोरङ	
११	श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य	काठमाडौं	६
१२	श्री असर्फी सदा	सप्तरी	
१३	श्री आनन्दप्रसाद तुङ्गाना	धनुषा	३
१४	श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल	दोलखा	२
१५	श्रीमती आनन्दीदेवी सिंह	सप्तरी	
१६	श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय	मोरङ	१
१७	श्री इन्द्रजीत थारु	दाङ	
१८	श्री इलियास मुसलमान	कपिलवस्तु	
१९	श्री ईश्वर पोखरेल	काठमाडौं	३
२०	श्री उमा अधिकारी रेग्मी	चितवन	
२१	श्री उमाकान्त चौधरी	बारा	१
२२	श्री उमा भुजेल	गोरखा	
२३	श्री उमा वि.क.	कपिलवस्तु	
२४	श्री उर्मिला अर्याल	पर्सा	४
२५	श्री उर्वादत्त पन्त	कञ्चनपुर	
२६	श्री ऋषिकेश गौतम	बारा	३
२७	श्री एकनाथ रानाभाट	चितवन	२
२८	श्री ओमप्रसाद ओझा	ताप्लेजुङ	२
२९	श्री कमलप्रकाश सुनुवार	रामेछाप	१
३०	श्री कमला पन्त (आचार्य)	गोरखा	२
३१	श्री कमला रोका	रुकुम	
३२	श्री कमानसिंह लामा	काभ्रेपलाञ्चोक	
३३	श्रीमती काशी पौडेल	वर्दिया	१
३४	श्री कुन्ता शर्मा	सुनसरी	१

३५	श्री कुमार फुदुङ्ग	तेहथुम	
३६	श्री कुमारी मोक्तान	मकवानपुर	
३७	श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग	ईलाम	
३८	श्री के.पी.शर्मा ओली	भापा	२
३९	श्री केशरमान रोका	रुकुम	१
४०	श्री केशव थापा	ईलाम	३
४१	श्री कैलाशनाथ कसौधन	बाँके	३
४२	श्री कृष्ण आचार्य	कास्की	
४३	श्री कृष्णकिशोर घिमिरे	दाङ	३
४४	श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ	चितवन	
४५	श्री कृष्ण देव सिंह दनुवार	सिराहा	
४६	श्री कृष्णप्रताप मल्ल	धनुषा	३
४७	श्री कृष्णप्रसाद दहाल	मकवानपुर	१
४८	श्री कृष्णप्रसाद भट्टराई	पर्सा	१
४९	श्री कृष्णप्रसाद सिटौला	भापा	१
५०	श्री कृष्णबहादुर महारा	रोल्पा	
५१	श्री कृष्णलाल महर्जन	ललितपुर	२
५२	श्री खड्गबहादुर विक	कालिकोट	
५३	श्री खिमलाल देवकोटा	कास्की	
५४	श्री खुमबहादुर खड्का	दाङ	१
५५	श्री खेमराज भट्ट मायालु	वर्दिया	३
५६	श्री गमबहादुर श्रीश मगर	म्याग्दी	
५७	श्री गणेश शाह	धनुषा	
५८	श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला	सुनसरी	५
५९	श्री गेहेन्द्र गिरी	दाङ	४
६०	श्री गोकर्णराज विष्ट	गुल्मी	३
६१	श्री गोपालप्रसाद कोइराला	भापा	६
६२	श्री गोपालमान श्रेष्ठ	स्याङजा	२
६३	श्री गोविन्द थारु	वर्दिया	
६४	श्री गोरखबहादुर वोगटी	हुम्ला	-
६५	श्री गोविन्दबहादुर शाह	अछाम	१
६६	श्री गोविन्दराज जोशी	तनहुँ	१
६७	श्री गोविन्दविक्रम शाह	जाजरकोट	१
६८	श्री गंगानारायण श्रेष्ठ	सिन्धुली	
६९	डा. गंगाधर लम्साल	चितवन	३
७०	श्री गंगाप्रसाद नेपाल	सिन्धुली	१
७१	श्री घनेन्द्र बस्नेत	भोजपुर	१
७२	श्री चक्रप्रसाद वास्तोला	भापा	४

७३	श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली	भापा	
७४	श्री चन्द्रबहादुर शाही	मुगु	-
७५	श्री चन्द्रमणि खराल	नवलपरासी	२
७६	श्री चिनक कुर्मी	नवलपरासी	
७७	श्री चिरञ्जीवी वाग्ले	गोरखा	१
७८	श्री चित्रबहादुर के.सी.	बाग्लुङ	२
७९	श्रीमती चित्रलेखा यादव	सिराहा	२
८०	श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)	कास्की	
८१	श्री जगदीशप्रसाद साह	सप्तरी	४
८२	श्री जगन्नाथ खतिवडा	उदयपुर	२
८३	श्री जग्यबहादुर शाही	दैलख	
८४	श्री जनकराज गिरी	बाजुरा	-
८५	श्री जनार्दन शर्मा	रुकुम	
८६	श्री जयपुरी घर्ती मगर	रोल्पा	
८७	श्री जयन्ति राई	भोजपुर	
८८	श्री जयप्रकाशप्रसाद गुप्ता	सप्तरी	१
८९	श्री भलनाथ खनाल	ईलाम	
९०	श्री टीका बुढाथोकी	सल्यान	
९१	श्री टुकराज सिग्देल	तनहुँ	३
९२	श्री टेकबहादुर चोखाल	कैलाली	४
९३	श्री टंक आम्बोहाङ लिम्बु	ताप्लेजुङ	
९४	श्री टंकप्रसाद राई	संखुवासभा	१
९५	श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल	बाग्लुङ	१
९६	श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे	पाँचथर	२
९७	श्री डिलाराम आचार्य	अर्घाखाँची	१
९८	श्री डिल्लीराज खनाल	अर्घाखाँची	२
९९	श्री डिल्लीराज शर्मा	पर्वत	२
१००	श्री तारानाथ रानाभाट	कास्की	१
१०१	श्री तारासम यङ्ग्या	भापा	५
१०२	श्री तारिणीदत्त चटौत	कञ्चनपुर	२
१०३	श्री तिलक परियार	बाँके	
१०४	श्री तीर्थराम डङ्गोल	काठमाडौँ	७
१०५	श्री तीर्था गौतम	रुकुम	२
१०६	श्री तीलकुमार मेन्याङवो (लिम्बु)	ताप्लेजुङ	१
१०७	श्री दानबहादुर चौधरी	कपिलवस्तु	१
१०८	श्री दामा शर्मा	दाङ	
१०९	श्री दामोदर वस्ताकोटी	नवलपरासी	१
११०	श्री दिपकबहादुर गुरुङ	कास्की	

१११	श्री दिलबहादुर लामा	रसुवा	-
११२	श्री दिलीप महर्जन	काठमाडौं	
११३	श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु	दार्चुला	-
११४	श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ	जुम्ला	
११५	श्री दीनानाथ शर्मा	बाग्लुङ	
११६	श्री दुर्गा लिंखा	धनकुटा	१
११७	श्री दुर्योधन सिंह	रुपन्देही	१
११८	श्री देवप्रसाद गुरुङ	मनाङ	
११९	श्री देवी खड्का	दोलखा	
१२०	श्री देवीलाल थापा	जुम्ला	-
१२१	श्री देवेन्द्रराज कडेल	नवलपरासी	४
१२२	श्री धर्मनाथप्रसाद साह	सिराहा	५
१२३	श्री धर्मशिला चापागाई	भापा	
१२४	श्री नन्दकुमार प्रसाई	भापा	
१२५	श्री नन्द सिंह सार्की	डडेलधुरा	
१२६	श्री नरबहादुर हमाल	दैलेख	१
१२७	श्री नरेन्द्रबहादुर बम	बैतडी	१
१२८	श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ	भापा	३
१२९	श्री नवराज सुवेदी	प्यूठान	२
१३०	श्री नागेन्द्रकुमार राय	सर्लाही	४
१३१	श्री नारायणप्रकाश साँउद	कञ्चनपुर	१
१३२	श्री नारायणप्रसाद दाहाल	चितवन	
१३३	श्री नारायणप्रसाद रेग्मी	दाङ	
१३४	श्री नारायणमान विजुक्छे	भक्तपुर	१
१३५	श्री नारायणशर्मा पौड्याल	चितवन	४
१३६	श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ	भक्तपुर/ललितपुर	
१३७	श्री नेत्रलाल श्रेष्ठ	सल्यान	२
१३८	श्री पदमबहादुर राई	भोजपुर	
१३९	श्री पदमलाल विश्वकर्मा	ईलाम	
१४०	श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी	बाँके	
१४१	श्री परशुराम मेघी गुरुङ	संखुवासभा	२
१४२	श्री परशुराम रम्तेल	गोरखा	
१४३	श्री परी थापा	बाग्लुङ	३
१४४	श्री पशुपति चौलागाई	दोलखा	१
१४५	श्री पशुपतिशमशेर ज.ब.रा	सिन्धुपाल्चोक	३
१४६	श्री पार्वती चौधरी	कैलाली	
१४७	श्री पारोदेवी यादव	सिराहा	
१४८	श्री पाल्तेन गुरुङ	मनाङ	-

१४९	श्री पुरन राना थारु	कञ्चनपुर	
१५०	श्री पुष्करनाथ ओझा	कैलाली	३
१५१	श्री पूर्णबहादुर खड्का	सुर्खेत	१
१५२	श्री पूर्णसिंह राजवंशी	भापा	
१५३	श्री पूणकुमारी सुवेदी	बाँके	
१५४	श्री प्रकाश ज्वाला	सल्यान	१
१५५	श्री प्रकाशबहादुर गुरुड	कास्की	३
१५६	श्री प्रकाशमान सिंह	काठमाडौं	
१५७	डा. प्रकाश शरण महत	नुवाकोट	
१५८	श्री प्रभु शाह	रौतहट	
१५९	श्री प्रदिप गिरी	सिराहा	
१६०	श्री प्रदिपकुमार ज्वाली	गुल्मी	२
१६१	श्री प्रदीप नेपाल	काठमाडौं	१
१६२	श्री प्रेमलाल सिंह	काठमाडौं	४
१६३	श्री फटिकबहादुर थापा	गुल्मी	१
१६४	श्री फरमुलाह मंसुर	बारा	४
१६५	श्री फुर्वी शेर्पा	संखुवासभा	
१६६	श्री बलदेव शर्मा	दाङ	२
१६७	श्री बलबहादुर के.सी. (खत्री)	सोलुखुम्बु	-
१६८	श्री बलबहादुर राई	ओखलढुङ्गा	
१६९	श्री बलावती शर्मा	बाग्लुङ	
१७०	श्री बिरोध खतिवडा	मकवानपुर	२
१७१	श्री बुद्धिमान माझी	सिन्धुली	
१७२	श्री बेदुराम भुसाल	कपिलवस्तु	
१७३	श्री बेनुपराज प्रसाई	ईलाम	१
१७४	डा. बंशीधर मिश्र	रौतहट	३
१७५	श्री भगवती प्रधान	सिन्धुपाल्चोक	
१७६	श्री भक्तबहादुर वलायर	डोटी	१
१७७	श्री भक्तबहादुर शाह	जाजरकोट	
१७८	श्री भद्रबहादुर थापा	पाल्पा	१
१७९	श्री भरतप्रसाद शाह	महोत्तरी	
१८०	श्री भरतकुमार शाह	रुपन्देही	४
१८१	श्री भरतमोहन अधिकारी	मोरङ	२
१८२	श्री भरतविमल यादव	महोत्तरी	
१८३	श्री भिमबहादुर तामाङ्ग	दोलखा	
१८४	श्री भिक्षु आनन्द	काठमाडौं	
१८५	श्री मञ्जु बम	बैतडी	
१८६	श्री मणि खुम्बु	उदयपुर	

१८७	श्री मल्ल के सुन्दर	काठमाडौं	
१८८	श्री महन्थ ठाकुर	सर्लाही	५
१८९	श्री महादेव गुरुड	कास्की	२
१९०	श्री महेन्द्र पासवान	सिराहा	
१९१	श्री महेन्द्रकुमार राय	महोत्तरी	४
१९२	श्री महेन्द्रप्रसाद यादव	सर्लाही	१
१९३	श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे	नुवाकोट	३
१९४	श्री महेन्द्र यादव	महोत्तरी	१
१९५	श्री महेश आचार्य	मोरङ	५
१९६	श्री मातृकाप्रसाद यादव	धनुषा	
१९७	श्री माधवकुमार नेपाल	रौतहट	१
१९८	श्री मिठाराम विश्वकर्मा	पर्वत	
१९९	डा. मिनेन्द्र रिजाल	मोरङ	
२००	सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठ	चितवन	
२०१	श्री मो. अफताव आलम	रौतहट	२
२०२	श्री मोतीदेवी चौधरी	बर्दिया	
२०३	श्री मोहनबहादुर बस्नेत	सिन्धुपाल्चोक	१
२०४	श्री मंगलप्रसाद थारु	बर्दिया	२
२०५	श्री मंगल विश्वकर्मा	सुर्खेत	
२०६	डा० मंगलसिद्धि मानन्धर	काठमाडौं	५
२०७	श्री यज्ञजीत शाह	रुपन्देही	५
२०८	श्री यज्ञराज पाठक	डोटी	
२०९	श्री यादवबहादुर रायमाझी	पाल्पा	३
२१०	श्री योगनारायण यादव	धनुषा	२
२११	श्री रघुजी पन्त	ललितपुर	३
२१२	श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने	जाजरकोट	२
२१३	श्री रमेश लेखक	कञ्चनपुर	३
२१४	श्री राजेन्द्र खरेल	काभ्रेपलाञ्चोक	३
२१५	श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी	नुवाकोट	१
२१६	श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे	धादिङ	३
२१७	श्री राजेन्द्र महतो	सर्लाही	२
२१८	श्री राधेश्याम अधिकारी	काठमाडौं	
२१९	श्री राम आश्रय राम	पर्सा	
२२०	श्री रामकुमार चौधरी	सप्तरी	२
२२१	श्री रामकुमारी यादव	धनुषा	
२२२	श्री रामकृष्ण ताम्राकार	रुपन्देही	२
२२३	श्री रामचन्द्र तिवारी	महोत्तरी	२
२२४	श्री रामचन्द्र पौडेल	तनहुँ	२

२२५	श्री रामचन्द्र यादव	सिराहा	१
२२६	श्री रामचन्द्र राय	सर्लाही	३
२२७	श्री रामचरण चौधरी थारु	बर्दिया	
२२८	श्री रामजनम चौधरी	कैलाली	२
२२९	श्री रामजीवन सिंह	महोत्तरी	
२३०	श्री रामनाथ अधिकारी	धादिङ	२
२३१	श्री रामप्रीत पासवान	सप्तरी	
२३२	श्री रामबहादुर गुरुङ	लमजुङ	१
२३३	श्री रामबहादुर बिष्ट	अछाम	२
२३४	श्री रामलोटन तिवारी	कपिलवस्तु	
२३५	डा. रामवरण यादव	धनुषा	५
२३६	डा. रामशरण महत	नुवाकोट	२
२३७	श्री रामहरि हुङ्गेल	रामेछाप	२
२३८	श्री रिजवान अन्सारी	सर्लाही	
२३९	श्री रिमा नेपाली	रोल्पा	
२४०	श्री रुपा चौधरी	कैलाली	
२४१	श्री रुपा वि.क.	पाल्पा	
२४२	श्रीमती रेणुकुमारी यादव	सप्तरी	३
२४३	श्री रोमी गौचन थकाली	मुस्ताङ	-
२४४	श्री रंगनाथ जोशी	बर्दिया	
२४५	श्री लक्ष्मणप्रसाद मेहता	सुनसरी	३
२४६	श्री लक्ष्मीदास मानन्धर	काठमाडौं	
२४७	श्री ललितकुमार बस्नेत	मकवानपुर	
२४८	श्री लालबाबु पण्डित	मोरङ	३
२४९	श्री लिला न्याइच्याइँ		
२५०	श्री लीलामणि पोखरेल	सिन्धुली	३
२५१	श्री लेखनाथ आचार्य	रोल्पा	१
२५२	श्री लेखनाथ न्यौपाने	भक्तपुर	२
२५३	श्री लेखराज भट्ट	कैलाली	
२५४	श्री लोकेन्द्र विष्ट	रुकुम	
२५५	श्री वसन्तकुमार नेम्वाङ	पाँचथर	१
२५६	श्री वामदेव गौतम	बर्दिया	
२५७	श्री वामदेव क्षेत्री	रुपन्देही	
२५८	श्री विजयकुमार गच्छदार	सुनसरी	२
२५९	श्री विजय सुब्बा	तेह्रथुम	-
२६०	श्रीमती विद्यादेवी भण्डारी	काठमाडौं	२
२६१	श्री विनयध्वज चन्द्र	बैतडी	२
२६२	श्री विनोदकुमार उपाध्याय	रुपन्देही	

२६३	श्री विमलेन्द्र निधि	धनुषा	
२६४	श्री वीरबहादुर लामा	मकवानपुर	३
२६५	श्री वीरेन्द्रकुमार कनौडिया	कपिलवस्तु	३
२६६	श्री शरतसिंह भण्डारी	महोत्तरी	३
२६७	श्री शान्ता श्रेष्ठ	काठमाडौं	
२६८	श्री शान्ति पाख्रिन	दोलखा	
२६९	श्री शालिकराम जम्कटेल	धादिङ	
२७०	श्री शिला यादव	बारा	
२७१	श्री शिवकुमार बस्नेत	खोटाङ	२
२७२	श्री शिवकुमार मण्डल	मोरङ	
२७३	श्री शिवप्रसाद हुमागाई	काभ्रेपलाञ्चोक	२
२७४	श्री शिवबहादुर देउजा	काभ्रेपलाञ्चोक	१
२७५	श्री शिवराज जोशी	दैलेख	२
२७६	श्री शिवराज जोशी	सुर्खेत	३
२७७	श्री शुभाष कर्माचार्य	सिन्धुपाल्चोक	२
२७८	श्री शेरधन राई	भोजपुर	२
२७९	श्री शेरबहादुर देउवा	डडेल्धुरा	-
२८०	श्री शोभा कट्टेल	चितवन	
२८१	श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी	सिन्धुली	२
२८२	श्री शंकरप्रसाद पाण्डे	स्याङ्जा	३
२८३	श्री सत्यनारायण भगत वीन	रौतहट	
२८४	श्री सत्य पहाडी	डोल्पा	
२८५	श्री सन्तोष कुमार बुढामगर	रोल्पा	
२८६	श्री सरला रेग्मी	बर्दिया	
२८७	श्री सरस्वती चौधरी	सप्तरी	
२८८	श्री सरस्वती मोहरा	दैलेख	
२८९	श्री सर्वधन राई	खोटाङ	१
२९०	श्री सावित्री गुरुङ	तनहुँ	
२९१	श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक)	चितवन	१
२९२	श्री सितादेवी यादव	सिराहा	
२९३	श्री सिद्धराज ओझा	डोटी	२
२९४	श्री सीता वि.क.	प्यूठान	
२९५	श्रीमती सुजाता कोइराला	सुनसरी	
२९६	श्री सुदर्शन बराल मगर	गुल्मी	
२९७	श्री सुनिल प्रजापति	भक्तपुर	
२९८	श्री सुभाष नेम्वाङ्ग	ईलाम	२
२९९	श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी	पर्सा	३
३००	श्री सुरेन्द्र हमाल	रोल्पा	२

३०१	श्री सुरेशकुमार आले मगर	तनहुँ	
३०२	श्री सुरेशकुमार कार्की	उदयपुर	१
३०३	श्री सुरेश मल्ल	बझाङ	२
३०४	श्री सुशील कोइराला	बाँके	२
३०५	श्री सुशीला नेपाल	ललितपुर	१
३०६	सुश्री सुशीला स्वाँर	कैलाली	१
३०७	श्री सूर्यप्रसाद प्रधान	रुपन्देही	३
३०८	श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव	सप्तरी	
३०९	श्री सूर्यबहादुर थापा	धनकुटा	२
३१०	श्री सूर्यमान दोड तामाङ	काभ्रे	
३११	श्री सोमप्रसाद पाण्डेय	पाल्पा	२
३१२	श्री सोहनप्रसाद चौधरी	बारा	२
३१३	श्री स्मृतिनारायण चौधरी	धनुषा	१
३१४	श्री हर्कमान तामाङ	मोरङ	४
३१५	श्री हरि आचार्य	प्यूठान	१
३१६	श्री हरि रोका	खोटाङ	
३१७	श्री हरिनारायण चौधरी	मोरङ	६
३१८	श्री हरिप्रसाद सापकोटा	सुनसरी	४
३१९	श्री हरिभक्त अधिकारी	लमजुङ	२
३२०	श्री हरिलाल जोशी	गोरखा	३
३२१	श्री हरिहर दाहाल	काठमाडौँ	
३२२	श्री हितकाजी गुरुङ	स्याङ्जा	१
३२३	श्री हितबहादुर तामाङ	नुवाकोट	
३२४	श्री हिंसिला यमी	काठमाडौँ	
३२५	श्री होमनाथ दाहाल	ओखलढुङ्गा	१
३२६	श्री हृदयराम थानी	सुर्खेत	२
३२७	श्री हृदयेश त्रिपाठी	नवलपरासी	३
३२८	श्री ज्ञानु के.सी.	बाँके	१
३२९	श्री श्रीमाया थकाली	मुस्ताङ	

व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय

बैठक बसेको मिति, प्रारम्भ र अन्त्य सम्बन्धी विवरण

सि.नं.	बैठक संख्या	मिति	शुरु समय	अन्त्य समय
१.	१	२०६३/१०/०१	११:००	११:३५
२.	२	२०६३/१०/०३	४:०५	७:१०
३.	३	२०६३/१०/११	१२:३५	५:५०
४.	४, ५	२०६३/१०/२५	११:४५ ६:००	४:१५ ६:४०
५.	६	२०६३/१०/२८	१:१०	४:५५
६.	७	२०६३/१०/२९	१२:३०	३:२०
७.	८, ९	२०६३/११/०३	११:५५ १:३०	१२:१५ ४:१५
८.	१०	२०६३/११/०६	६:१५	६:३०
९.	११	२०६३/११/०९	३:५०	७:१५
१०.	१२	२०६३/११/१०	१:००	१:१५
११.	१३, १४	२०६३/११/१३	१२:१५ ३:५५	३:०० ४:१०
१२.	१५	२०६३/११/१७	१:१५	६:१५
१३.	१६	२०६३/११/१८	११:३०	११:३५
१४.	१७	२०६३/११/२२	५:००	७:४०
१५.	१८	२०६३/११/२५	३:०५	६:४५
१६.	१९	२०६३/११/२८	११:४०	१:५५
१७.	२०	२०६३/११/२९	३:२०	३:४५
१८.	२१, २२	२०६३/१२/०२	११:४५ ४:२०	२:५० ५:००
१९.	२३	२०६३/१२/०६	१:२०	५:३५
२०.	२४	२०६३/१२/०९	६:०५	६:३५
२१.	२५	२०६३/१२/११	४:२०	५:४५
२२.	२६, २७	२०६३/१२/१२	२:१० ४:५५	३:५५ ५:१०

सि.नं.	बैठक संख्या	मिति	शुरु समय	अन्त्य समय
२३.	२८	२०६३/१२/१४	३:२५	३:४५
२४.	२९, ३०	२०६३/१२/१८	१२:३० ३:००	१:२५ ३:०५
२५.	३१	२०६३/१२/२५	१२:३५	२:५०
२६.	३२	२०६३/१२/२७	१:१०	१:३५
२७.	३३	२०६३/१२/२९	११:४०	१२:३५
२८.	३४	२०६३/१२/३०	१२:०५	५:४०
२९.	३५	२०६४/०१/०२	११:४०	२:४५
३०.	३६	२०६४/०१/०५	१२:४५	१२:५५
३१.	३७	२०६४/०१/०६	१:२५	१:३५
३२.	३८	२०६४/०१/१०	४:५०	५:०५
३३.	३९	२०६४/०१/१२	१२:५०	१२:५५
३४.	४०	२०६४/०१/३१	१:४५	१:५०
३५.	४१, ४२	२०६४/०२/१७	३:२० ६:४५	६:२५ ७:२०
३६.	४३	२०६४/०२/२०	११:३५	१:५०
३७.	४४	२०६४/०२/२३	१:१०	४:०५
३८.	४५, ४६	२०६४/०२/२४	१२:००, १२:४५	१२:०५ ३:३०
३९.	४७	२०६४/०२/२९	२:३५	२:५५
४०.	४८, ४९	२०६४/०२/३०	७:३५ ८:२५	७:५५ १०:२५
४१.	५०, ५१	२०६४/०२/३१	७:२५ ८:००	७:४० ८:२०
४२.	५२, ५३, ५४	२०६४/०३/०३	१:३० २:४५ ४:५५	१:४५ २:५५ ५:२०

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल माघ १ गते सोमवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको प्रथम अधिवेशनको पहिलो बैठक मा० ज्येष्ठ सदस्य श्री बलबहादुर राईको अध्यक्षतामा राती ११:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठकको अध्यक्षता गर्ने मा० ज्येष्ठ सदस्यले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा १ बमोजिम प्रधानमन्त्रीले व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो अधिवेशन आह्वान गरेको प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (१) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदको अधिवेशन २०६३ साल माघ १ गते सोमवार साँझ ८:३० बजे संसद भवन सिंहदरवार, काठमाडौंमा बस्ने गरी आह्वान गरेको छु ।

मिति: २०६३ माघ १ गते ।

गिरिजाप्रसाद कोइराला
प्रधानमन्त्री

त्यसपछि मा० ज्येष्ठ सदस्यले व्यवस्थापिका-संसदको नव आगन्तुक सदस्यका रूपमा एवं पुर्नस्थापित प्रतिनिधिसभा र राष्ट्रिय सभा स्वतः विघटन भै व्यवस्थापिका-संसद सदस्यको रूपमा यस ऐतिहासिक व्यवस्थापिका संसदको पहिलो बैठकमा पाल्नुभएका सबै दलका मा० सदस्यहरुलाई हार्दिक स्वागत गर्दछु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री कृष्णबहादुर महाराले सर्वप्रथम महान शहिदहरुप्रति श्रद्धाञ्जली अर्पण गर्दै सबैलाई बधाई दिनुभयो । वहाँले इतिहासको कोशेढुङ्गाको रूपमा आजको दिनलाई लिनुपर्दछ भन्नुभयो । त्यस्तै वहाँले नयाँ नेपालको निर्माण गर्ने तथा केन्द्रिकृत प्रणालीबाट संघात्मक रूपमा अर्थात संघीय स्वशासन तर्फ देशलाई अगाडि बढाउनु पर्दछ यो संविधान पूर्ण छैन त्यसैले हामीले संविधानसभासम्म पर्खनु पर्दछ भन्नुभयो । त्यस्तै वहाँले सेनामा आमूल परिवर्तन गर्नु पर्दछ, प्रतिगमनकारी शक्तिहरुलाई निरुत्साहीत मात्र हैन पराजित गर्नु पर्दछ र सकारात्मक उद्देश्यका लागि हामीले जुन संघर्ष गरेर आयौं अब त्यो पुनः नदोहोरियोस् भन्नुभयो । वहाँले सामन्ति राज्यसंस्था विरुद्धको हाम्रो लडाईं थियो अहिले हामी सबै सँग हातेमालो गरेर अगाडि बढ्ने सोचमा छौं भन्दै वहाँले राजनैतिक पुर्नसंरचना र आर्थिक सम्वृद्धि हाम्रो उद्देश्य रहेको, व्यवस्थापिका संसदको काम कारवाही निरर्थक बहसमा नअल्मलियोस् र सहकार्य र सहयात्राबाट नै नयाँ नेपालको निर्माण गर्न सकिन्छ भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्री नारायणमान विजुक्छेले सबैलाई स्वागत गर्दै सहमति र समझदारीको दृष्टिकोण राखेमा मात्र सबै समस्या समाधान गर्न सकिने बताउनु भयो । वहाँले अन्तरिम संविधानमा धेरै सुधार गर्नुपर्ने भएका र आफूहरुले त्यसमा भएका त्रुटिहरुलाई सुधारने प्रयास गर्ने पनि बताउनु भयो ।

त्यसपछि मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ लाई अनुमोदन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई अध्यक्षता गर्ने मा० ज्येष्ठ सदस्य श्री बलबहादुर राईले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिले अनुमोदन गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल माघ ३ गते बुधबार दिनको २:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल माघ ३ गते बुधवार

आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठक मा० ज्येष्ठ सदस्य श्री बलबहादुर राईको अध्यक्षतामा दिनको ४:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठकको अध्यक्षता गर्ने मा० ज्येष्ठ सदस्यले सभामुख पदको निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार सभामुख पदमा “यस सभाका सदस्य श्री सुभाष नेम्वाङ्गलाई सभामुख पदमा निर्वाचित गरियोस्” भन्ने एउटा मात्र प्रस्तावको सूचना प्राप्त हुन आएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० श्री कृष्णबहादुर महाराले “यस सभाका सदस्य श्री सुभाष नेम्वाङ्गलाई सभामुख पदमा निर्वाचित गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्दै निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले छलफलमा भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना | २. मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे |
| ३. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल | ४. मा० श्री रामचन्द्र राय |
| ५. मा० श्री गोविन्द थारु | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ७. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० श्री डिलाराम आचार्य | १०. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ११. मा० श्री यज्ञजीत शाह | |

तदुपरान्त बैठकको अध्यक्षता गर्ने मा० ज्येष्ठ सदस्यले “यस सभाका सदस्य श्री सुभाष नेम्वाङ्गलाई सभामुख पदमा निर्वाचित गरियोस्” भन्ने एकमात्र प्रस्तावको सूचना प्राप्त भएकोले यस सभाका सदस्य श्री सुभाष नेम्वाङ्ग व्यवस्थापिका-संसदको सभामुख पदमा राजनैतिक सहमतिबाट निर्विरोध निर्वाचित भएको घोषणा गर्नुभयो ।

त्यसपछि नव निर्वाचित मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गले सदन समक्ष सपथ ग्रहण गर्नुभयो ।

तदुपरान्त बैठकको अध्यक्षता गर्ने ज्येष्ठ सदस्य मा० श्री बलबहादुर राईले नव निर्वाचित मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गलाई बधाई दिनुहुँदै व्यवस्थापिका-संसदको पहिलो सभामुखको रूपमा मृदुभाषी, कानूनका ज्ञाता एवं विषम परिस्थितिमा समेत समस्यालाई सहज र सरल रूपमा समाधान गर्न सक्षम अति मिलनसार व्यक्तित्वका धनी पूर्व सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गलाई नै सदन हस्तान्तरण गर्न पाउंदा मलाई साह्रै हर्ष र गौरव अनुभूति भइरहेको छ । हिजोका दिनहरूमा वहाँले सदन संचालनमा निर्वाह गर्नुभएको गहन भूमिका अविस्मरणीय रहेको छ र मलाई ज्येष्ठ सदस्यको हैसियतले बैठक संचालनमा सहयोग पुर्याउनु हुने सबैलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० ज्येष्ठ सदस्य श्री बलबहादुर राईले नव निर्वाचित मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गलाई सभामुखको आसन ग्रहण गर्न अनुरोध गर्नु भएपछि नवनिर्वाचित मा० सभामुखले आसन ग्रहण गर्नुभयो ।

तदुपरान्त नव निर्वाचित मा० सभामुखलाई निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले बधाई दिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री सुशील कोइराला | २. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी |
| ३. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ | ४. मा० श्री विमलेन्द्र निधि |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ६. मा० श्री राजेन्द्र महतो |
| ७. मा० श्री लिलामणि पोखरेल | ८. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे |
| ९. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | १०. मा० श्री चन्द्रप्रकाश मैनाली |
| ११. मा० श्री परी थापा | १२. मा० श्री यज्ञजीत शाह |

१३. मा० श्री सूर्यबहादुर थापा
१५. मा० श्री शान्ति पाख्रिन
१७. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी

१४. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य)
१६. मा० श्री हिसिला यमी

त्यसपछि मा० सभामुखले आफ्नो मन्तव्य राख्नुहुँदै भन्नुभयो संविधान सभामा मुलुक पुग्नको लागि व्यवस्थापिका-संसदको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ । यहाँहरूले मलाई यो गरिमामय पदमा विश्वास गर्नु भएकोले म यहाँहरू समक्ष वचनबद्धता व्यक्त गर्न चाहन्छु की सिङ्गो मुलुकले व्यक्त गरेको प्रतिबद्धताप्रति म क्रियाशील रहनेछु । हामीले धेरै महत्वपूर्ण कार्यहरू सहमति र सदभावद्वारा गरेका छौं । मुलुक एकिकृत भएर मुलुकको हितमा उभिनु पर्छ भन्ने मुलुकको चाहनाप्रति म प्रतिबद्ध रहने छु । यो व्यवस्थापिका-संसदले राष्ट्रको चुनौति समाधान गर्न सक्नेछ । अन्तमा व्यवस्थापिका-संसदको कार्य सबैको सहयोग र सहमतिमा संचालन गर्न सबैबाट मलाई सहयोग हुनेछ भन्ने मैले अपेक्षा गरेको छु ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १६० को उपधारा (१) र (२) मा रहेको मन्त्रपरिषद् सम्बन्धी व्यवस्थाका वारेमा निम्नलिखित जानकारी गराउनु भयो :-

- (१) यो संविधान प्रारम्भ हुंदाका वखत कायम रहेको मन्त्रपरिषद् यसै संविधान अन्तर्गत गठन भएको मानिने छ ।
(२) धारा ३८ बमोजिम मन्त्रपरिषद् गठन नभएसम्म उपधारा (१) बमोजिमको मन्त्रपरिषद् कायम रहने छ ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल माघ ११ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल माघ ११ गते विहिवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदको उप-सभामुख पदमा “यस सभाका सदस्य श्रीमती चित्रलेखा यादवलाई उप-सभामुख पदमा राजनैतिक सहमतिबाट निर्वाचित गरियोस्” भन्ने एउटा मात्र प्रस्तावको सूचना प्राप्त हुन आएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० श्री मातृकाप्रसाद यादवले “यस सभाका सदस्य श्रीमती चित्रलेखा यादवलाई उप-सभामुख पदमा राजनैतिक सहमतिबाट निर्वाचित गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्री रामबहादुर विष्ट, मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ र मा० श्री सुशिला स्वाँरले उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्नुभयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले “यस सभाका सदस्य श्रीमती चित्रलेखा यादवलाई उप-सभामुख पदमा राजनैतिक सहमतिबाट निर्वाचित गरियोस्” भन्ने एकमात्र प्रस्तावको सूचना प्राप्त भएकोले यस सभाका सदस्य श्रीमती चित्रलेखा यादव व्यवस्थापिका-संसदको उप-सभामुख पदमा राजनैतिक सहमतिबाट निर्विरोध निर्वाचित भएको घोषणा गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले नव निर्वाचित मा० उप-सभामुखलाई बधाई दिनुहुँदै सभामुखको हैसियतमा आफ्नो पूर्ण सहयोग र समर्थन रहने विश्वास व्यक्त गर्नुभयो ।

तदुपरान्त नव निर्वाचित मा० उप-सभामुख श्रीमती चित्रलेखा यादवले सदन समक्ष सपथ लिनुभयो । (सभामुखले नव निर्वाचित उप-सभामुखलाई सपथ ग्रहण गराउनु भएको थियो)

त्यसपछि नव निर्वाचित मा० उपसभामुखलाई निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले बधाई ज्ञापन गर्नुभयो:-

- | | |
|------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० डा० रामवरण यादव | २. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| ३. मा० श्री धर्मशिला चापागाई | ४. मा० श्री प्रकाशमान सिंह |
| ५. मा० श्री अञ्जना विशंखे | ६. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ७. मा० श्री परी थापा | ८. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १०. मा० श्री रेणुकुमारी यादव |

तदुपरान्त नव निर्वाचित मा० उप-सभामुख श्रीमती चित्रलेखा यादवले आफ्नो मन्तव्य राख्दै राज्यको पुर्नसंरचना, समानता र सहअस्तित्वका आधारमा गरिने राष्ट्र विकासमा महिलाको सहभागिता र भूमिका व्यापक, सरल र सहज हुनुपर्छ भन्ने आमधारणा रहेका बेला आफूलाई उप-सभामुख पदमा चयन गरिनु महिलाका लागि उत्साहको विषय रहेको विचार राख्नुभयो । साथै उहाँले महिलालाई उच्च प्राथमिकता दिँदै जिम्मेवारी दिएको यो निर्वाचनले आगामी दिनमा पनि राज्यको हरेक तहमा महिलाको समान सहभागिता हुनुपर्ने र राज्यले पनि सोहीअनुरूप जिम्मेवारी दिनेछ भन्ने विश्वास व्यक्त गर्नुभयो ।

तत्पश्चात् मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डेले व्यवस्थापिका-संसदको नियमावली मस्यौदा समिति गठन गरियोस् भनी समितिमा रहनुहुने निम्नलिखित मा० सदस्यहरुको नामावली सहितको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो :-

- | | |
|--|--------|
| १. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का | संयोजक |
| २. मा० श्री अमृता थापा | सदस्य |
| ३. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य (बोहोरा) | ” |
| ४. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | ” |

५. मा० श्री उमा अधिकारी (रेग्मी) ”
६. मा० श्री खिमलाल देवकोटा ”
७. मा० श्री गणेश शाह ”
८. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह ”
९. मा० श्री नवराज सुवेदी ”
१०. मा० श्री परशुराम मेघी गुरुङ ”
११. मा० श्री यज्ञजित शाह ”
१२. मा० श्री राजेन्द्र महतो ”
१३. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी ”
१४. मा० श्री रेणुकुमारी यादव ”
१५. मा० श्री लिलामणी पोखरेल ”
१६. मा० श्री सुनिल प्रजापति ”
१७. मा० श्री हरि आचार्य ”

तदुपरान्त मा० श्री दिनानाथ शर्माले उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “व्यवस्थापिका-संसदको नियमावली मस्यौदा समिति गठन गरियोस्” भन्ने नामावली सहितको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भएको घोषणा गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल माघ २५ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ४ र ५

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल माघ २५ गते विहिवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले राष्ट्रका नाममा २०६३ माघ २४ गते दिनु भएको निम्नलिखित वक्तव्यको सम्बन्धमा सदनलाई जानकारी गराउनु हुँदै उक्त वक्तव्यको प्रति टेबुल गर्नुभयो ।

विगत केही दिन यता मधेशका जनताले आन्दोलन मार्फत उठाएका विभिन्न मागहरूको सम्बन्धमा आठ राजनीतिक दल तथा सरकारको ध्यान आकृष्ट भएको छ । आठ राजनीतिक दलको सहमतिमा मधेशको आन्दोलनका क्रममा उठाइएका मागहरू पुरा गर्न सरकार प्रतिबद्ध छ ।

संविधान सभाको निर्वाचन आगामी २०६४ जेष्ठमा गर्ने हामी सबैको साझा संकल्प हो । यसका लागि समान जनसंख्या र भौगोलिक अनुकूलता तथा विशिष्टता आधारमा निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण गरिने छ । मधेशको जनसंख्या प्रतिशतको आधारमा निर्वाचन क्षेत्र बढाइने छ । साथै, त्यति नै संख्यामा समानुपातिक निर्वाचन प्रणालीबाट प्रतिनिधित्व हुने संख्या पनि बढाइने छ । यसै गरी संघीय लोकतान्त्रिक राज्य प्रणाली निर्माण गरी शासन प्रणालीमा मधेशी, दलित, आदिवासी, जनजाती, महिला, पिछडिएको क्षेत्र र वर्ग लगायत सबै जनताको सहभागिता गराइने छ । संघीय राज्य प्रणाली र निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण सम्बन्धि विषयहरू अविलम्ब अन्तरिम संविधानमा संशोधन गरी आवश्यक व्यवस्था मिलाइनेछ ।

मुलुकको राज्य संरचनाका सबै अंगहरूमा मधेशी, दलित, आदिवासी, जनजाति, महिला, मजदूर किसान, पिछडिएका वर्ग र क्षेत्र सबैलाई समानुपातिक समावेशीको आधारमा सहभागी गराइनेछ । नागरिकता प्रमाणपत्र वितरणको कार्य पुरा गरिनेछ । यसका लागि म सबै राजनीतिक दल, नागरिक समाज एवं सम्पूर्ण जनसमुदायबाट सहयोगको अपेक्षा गर्दछु ।

मधेशी जनताले विगतका सबै जनआन्दोलनहरूमा सकृय एवं गौरवपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दै आएका छन् । अहिले पनि आफ्ना मागहरू सहित आन्दोलनरत मधेशी जनताको भावनाको म सम्मान गर्दछु । अहिलेको आन्दोलनको क्रममा शहादत प्राप्त गर्नु भएका नागरिकहरू र सुरक्षाकर्मी प्रति भावपूर्ण श्रद्धाञ्जली व्यक्त गर्दछु तथा शोक सन्तप्त परिवारजन प्रति हार्दिक समवेदना व्यक्त गर्दछु । घाइतेहरूको शीघ्र स्वास्थ्य लाभको कामना गर्दछु । साथै आगजनी, तोडफोड, लुटपाट जस्ता हिंसात्मक घटनाहरू प्रति गहिरो दुःख व्यक्त गर्दछु । घाइतेहरूको समुचित उपचारको व्यवस्था मिलाउनका साथै जीउ-धनको नोक्सानी र क्षति भएका परिवारहरूलाई उचित राहत सहयोगको व्यवस्था सरकारले मिलाउनेछ ।

अन्त्यमा, सबै आन्दोलनरत पक्षसँग आन्दोलन फिर्ता लिन अपिल गर्दछु तथा शान्तिपूर्ण वातावरणमा वार्ता र संवादको माध्यमाबाट आ-आफ्ना माग एवं समस्याहरूको समाधान खोज्न म अनुरोध गर्दछु । मुलुकमा परम्परादेखि चलिआएको सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता र मेलमिलाप कायम राखी लोकतन्त्रको संस्थागत स्थायित्वका निमित्त शान्तिपूर्ण वातावरणमा संविधान सभाको निर्वाचनको अभियानमा सहभागी हुन सम्पूर्ण दाजु-भाइ तथा दिदी-बहिनीहरूलाई हार्दिक अपील गर्दछु ।

तत्पश्चात विशेष समयमा बोल्ने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले तराईका मधेशी समुदायको समस्याको सम्बन्धमा मा० प्रधानमन्त्रीले राष्ट्रको नाममा दिनुभएको सम्बोधनको स्वागत गर्दै सबै आन्दोलनरत पक्षसँग आन्दोलन फिर्ता लिई मुलुकमा शान्ति कायम गरी संविधान सभाको निर्वाचन निर्धारित समयमा सम्पन्न गर्न सबै पक्षलाई आग्रह गरिएको, आदिवासी, जनजाति र पिछडिएका वर्गको सम्बन्धमा पनि सम्बोधन गरिनु पर्ने भनी आ-आफ्नो भनाइ राख्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|---|
| १. मा० डा० रामवरण यादव | २. मा० श्री भूलनाथ खनाल |
| ३. मा० श्री कृष्णबहादुर महारा | ४. मा० श्री विजयकुमार गच्छदार |
| ५. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | ६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ७. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | ८. मा० श्री हरि आचार्य |
| ९. मा० श्री राजेन्द्र महतो | १०. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली |
| ११. मा० श्री नवराज सुवेदी | १२. मा० श्री यज्ञजीत शाह |
| १३. मा० श्री रामकुमार चौधरी | १४. मा० श्री रामप्रीत पासवान |
| १५. मा० श्री शिवकुमार मण्डल | १६. मा० श्री उमाकान्त चौधरी |
| १७. मा० श्री हरि रोका | १८. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी |
| १९. मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव | २०. मा० श्री रुपा चौधरी |
| २१. मा० श्री शरतसिंह भण्डारी | २२. मा० श्री सीतादेवी यादव |
| २३. मा० श्री दानबहादुर चौधरी | |

यसैबीच सदनमा एकजना मा० मन्त्रीको पनि अनुपस्थिति रहेको अवस्थामा सदनको बैठक संचालन गर्न नमिल्ने व्यहोराको जानकारी गराउँदै मा० सदस्यहरूले मा० सभामुखलाई आग्रह गरेपछि एकछिन सदनमा नियमित कार्य हुन नसकी होहल्ला भएको थियो र त्यसैबीच मा० स्थानीय विकास मन्त्री श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डेको सदनमा उपस्थिति भएपछि विशेष समयमा बोल्ने मा० सदस्यहरूको बोल्ने क्रम पुनः प्रारम्भ भयो ।

२४. मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव

मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादवले हिन्दी भाषामा बोल्न शुरु गरेपछि मा० श्री कमानसिंह लामाले सो भाषा आफूले नबुझेकोले सो को उल्ट्या गरी बुझ्न सक्ने व्यवस्था मिलाइयोस् भनी आफ्नो आशयमा उभिई बारम्बार सो कुरा दोहोर्‍याउनु भएपछि सो सम्बन्धमा वक्ता मा० सदस्यले बोल्न पाउनु पर्छ भनी कतिपय मा० सदस्यहरू पनि आशयबाट उठी आफ्नो माग राख्नुभयो । त्यसपछि बैठकको अध्यक्षता गर्नु भएकी मा० उप-सभामुख श्रीमती चित्रलेखा यादवले मा० श्री कमानसिंह लामालाई मा० सदस्यले बोलिरहेको समयमा अवरोध नपुर्‍याई आफ्नो आशय ग्रहण गरिदिनु हुन बारम्बार अनुरोध गर्नुभएपछि मा० सदस्यले आफ्नो आशय ग्रहण गर्नुभयो । तत्पश्चात विशेष समयमा बोल्ने क्रम पुनः प्रारम्भ भयो ।

- | | |
|-----------------------------------|----------------------------------|
| २५. मा० श्री रामजनम चौधरी | २६. मा० श्री जगदीशप्रसाद शाह |
| २७. मा० श्री रामचरण चौधरी थारु | २८. मा० श्री महेन्द्र यादव |
| २९. मा० श्री अजयकुमार चौरसिया बरै | ३०. मा० श्री योगनारायण यादव |
| ३१. मा० श्री महेन्द्र पासवान | ३२. मा० श्री लक्ष्मणप्रसाद मेहता |
| ३३. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | ३४. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना |
| ३५. मा० डा० वंशीधर मिश्र | ३६. मा० श्री सरस्वती चौधरी |
| ३७. मा० श्री कमानसिंह लामा | ३८. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी |
| ३९. मा० श्री असर्फी सदा | |

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा समितिका संयोजक मा० श्री पूर्णबहादुर खड्काले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा, २०६३” र समितिको राय सुझाव सहितको प्रतिवेदन पेश गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक १ घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ६:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा समितिका संयोजक मा० श्री पूर्णबहादुर खड्काले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा, २०६३” माथिको छलफल सदनमा गरियोस् भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा, २०६३” माथिको छलफल प्रारम्भ भएको जानकारी गराउनु भयो । साथै छलफलमा उक्त नियमावली मस्यौदा माथिको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा समेत जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त उक्त नियमावली मस्यौदामाथिको छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री हरि आचार्य | २. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| ३. मा० श्री परी थापा | ४. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर |
| ५. मा० श्री कमानसिंह लामा | |

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा समितिका संयोजक मा० श्री पूर्णबहादुर खड्काले उक्त छलफलको क्रममा उठेका प्रश्नहरुको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा, २०६३ को नियम २ देखि २७३ सम्म र सम्बन्धित अनुसूची १ देखि ७ सम्म “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावलीको प्रस्तावना र संक्षिप्त नाम र प्रारम्भ पढेर सुनाउनु हुँदै “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा समितिका संयोजक मा० श्री पूर्णबहादुर खड्कालाई “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा, २०६३” लाई पारित गरियोस् भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले मुलुकमा देखापरेका सबै प्रकारका समस्याहरु वार्ताद्वारा समाधान गरिनु नै समाधानको सबैभन्दा उपयुक्त माध्यम हो । यस क्रममा मुलुकमा उठिरहेका विशेषत मधेशका समस्या सम्बन्धमा माननीय प्रधानमन्त्रीले राष्ट्रको नाममा गर्नुभएको सम्बोधन र आठ राजनैतिक दलको सो प्रति रहेको पूर्ण समर्थन र प्रतिवद्धताले आजैको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा प्रवेश समेत गरिसकेको छ । मुलुकका उल्लेखित समस्याहरुलाई समाधान गर्न गरिएका प्रतिवद्धताहरु संविधान संशोधन मार्फत अविलम्ब कार्यान्वयन गरिनु पर्छ भन्नेमा विवाद छैन र सिंगो मुलुक यस तर्फ अगाडि बढीसकेको छ । यस पृष्ठभूमिमा भर्खरै यस व्यवस्थापिका-संसदको बैठकद्वारा पारित नियमावलीले संविधान संशोधनको प्रक्रिया निर्धारण गरिसकेको अवस्थामा यो व्यवस्थापिका-संसद संविधान संशोधन प्रक्रियामा अगाडि बढ्न जुनसुकै बखत तयारी अवस्थामा रहेको व्यहोरा माननीय सदस्यहरुलाई जानकारी गराउँछु । साथै यस यथार्थतालाई हृदयंगम गरी नेपाली जनताद्वारा उठाइएका मागहरुको संविधान संशोधन मार्फत उचित निकास दिन नेपाल सरकार, राजनीतिक दल र सिंगो मुलुकको ध्यानाकर्षण समेत गराउन चाहन्छु भन्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल माघ २८ गते आइतबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ६

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल माघ २८ गते आइतवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा बोल्ने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ मा तत्काल संशोधन गर्ने तर्फ सरकार अग्रसर होस्, तराईमा भएको घटनाको सम्बन्धमा न्यायिक छानविन आयोग गठन गरी दोषीमाथि कडा से कडा कारवाही गरियोस् भन्ने जस्ता विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाइ राख्नुभयो । साथै केही मा० सदस्यहरूले मा० गृहमन्त्रीले समस्या समाधानको लागि तत्काल राजीनामा गर्नुपर्छ भनी माग गर्नुभयो ।

- | | |
|-----------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी | २. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ३. मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव | ४. मा० श्री जनार्दन शर्मा |
| ५. मा० श्री हरिनारायण चौधरी | ६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ७. मा० श्री सुनील प्रजापति | ८. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ९. मा० श्री गणेश शाह | १०. मा० श्री परी थापा |
| ११. मा० श्री कृष्ण आचार्य | १२. मा० श्री देवेन्द्रराज कंडेल |
| १३. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | १४. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ |
| १५. मा० श्री ऋषिकेश गौतम | १६. मा० श्री स्मृतिनारायण चौधरी |
| १७. मा० श्री पार्वती चौधरी | १८. मा० श्री भक्तबहादुर शाह |
| १९. मा० श्री महेन्द्रकुमार राय | २०. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| २१. मा० श्री प्रभु शाह | २२. मा० श्री योगनारायण यादव |
| २३. मा० श्री उमा भुजेल | २४. मा० श्री नन्दसिंह सार्की |
| २५. मा० श्री सन्तोषकुमार बुढामगर | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले मधेशका समस्याका सम्बन्धमा यस व्यवस्थापिका-संसदको बैठकहरूमा मा० सदस्यहरूले बारम्बार गम्भिर प्रश्नहरू उठाइरहनु भएको छ र मैले पनि यस समस्याको सम्बन्धमा नेपाल सरकारको ध्यानाकर्षण गराएको छु । मा० सदस्यहरूले उठाउनु भएका विषयहरू प्रति संवेदनशील भै बैठकमा यथाशीघ्र सरकारले प्रतिक्रिया जनाई आफ्नो धारणा स्पष्ट गरी मा० सदस्यहरूको जिज्ञासाको जवाफ दिई राष्ट्र एवं नेपाली जनतालाई सन्तुष्ट तुल्याउनु कुनै पनि लोकतान्त्रिक व्यवस्था अन्तर्गत सरकारको प्राथमिक जिम्मेवारी भित्र पर्ने विषय हो । तसर्थ यस सन्दर्भमा, म नेपाल सरकारलाई मा० सदस्यहरूले बैठकहरूमा उठाउनु भएका विशेषतः मधेशका समस्या सम्बन्धमा सरकारको धारणा व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा यथाशीघ्र प्रस्तुत गर्न ध्यानाकर्षण गराउँदछु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २७ बमोजिम कार्यव्यवस्था परामर्श समितिमा पदेन सदस्यहरू सहित निम्नलिखित मा० सदस्यहरूलाई मनोनीत गरेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

- | | |
|---|------------|
| १. मा० सभामुख | सभापति |
| २. मा० उप-सभामुख | उप-सभापति |
| ३. व्यवस्थापिका-संसदसँग सम्बन्धित मन्त्री | पदेन सदस्य |
| ४. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना | " |
| ५. मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे | " |
| ६. मा० श्री दीनानाथ शर्मा | " |

७.	मा० श्री टेकबहादुर चोखाल	“
८.	मा० श्री अमृता थापा	सदस्य
९.	मा० श्री कमानसिंह लामा	“
१०.	मा० श्री गणेश शाह	“
११.	मा० श्री गोविन्द थारु	“
१२.	मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह	“
१३.	मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह	“
१४.	मा० श्री जनार्दन शर्मा	“
१५.	मा० श्री नवराज सुवेदी	“
१६.	मा० श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग	“
१७.	मा० श्री यज्ञजीत शाह	“
१८.	मा० श्री रामबहादुर बिष्ट	“
१९.	मा० श्री लिला न्याइच्याइँ	“
२०.	मा० श्री सुनील प्रजापति	“
२१.	मा० श्री हरि आचार्य	“

तदुपरान्त मा० सभामुखले आजको कार्यसूचीको क्रमसंख्या २ मा रहेको कार्यक्रम कार्यसूचीबाट हटाइएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल माघ २९ गते सोमबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल माघ २९ गते सोमवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा बोल्ने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले जेष्ठ महिना भित्र संविधान सभाको निर्वाचन गर्न निर्वाचन आयोगलाई तत्काल आवश्यक पर्ने ऐन कानूनहरू यथाशिघ्र संसदले पारित गरी संविधानसभाको निर्वाचनको लागि मार्ग प्रसस्त गरिनुपर्ने, नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ मा तत्काल संशोधनको लागि सरकारबाट संसदमा प्रस्ताव पेश गर्नुपर्ने, माओवादी जनसेनाको आधारभूत आवश्यकता परिपूर्ति मानवीय तवरले गरिनुपर्ने, नयां नेपाल निर्माणको लागि हाम्रो संस्कार र धारणामा परिवर्तन गरिनुपर्ने, रायमाझी आयोगले औल्याएका दोषीहरूलाई तत्काल कारवाही गरिनु पर्ने, जन आन्दोलनको विरुद्धमा सक्रिय रहेका हाल अमेरिकाको भर्जिनिया भन्ने ठाउँमा काम गरिरहेका र हाल व्यवस्थापिका-संसदको सदस्य कायम रहेका मा० श्री नेत्रलाल श्रेष्ठलाई व्यवस्थापिका-संसद सदस्य पदबाट निष्कासित गरिनुपर्ने र माघ २८ गते मा० सभामुखबाट सरकारलाई गरिएको ध्यानाकर्षणको सम्बन्धमा सरकार उदासिन रहेको भन्ने जस्ता विविध विषयमा मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाइ राख्नुभयो ।

- | | |
|---------------------------------|--|
| १. मा० श्री रोमी गौचन थकाली | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री हिसीला यमी | ४. मा० डा० मिनेन्द्र रिजाल |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ७. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | ८. मा० श्री हरी आचार्य |
| ९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १०. मा० श्री इलियास मुसलमान |
| ११. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी | १२. मा० श्री प्रकाश ज्वाला |
| १३. मा० श्री तिलक परियार | १४. मा० श्री उमा अधिकारी (रेग्मी) |
| १५. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी | १६. मा० श्री रामकुमारी यादव |
| १७. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद | १८. मा० श्री शेरधन राई |
| १९. मा० श्री पद्मबहादुर राई | २०. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| २१. मा० श्री बामदेव क्षेत्री | २२. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल |

त्यसपछि मा० अर्थमन्त्री डा० रामशरण महतले २०६३ साल वैशाख १ गतेदेखि २०६३ पुष मसान्तसम्म वैदेशिक सहयोग सम्बन्धमा भएका सम्झौताहरूको विवरण पेश गर्नुभयो

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन ३ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ८ र ९

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन ३ गते विहिवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले तराईमा विगत केही दिन देखि चलिरहेको आन्दोलनको समयमा भएका जनधनको क्षतिको सम्बन्धमा जानकारी दिनुहुँदै सबै क्षतिहरूको मुल्यांकन गरि तथ्य विवरण पठाउन सम्बन्धित प्र.जि.अ.हरूलाई निर्देशन दिइ सकिएको, सहादत प्राप्त गर्नेहरूको लागि प्रतिव्यक्ति दश लाख रुपैया उपलब्ध गराउने र घाइतेहरूको उपचारको लागि उच्च प्राथमिकता दिँदै र उपचारमा लागेको सम्पूर्ण खर्च गृहमन्त्रालय मार्फत भुक्तानी दिने व्यवस्था मिलाएको, शान्तिपूर्ण आन्दोलन मार्फत राखिने मागलाई सम्मान गरिनुपर्दछ भन्ने सरकारको मान्यता रहेको बताउँदै अन्तरिम संविधान संशोधनको विषयमा मन्त्रिपरिषद्को बैठकले कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रालयलाई अह्राइसकेको सम्बन्धमा सार्वजनिक महत्वको विषयमा सदनलाई जानकारी दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात प्रतिनिधि सभा नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात प्रतिनिधि सभा नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा बोल्ने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो ।

- | | |
|----------------------------------|--|
| १. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी | २. मा० श्री फटिकबहादुर थापा |
| ३. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट | ४. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ५. मा० श्री पशुपति शमशेर ज.ब.रा. | ६. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सि.पि.) मैनाली |
| ७. मा० श्री भिक्षु आनन्द | ८. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे |
| ९. मा० श्री कमानसिंह लामा | १०. मा० श्री तीलकुमार मेन्याङ्गबो (लिम्बु) |

त्यसपछि मा० श्री तीलकुमार मेन्याङ्गबो (लिम्बु) बोलिरहनु हुँदा सभामुखको डायस अगाडिको क्षेत्र नाघेर नजाने परम्परा रहँदा रहँदै पनि मा० अर्थमन्त्रीले सो परम्परा तोड्नु भएको विषयमा मा० श्री रोमी गौचन थकालीले नियमापत्ति गरी कुरा उठाउनु भएपछि सो सम्बन्धमा मा० सभामुखले मा० मन्त्रीको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो । त्यसपछि विशेष समयमा बोल्ने क्रम जारी रह्यो ।

- | | |
|--------------------------------|---|
| ११. मा० श्री अक्कलबहादुर विष्ट | १२. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) |
|--------------------------------|---|

१३. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ

तदुपरान्त मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले आर्थिक वर्ष २०६३/०६४ को बजेटको मध्यावधि मूल्याङ्कन प्रतिवेदन पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भागलिनु भयो :-

- | | |
|---------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | २. मा० श्री विरोध खतिवडा |
| ३. मा० श्री नवराज सुवेदी | ४. मा० श्री हरि आचार्य |
| ५. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | ६. मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह |

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भागलिनु भयो :-

- | | |
|-------------------------|----------------------------|
| १. मा० श्री हरिहर दाहाल | २. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
|-------------------------|----------------------------|

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन ६ गते आइतबार दिनको ४:३० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १०

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन ६ गते आइतवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ६:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा बोल्ने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ माथि संशोधन प्रस्ताव पेश गर्ने प्रतिवद्धता अनुरूप आजसम्म पनि पेश नगरिएको सम्बन्धमा जिज्ञासा उठाउँदै आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो ।

- | | |
|---------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना | २. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग |
| ३. मा० श्री जनार्दन शर्मा | ४. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल |

यसैबीच मा० सभामुखसँग मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादवले समय लिइ तराइको समस्याको सम्बन्धमा मुख्यतया मा० गृहमन्त्रीले राजीनामा दिनुपर्ने भनि वहाँको राजीनामा माग गर्नुभयो ।

यसैबीच मा० सभामुखले मधेशसम्बन्धी समस्याको समाधानका लागि प्रधानमन्त्रीको सम्बोधन र सांसदहरूको चाहना अनुसार यसअघि व्यवस्थापिका-संसदले सरकारलाई अन्तरिम संविधान संशोधनसम्बन्धी विधेयक प्रस्तुत गर्न निर्देशन गरे अनुरूप व्यवस्थापिका-संसदको तेस्रो विधेयकको रूपमा आजै सो विधेयक संसद सचिवालयमा दर्ता भएको जानकारी दिँदै संविधान संशोधनको प्रक्रिया शुरु भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले आजको कार्यसूचीमा रहेको निर्धारित कार्यक्रमहरू कार्यसूचीबाट हटाइएको व्यहोरा समेत जानकारी गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन ९ गते बुधबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ११

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन ९ गते बुधवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० श्री रामचन्द्र पौडेलले “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ द्वारा राजकीय सत्ता तथा शासनाधिकारबाट बञ्चित गरिएका राजा ज्ञानेन्द्रले २०६३/११/७ गते दिएको अभिव्यक्ति जनआन्दोलन २०६३, जेष्ठ ४ गतेको प्रतिनिधिसभा घोषणा र नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को विपरित भएको हुंदा उक्त असंवैधानिक, अनाधिकृत एवं अलोकतान्त्रिक तथा अधिनायकवादी सोच र शान्तिप्रकृत्या विथोल्ने निहीत उद्देश्यले प्रेरित अभिव्यक्तिप्रति यो बैठक गम्भीर आपत्ति प्रकट गर्दै अस्वीकार गर्दछ । यस सम्बन्धमा आवश्यक कारवाही गरी सो सम्बन्धी जानकारी व्यवस्थापिका-संसदलाई गराउन सरकारलाई निर्देश गर्नु यो जरुरी सार्वजनिक महत्वको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्दछौं” भन्ने विषयको जरुरी सार्वजनिक महत्वको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त उक्त प्रस्तावका निम्नलिखित अन्य प्रस्तावक मा० सदस्यहरूले छलफलमा भाग लिनुभयो :-

- | | |
|------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी | २. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ |
| ३. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल | ४. मा० श्री भरतविमल यादव |
| ५. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ७. मा० श्री हरि आचार्य | |

तत्पश्चात उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्दै निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले छलफलमा भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | २. मा० श्री अन्जना विशांखे |
| ३. मा० श्री रेणुकुमारी यादव | ४. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावमाथिको छलफलमा भाग लिन चाहनु हुने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूलाई भाग लिन समय दिनु भयो :

- | | |
|-----------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० डा० रामवरण यादव | २. मा० श्री प्रकाश ज्वाला |
| ३. मा० श्री जनार्दन शर्मा | ४. मा० श्री खेमराज भट्ट मायालु |
| ५. मा० श्री नवराज सुवेदी | ६. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर |
| ७. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | ८. मा० श्री श्रीमाया थकाली |
| ९. मा० श्री जयपुरी घर्ति मगर | १०. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी |

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले उक्त प्रस्ताव माथिको छलफलमा उठाइएका विषयहरूको सम्बन्धमा जवाफ दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुंदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात प्रतिनिधि सभा नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन १० गते विहबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १२

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन १० गते विहवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १३ बमोजिम सभामुख र उप-सभामुखको अनुपस्थितिमा बैठकको अध्यक्षता गर्न निम्नलिखित मा० सदस्यहरूलाई मनोनयन गरेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | २. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ३. मा० श्री तिलक परियार | ४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| ५. मा० श्री रामकुमारी यादव | ६. मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने |
| ७. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | ८. मा० श्री सुशिला नेपाल |
| ९. मा० श्री श्रीमाया थकाली | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १८३ बमोजिम निम्नलिखित चौध वटा विषयगत समितिहरूमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूको नाम प्रस्ताव गरेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

सार्वजनिक लेखा समिति

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| १. मा० श्री अञ्जना विसंखे | २. मा० श्री कृष्ण आचार्य |
| ३. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे | ४. मा० श्री कृष्णप्रताप मल्ल |
| ५. मा० श्री कृष्णलाल महर्जन | ६. मा० श्री खुमबहादुर खड्का |
| ७. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट | ८. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ९. मा० श्री परशुराम रम्तेल | १०. मा० श्री परी थापा |
| ११. मा० श्री पशुपति चौलागाईं | १२. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| १३. मा० श्री मणि खुम्बु | १४. मा० श्री महादेव गुरुङ |
| १५. मा० श्री महेन्द्र पासवान | १६. मा० डा. मिनेन्द्र रिजाल |
| १७. मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत | १८. मा० श्री रामबहादुर बिष्ट |
| १९. मा० श्री रामहरि ढुङ्गेल | २०. मा० श्री वामदेव क्षेत्री |
| २१. मा० श्री विजय सुब्बा | २२. मा० श्री शिवकुमार बस्नेत |
| २३. मा० श्री शिवबहादुर देउजा | |

अर्थ समिति

- | | |
|----------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुङ्गाना | २. मा० श्रीमती आनन्दीदेवी सिंह |
| ३. मा० श्री केशव थापा | ४. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |
| ५. मा० श्री टीका बुढाथोकी | ६. मा० श्री डिल्लीराज खनाल |
| ७. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ | ८. मा० श्री नन्द सिंह साकी |
| ९. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद | १०. मा० श्री पदमबहादुर राई |
| ११. मा० डा. प्रकाश शरण महत | १२. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |
| १३. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी | १४. मा० श्री महेश आचार्य |

१५. मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी
 १७. मा० श्री रामचन्द्र यादव
 १९. मा० श्री विनयध्वज चन्द
 २१. मा० श्री शोभा कट्टेल
 २३. मा० श्री स्मृतिनारायण चौधरी

१६. मा० श्री रामकृष्ण ताम्राकार
 १८. मा० श्री रामचन्द्र राय
 २०. मा० श्री शिला यादव
 २२. मा० श्री सुरेश मल्ल

राज्य व्यवस्था समिति

- | | |
|----------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | २. मा० श्री ईश्वर पोखरेल |
| ३. मा० श्री उमा भुजेल | ४. मा० श्री कमलप्रकाश सुनुवार |
| ५. मा० श्री कुमार फुदुङ्ग | ६. मा० श्री चिरञ्जीवी वाग्ले |
| ७. मा० श्री जनार्दन शर्मा | ८. मा० श्री देवेन्द्रराज कडेल |
| ९. मा० श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग | १०. मा० श्री पशुपतिशमशेर ज.ब.रा |
| ११. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का | १२. मा० श्री प्रदीप नेपाल |
| १३. मा० श्री राजेन्द्र महतो | १४. मा० श्री रामचन्द्र पौडेल |
| १५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | १६. मा० श्रीमती विद्यादेवी भण्डारी |
| १७. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर | १८. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| १९. मा० श्री सुशील कोइराला | २०. मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव |
| २१. मा० श्री हरि आचार्य | २२. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| २३. मा० श्री हृदयराम थानी | |

प्रशासन सुधार अनुगमन समिति

- | | |
|----------------------------------|------------------------------------|
| १. मा० श्री अक्कलबहादुर बिष्ट | २. मा० श्री कृष्णबहादुर महारा |
| ३. मा० श्री गोरखबहादुर वोगटी | ४. मा० डा. गंगाधर लम्साल |
| ५. मा० श्री चिनक कुर्मी | ६. मा० श्री डिल्लीराज शर्मा |
| ७. मा० श्री तीर्थराम डङ्गोल | ८. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा |
| ९. मा० श्री पार्वती चौधरी | १०. मा० श्री फरमुलाह मंसुर |
| ११. मा० श्री मञ्जु बम | १२. मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे |
| १३. मा० श्री राजेन्द्र खरेल | १४. मा० श्री रामनाथ अधिकारी |
| १५. मा० श्री रामबहादुर गुरुङ | १६. मा० श्री रंगनाथ जोशी |
| १७. मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने | १८. मा० श्री शरतसिंह भण्डारी |
| १९. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख) | २०. मा० श्री शेरधन राई |
| २१. मा० श्री सरला रेग्मी | २२. मा० श्री सीता वि.क. |
| २३. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर | |

अन्तरराष्ट्रिय सम्बन्ध समिति

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री खेमराज भट्ट मायालु | २. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ३. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | ४. मा० श्री चक्रप्रसाद वास्तोला |
| ५. मा० श्री चन्द्रबहादुर शाही | ६. मा० श्री जयप्रकाशप्रसाद गुप्ता |
| ७. मा० श्री भलनाथ खनाल | ८. मा० श्री दीनानाथ शर्मा |
| ९. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | १०. मा० श्री फटिकबहादुर थापा |
| ११. मा० श्री भरतविमल यादव | १२. मा० श्री भिक्षु आनन्द |
| १३. मा० श्री महेन्द्र यादव | १४. मा० श्री रामलौट तिवारी |

१५. मा० श्री रोमी गौचन थकाली	१६. मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाई
१७. मा० श्री सरस्वती मोहरा	१८. मा० श्री सावित्री गुरुड दुरा
१९. मा० श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी	२०. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की
२१. मा० श्री सुशीला नेपाल	२२. मा० श्री हितकाजी गुरुड

प्राकृतिक स्रोत र साधन समिति

१. मा० श्री अजयप्रताप शाह	२. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी
३. मा० श्री असर्फी सदा	४. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल
५. मा० श्री उमा वि.क.	६. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली
७. मा० श्री जगदीशप्रसाद साह	८. मा० श्री दिलबहादुर लामा
९. मा० श्री देवी खड्का	१०. मा० श्री नागेन्द्रकुमार राय
११. मा० श्री नारायणशर्मा पौड्याल	१२. मा० श्री पारोदेवी यादव
१३. मा० श्री पुरन राना थारु	१४. मा० श्री प्रकाश ज्वाला
१५. मा० श्री भरतप्रसाद शाह	१६. मा० श्री रामकुमार चौधरी
१७. मा० श्री लेखनाथ आचार्य	१८. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट
१९. मा० श्री वसन्तकुमार नेम्वाङ	२०. मा० श्री विजयकुमार गच्छदार
२१. मा० श्री वीरबहादुर लामा	२२. मा० श्री हरि रोका

कृषि तथा सहकारी समिति

१. मा० श्री उमाकान्त चौधरी	२. मा० श्री एकनाथ रानाभाट
३. मा० श्री कुन्ता शर्मा	४. मा० श्री कैलाशनाथ कसौधन
५. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला	६. मा० श्री गोविन्द थारु
७. मा० श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे	८. मा० श्री दानबहादुर चौधरी
९. मा० श्री दिलीप महर्जन	१०. मा० श्री दुर्योधन सिंह
११. मा० श्री धर्मशिला चापागाई	१२. मा० श्री पाल्तेन गुरुड
१३. मा० श्री बलदेव शर्मा	१४. मा० श्री मातृकाप्रसाद यादव
१५. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी	१६. मा० श्री यज्ञजीत शाह
१७. मा० श्री रामचरण चौधरी थारु	१८. मा० श्री रामजीवन सिंह
१९. मा० श्री रुपा वि.क.	२०. मा० श्री वामदेव गौतम
२१. मा० श्री शुभाष कर्माचार्य	२२. मा० श्री शेरबहादुर देउवा

शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समिति

१. मा० श्री कमानसिंह लामा	२. मा० श्री गंगाप्रसाद नेपाल
३. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल	४. मा० श्री बलावती शर्मा
५. मा० श्री बिरोध खतिवडा	६. मा० श्री बेदुराम भुसाल
७. मा० डा. बंशीधर मिश्र	८. मा० श्री भगवती प्रधान
९. मा० श्री महेन्द्रकुमार राय	१०. मा० श्री मंगलप्रसाद थारु
११. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा	१२. मा० श्री यादवबहादुर रायमाझी
१३. मा० श्री राम आश्रय राम	१४. मा० श्री रामजनम चौधरी
१५. मा० डा. रामवरण यादव	१६. मा० श्री लेखराज भट्ट
१७. मा० श्री विनोदकुमार उपाध्याय	१८. मा० श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक)

१९.	मा० सुश्री सुशीला स्वाँर	२०.	मा० श्री सूर्यप्रसाद प्रधान
२१.	मा० श्री हरिभक्त अधिकारी	२२.	मा० श्री श्रीमाया थकाली

कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समिति

१.	मा० श्री अजयकुमार चौरसिया बरै	२.	मा० श्री अमृता थापा
३.	मा० श्री कुमारी मोक्तान	४.	मा० श्री खिमलाल देवकोटा
५.	मा० श्री गमबहादुर श्रीश मगर	६.	मा० श्री गेहेन्द्र गिरी
७.	मा० श्री घनेन्द्र बस्नेत	८.	मा० श्री जनकराज गिरी
९.	मा० श्री जयन्ति राई	१०.	मा० श्री टेकबहादुर चोखाल
११.	मा० श्री तारानाथ रानाभाट	१२.	मा० श्री तारिणीदत्त चटौत
१३.	मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी	१४.	मा० श्री दुर्गा लिंखा
१५.	मा० श्री नेत्रलाल श्रेष्ठ	१६.	मा० श्री प्रभु शाह
१७.	मा० श्री बेनुपराज प्रसाई	१८.	मा० श्री भक्तबहादुर वलायर
१९.	मा० श्री वीरेन्द्रकुमार कनौडिया	२०.	मा० श्री रामप्रीत पासमान
२१.	मा० श्री सिद्धराज ओझा	२२.	मा० श्री हर्कमान तामाड
२३.	मा० श्री हरिहर दाहाल		

भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समिति

१.	मा० श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह	२.	मा० श्री अशोक कोइराला
३.	मा० श्री इन्द्रजीत थारु	४.	मा० श्री इलियास मुसलमान
५.	मा० श्री टंकप्रसाद राई	६.	मा० श्री तीर्था गौतम
७.	मा० श्री देवीलाल थापा	८.	मा० श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ
९.	मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी	१०.	मा० श्री बुद्धिमान माझी
११.	मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव	१२.	मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने
१३.	मा० श्री लालबाबु पण्डित	१४.	मा० श्री शान्ति पाख्रिन
१५.	मा० श्री शिवराज जोशी (सुर्खेत)	१६.	मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी
१७.	मा० श्री सितादेवी यादव	१८.	मा० श्री हरिलाल जोशी
१९.	मा० श्री हितबहादुर तामाड	२०.	मा० श्री हिसिला यमी
२१.	मा० श्री ज्ञानु के.सी.		

वातावरण सञ्चार तथा प्रविधि समिति

१.	मा० श्री अमरेशकुमार सिंह	२.	मा० श्री ओमप्रसाद ओझा
३.	मा० श्री कमला रोका	४.	मा० श्री कृष्णप्रसाद दहाल
५.	मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह	६.	मा० श्री चन्द्रमणि खराल
७.	मा० श्री टुकराज सिग्देल	८.	मा० श्री दिपकबहादुर गुरुड
९.	मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई	१०.	मा० श्री नरेन्द्रबहादुर बम
११.	मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी	१२.	मा० श्री बलबहादुर राई
१३.	मा० श्री भक्तबहादुर शाह	१४.	मा० श्री भिमबहादुर तामाङ्ग
१५.	मा० श्री रघुजी पन्त	१६.	मा० श्री राधेश्याम अधिकारी
१७.	मा० श्री रुपा चौधरी	१८.	मा० श्री लक्ष्मणप्रसाद मेहता
१९.	मा० श्री शिवकुमार मण्डल	२०.	मा० श्री सर्वधन राई
२१.	मा० श्रीमती सुजाता कोइराला	२२.	मा० श्री सूर्यमान दोड तामाड

मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समिति

१. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य (बोहोरा)	२. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी
३. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य)	४. मा० श्री केशरमान रोका
५. मा० श्री गोविन्दराज जोशी	६. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा
७. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर	८. मा० श्री टंक आम्बोहाड लिम्बु
९. मा० श्री तारासम यङ्ग्या	१०. मा० श्री तिलक परियार
११. मा० श्री दामा शर्मा	१२. मा० श्री पूर्णसिंह राजवंशी
१३. मा० श्री प्रकाशमान सिंह	१४. मा० श्री प्रदिप गिरी
१५. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर	१६. मा० श्री माधवकुमार नेपाल
१७. मा० श्री योगनारायण यादव	१८. मा० श्री रामकुमारी यादव
१९. मा० श्रीमती रेणुकुमारी यादव	२०. मा० श्री लिला न्याइच्याइँ
२१. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे	२२. मा० श्री सुरेन्द्र हमाल
२३. मा० श्री सूर्यबहादुर थापा	

श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समिति

१. मा० श्री उर्वादत्त पन्त	२. मा० श्रीमती काशी पौडेल
३. मा० श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग	४. मा० श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ
५. मा० श्री कृष्णप्रसाद भट्टराई	६. मा० श्री गणेश शाह
७. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)	८. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल
९. मा० श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी	१०. मा० श्री प्रेमलाल सिंह
११. मा० श्री फुर्वी शोर्पा	१२. मा० श्री बलबहादुर के.सी. (खत्री)
१३. मा० श्री मो. अफताव आलम	१४. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी
१५. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर	१६. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत
१७. मा० श्री शालिकराम जम्कट्टेल	१८. मा० श्री सत्यनारायण भगत वीन
१९. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय	२०. मा० श्री हरिनारायण चौधरी

योजना तथा स्वायत्त शासन समिति

१. मा० श्री अमृत कुमार बोहरा	२. मा० श्री ऋषिकेश गौतम
३. मा० श्री कृष्ण देव सिंह दनुवार	४. मा० श्री खड्गबहादुर वि.क.
५. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी.	६. मा० श्री तीलकुमार मेन्याडवो (लिम्बु)
७. मा० श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ	८. मा० श्री नरबहादुर हमाल
९. मा० श्री नवराज सुवेदी	१०. मा० श्री पुष्करनाथ ओझा
११. मा० श्री प्रकाशबहादुर गुरुङ्ग	१२. मा० श्री मिठाराम विश्वकर्मा
१३. मा० सुश्री मैयादेवी श्रेष्ठ	१४. मा० श्री यज्ञराज पाठक
१५. मा० श्री रिजवान अन्सारी	१६. मा० श्री रिमा नेपाली
१७. मा० श्री विमलेन्द्र निधि	१८. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ
१९. मा० श्री सत्य पहाडी	२०. मा० श्री सन्तोष कुमार बुढामगर
२१. मा० श्री सरस्वती चौधरी	२२. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी
२३. मा० श्री हरिप्रसाद सापकोटा	

तत्पश्चात् मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावित नामहरुलाई सहमतिका लागि सदन समक्ष राख्नुहुँदा सभाले सहमति जनायो ।

त्यसपछि मा० गृह मन्त्रीले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्रीले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन १३ गते आइतबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १३ र १४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन १३ गते आइतवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो :-

- | | |
|---------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री वामदेव गौतम | २. मा० श्री खड्गबहादुर वि.क. |
| ३. मा० डा० प्रकाशशरण महत | ४. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ५. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | ६. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ७. मा० श्री परी थापा | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० श्री देवेन्द्रराज कंडेल | १०. मा० श्री प्रदिप नेपाल |
| ११. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर | १२. मा० श्री डिल्लीराज शर्मा |
| १३. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | १४. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| १५. मा० श्री अमृता थापा | १६. मा० श्री कृष्णकुमारी श्रेष्ठ |
| १७. मा० श्री रिमा नेपाली | १८. मा० श्री कुमार फुदुङ्ग |
| १९. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | २०. मा० श्री दामा शर्मा |
| २१. मा० श्री सरला रेग्मी | २२. मा० श्री पारोदेवी यादव |

त्यसपछि मा० सभामुखले मधेशी, जनजाति लगायत विविध विषयसंग सम्बन्धित समस्याहरू वार्ता मार्फत चाँडै सम्बोधन गरिनु पर्दछ भन्ने बारेमा विवाद नरहेको र यस सम्बन्धी वार्ताको स्थिति र प्रगती बारे जिज्ञासा राखेर जानकारीको माग गर्दै मा० सदस्यहरूले आजको बैठकमा समेत निरन्तर प्रश्नहरू उठाइरहनु भएको छ । तसर्थ यसतर्फ म सरकारको गम्भिर ध्यानाकर्षण गर्दछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ३:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी
२. मा० श्री बेदुराम भुषाल
३. मा० श्री खिमलाल देवकोटा

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन १७ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १५

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन १७ गते विहिवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १.१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समय प्रारम्भ हुनुभन्दा अगाडि मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा र मा० श्री देवेन्द्रराज कंडेलले सभामुख समेत उपस्थित रहनु भएको माओवादी सेनाको शिविर अनुगमन सम्बन्धी सर्वदलीय बैठकमा नेकपा माओवादीका सांसद मा० श्री लोकेन्द्र विष्टले दिनुभएको आपत्तिजनक अभिव्यक्तिको सम्बन्धमा नियमापत्ति गर्नुभएपछि नेकपा माओवादीका सांसद मा० श्री देवप्रसाद गुरुङले भावावेशमा आएर वहाँले त्यस्तो शब्द अभिव्यक्ति गर्नुभएको र आगामी दिनहरूमा त्यस्ता शब्दहरू नदोहर्नुको प्रतिवद्धता व्यक्त गर्दै आफ्नो दलको तर्फबाट क्षमा याचना गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले मा० सदस्यहरूले गम्भिर विषय उठाउनु भएको छ, त्यसतर्फ मेरो पनि ध्यान गएको छ । यस सम्बन्धमा माओवादीका तर्फबाट मा० श्री देवप्रसाद गुरुङले आइन्दा यस किसिमका अभिव्यक्ति नदिइने सम्बन्धमा सदनलाई जानकारी दिइसक्नु भएको छ । मा० सदस्यहरूले सदनमा गम्भिर विषय उठाउनु भएकोमा तथा मा० श्री देवप्रसाद गुरुङले दिनुभएको अभिव्यक्तिका लागि धन्यवाद दिन चाहन्छु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात् प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो :-

१	मा० श्री रामचन्द्र पौडेल	२	मा० श्री अमृतकुमार वोहोरा
३	मा० श्री सुशीला नेपाल	४	मा० श्री भरतप्रसाद शाह
५	मा० श्री खेमराज भट्ट मायालु	६	मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह
७	मा० श्री राजेन्द्र महतो	८	मा० श्री लीलामणि पोखरेल
९	मा० श्री लीला न्याईच्याई	१०	मा० श्री चित्रबहादुर के.सी.
११	मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सि.पी.) मैनाली	१२	मा० श्री नवराज सुवेदी
१३	मा० श्री पद्मलाल विश्वकर्मा	१४	मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे
१५	मा० डा० वंशीधर मिश्र	१६	मा० श्री शोभा कट्टेल
१७	मा० श्री कमानसिंह लामा	१८	मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
१९	मा० श्री भगवती प्रधान	२०	मा० श्री सुभाष कर्माचार्य
२१	मा० श्री इन्द्रजित थारु	२२	मा० श्री लालबाबु पण्डित
२३	मा० श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी	२४	मा० श्री मोतिदेवी चौधरी
२५	मा० श्री रामप्रीत पासवान	२६	मा० श्री लक्ष्मीदाश मानन्धर

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१.	मा० श्री रोमी गौचन थकाली	२.	मा० श्री रघुजी पन्त
३.	मा० श्री अमृता थापा	४.	मा० श्री गोविन्दबहादुर थापा

- | | |
|----------------------------------|-----------------------------------|
| ५. मा० श्री राजेन्द्र महतो | ६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ७. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ८. मा० श्री पशुपति शम्शोर ज.व.रा. |
| ९. मा० श्री हरि आचार्य | १०. मा० श्री सी.पि. मैनाली |
| ११. मा० श्री परी थापा | १२. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर |
| १३. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी | १४. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| १५. मा० श्री कमानसिंह लामा | १६. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी |
| १७. मा० श्री वेदुराम भुषाल | १८. मा० श्री मिठाराम विश्वकर्मा |
| १९. मा० श्री गोरखबहादुर वोगटी | २०. मा० श्री रिजवान अन्सारी |
| २१. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना | |

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “संविधान सभा अदालत विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन १८ गते शुक्रबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १६

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन १८ गते शुक्रवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११.३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “एशियाली प्रकोप पूर्वतयारी केन्द्र (ADPC) को चार्टर, २००५ सम्बन्धि प्रस्ताव प्रस्तुत गर्दै उक्त सम्झौतामाथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले बोल्न नचाहनु भएकोले मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “एशियाली प्रकोप पूर्वतयारी केन्द्र (ADPC) को चार्टर, २००५ माथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “एशियाली प्रकोप पूर्वतयारी केन्द्र (ADPC) को चार्टर, २००५ लाई अनुमोदन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “राजनैतिक दलसम्बन्धी विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृह मन्त्रीको तर्फबाट मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “राजनैतिक दलसम्बन्धी विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन २२ गते मंगलबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन २२ गते मंगलवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले मन्त्रपरिषद्को हिजोको बैठकले रायमाभी आयोगको प्रतिवेदन कार्यान्वयनका लागि आठ दलको बैठकमा छलफल गरिने र व्यवस्थापिका-संसदमा अविलम्ब पेश गरिने निर्णय गरेको जानकारी गराउँदै राजाको फागुन ७ गतेको अभिव्यक्तिप्रति संसदले गरेको निर्णयलाई मन्त्रपरिषद्ले उच्च महत्व दिएको उल्लेख गर्दै सो विषयमा आठ दलमा छलफल गरी अन्तिम टुङ्गो लगाइने बताउनु भयो । साथै शाही आयोगले गरेको ज्यादतीका विषयमा छानविन गर्न गठित आयोगले दिएको प्रतिवेदन मन्त्रपरिषद्ले अध्ययन गरिरहेको र सो विषयमा पछि कारवाही अगाडी बढाइने जानकारी सदनलाई गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राजनैतिक दल सम्बन्धी विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------|----------------------------|
| १. मा० श्री विरोध खतिवडा | २. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ३. मा० श्री हरि आचार्य | ४. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| ५. मा० श्री हरिहर दाहाल | ६. मा० श्री सुनील प्रजापति |
| ७. मा० श्री भरतकुमार शाह | ८. मा० श्री गणेश शाह |

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राजनैतिक दल सम्बन्धी विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथिको दफावार छलफल सदनमा गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा २, ३, ४ र ५ संग सम्बन्धित मा० सदस्यहरूको संशोधनका सूचनाहरू प्राप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मूल संशोधनकर्ता मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.व.रा. ले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा २ को (घ१) माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तत्पश्चात अर्का मूल संशोधनकर्ता मा० श्री परी थापाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा २ को (घ १), दफा ३ को उपदफा १ को खण्ड (ग) दफा ४ को उपदफा २ तथा दफा ५ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तदुपरान्त अर्का मूल संशोधनकर्ता मा० श्री सुनिल प्रजापतिले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा ३ को (१) माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि अर्को मूल संशोधनकर्ता मा० श्री हरि आचार्यले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा ३ र ४ माथि आफ्नो संशोधन प्रस्तुत गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो ।

तत्पश्चात “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको दफावार छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० डा० रामवरण यादव | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ्ग | ४. मा० श्री विमलेन्द्र निधि |
| ५. मा० श्री राजेन्द्र महतो | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ७. मा० श्री रेणुकुमारी यादव | ८. मा० श्री यज्ञजीत शाह |

यसैबीच मा० श्री यज्ञजीत शाहले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको दफावार छलफलमा भाग लिईसकेपछि उक्त नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि ल्याईएको संशोधनको विषयलाई अस्वीकार गर्दै बैठक वहिष्कार गर्नुभयो ।

- | | |
|---------------------------------|---------------------------------|
| ९. मा० श्री सुशिला नेपाल | १०. मा० श्री बलावती शर्मा |
| ११. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | १२. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) |
| १३. मा० श्री अञ्जना विशंखे | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको दफावार छलफलमा बोल्नुहुने मा० सदस्यहरूको क्रम बाँकी रहेकोले २०६३ साल फागुन २५ गते शुक्रबार हुने व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा छलफल जारी रहने कुरा मा० सदस्यहरूलाई अवगत गराउनु भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन २५ गते शुक्रबार दिनको २:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन २५ गते शुक्रवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले मानव अधिकारवादी र नागरिक समाजका श्री कृष्ण पहाडी र श्री देवेन्द्रराज पाण्डेको निवासमा बम राखीएको घटनालाई लिएर विविध विषयमा कुरा उठाउनु भयो ।

- | | |
|----------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री रामचन्द्र पौडेल | २. मा० श्री प्रदिप नेपाल |
| ३. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद | ४. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| ५. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर | ६. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. |
| ७. मा० श्री भरतविमल यादव | ८. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १०. मा० श्री सुनील प्रजापति |
| ११. मा० श्री हरि आचार्य | १२. मा० श्री परी थापा |
| १३. मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव | १४. मा० श्री देवेन्द्रराज कँडेल |

यसैबीच मा० श्री देवेन्द्रराज कँडेलले विशेष समयमा बोल्ने क्रममा ने.क.पा. (माओवादी) का मा० श्री लोकेन्द्र विष्टले हालै एउटा अखबारमा दिएको केही अभिव्यक्तिप्रति असहमति प्रकट गरेपछि मा० श्री लोकेन्द्र विष्टले नियमापत्ति गर्दै सो प्रति आपत्ति प्रकट गर्नुभई आफूहरू आत्मसमर्पण गरेर व्यवस्थापिका-संसदमा आएको होइन भन्दै होच्याएर अभिव्यक्ति दिनु कसैका लागि पनि शोभनिय नभएको बताउनु भयो ।

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------|
| १५. मा० श्री हरि रोका | १६. मा० श्री राजेन्द्र खरेल |
| १७. मा० श्री कृष्णबहादुर महारा | |

तदुपरान्त मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले विशेष समयमा मा० सदस्यहरूले उठाउनु भएको विषयलाई सरकारले गम्भीरताकासाथ लिएको छ भन्दै मानव अधिकारवादी र नागरिक समाजका श्री कृष्ण पहाडी र श्री देवेन्द्रराज पाण्डेको घरमा बम राखीएको घटनाको छानविन गर्न विशेष टोली गठन गरी छानविन प्रक्रिया अगाडि बढाइसकेको सम्बन्धमा सदनलाई जानकारी दिनुभयो ।

तत्पश्चात “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथि जारी रहेको दफावार छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--|----------------------------|
| १. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली | २. मा० श्री मो. अफताब आलम |
| ३. मा० श्री विजय सुब्बा | ४. मा० श्री परशुराम रम्तेल |
| ५. मा० श्री उमाकान्त चौधरी | |

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले छलफलका क्रममा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुहुँदै मा० सदस्यहरूबाट प्राप्त संशोधन, आठ राजनीतिक दलको सुझाव र सल्लाहका आधारमा एवं संसदको नियमावली मस्यौदा समितिले दिएका सुझावहरू र सम्बोधन गर्न बाँकी अन्य समस्याहरूलाई समेत ध्यानमा राखी आठ राजनीतिक दलको सहमतिमा समग्र संशोधनको अर्को प्रस्ताव सरकारले यथाशिघ्र व्यवस्थापिका-संसदमा प्रस्तुत गर्ने जानकारी गराउनु भयो । साथै मा० सदस्यहरूले विधेयकका विभिन्न दफाहरूमा संशोधन प्रस्तुत गर्नु भएकोमा ती मध्ये

केही सुझावहरूलाई स्वीकार गरेको जानकारी गराउँदै नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ को दफा ३ को उपदफा (२) अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ६३ को उपधारा (३) पछि (३क) थपिएकोमा सो थपिएको उपधाराको अन्तिम वाक्यांशमा “निर्वाचन क्षेत्रको संख्या कम भएका” पछि “मधेशका” शब्द थप गर्ने, विधेयकको दफा ४ को उपदफा (१) अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १३८ को उपधारा (१) मा रहेको “लोकतान्त्रिक र” भन्ने शब्दमा “लोकतान्त्रिक” पछिको “र” शब्द हटाउने एवं विधेयकको दफा ४ को उपदफा (२) अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १३८ को उपधारा (३) मा रहेको “राज्यको पुर्नसंरचना तथा संघीय शासन प्रणाली सम्बन्धी विषयको” भन्ने शब्दहरूलाई “राज्यको पुर्नसंरचना तथा संघीय शासन प्रणाली स्वरूप सम्बन्धी विषयको” भनी पुर्नलेखन गर्न सरकार सहमत भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको दफावार छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.व.रा.ले राख्नुभएको “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा २ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३३ को (घ) पछि (घ१) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन फिर्ता नलिने जानकारी गराउँदै आफू र आफ्नो दलको तर्फबाट बैठकको बाँकी अवधि वहिष्कार गर्दछौं भन्दै बैठक कक्षबाट बाहिर निस्कनु भयो । त्यसपछि मा० सभामुखले मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.व.रा.ले राख्नुभएको उक्त संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

त्यसपछि संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री परी थापाले राख्नुभएको “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा २, दफा ३ को उपदफा १ को (ग), दफा ४ को उपदफा २ र ५ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३३ को (घ) पछि (घ१) थप गर्ने, धारा ६३ को उपधारा ३ को (ग), धारा १३८ को उपधारा ३ र धारा १५४ पछि १५४(क) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री सुनील प्रजापतिले राख्नुभएको “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा ३ र सोही दफाको उपदफा (१) अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ६३ को उपधारा ३ को (क) र (ख), धारा ६३ को उपधारा ४ र ७ माथिको संशोधन फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात संशोधनका मूल संशोधनकर्ता मा० श्री हरि आचार्यले राख्नुभएको “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को दफा ३ को उपदफा (१), दफा ४ को उपदफा (१) र (२) अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ६३ को उपधारा ३, धारा १३८ को उपधारा १ र ३ माथिको संशोधन फिर्ता लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले उक्त संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट अस्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २, ३ र ४ विधेयकको अंग बनोस् भनी क्रमशः निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको दफा ५ विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र संक्षिप्त नाम र प्रारम्भ पढेर सुनाउँदै “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली २०६३ को नियम १३८ को उपनियम ४ बमोजिम “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्तावलाई मत विभाजनद्वारा निर्णयार्थ पेश गरिने व्यहोरा जानकारी गराउँदै मत विभाजन गर्दा अपनाइने प्रक्रियाको विषयमा सदनलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावमा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १३८ को उपनियम ३ बमोजिम मत विभाजन गरी मत संकलन गर्दा व्यवस्थापिका-संसदका निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले मतदानमा भाग लिनुभएकोमा “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्तावको पक्षमा अर्थात् “हुन्छ” भन्ने पक्षमा जम्मा २७८ (दुईसय अठहत्तर) मत र यस प्रस्तावको विपक्षमा अर्थात् “हुन्न” भन्ने पक्षमा जम्मा ५ (पाँच) मत परेकोले मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव दुईतिहाई बहुमतबाट पारित भएको घोषणा गर्नुभयो ।

“नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भन्ने पक्षमा अर्थात् “हुन्छ” भन्ने पक्षमा मतदान गर्नुहुने मा० सदस्यहरू :-

- | | |
|--|-------------------------------------|
| १. मा० श्री अक्कलबहादुर बिष्ट | ३२. मा० श्री कुमारी मोक्तान |
| २. मा० श्री अजयकुमार चौरसिया बरै | ३३. मा० श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग |
| ३. मा० श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह | ३४. मा० श्री के.पी.शर्मा ओली |
| ४. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | ३५. मा० श्री केशरमान रोका |
| ५. मा० श्री अञ्जना विशंखे | ३६. मा० श्री केशव थापा |
| ६. मा० श्री अमृतकुमार बोहरा | ३७. मा० श्री कैलाशनाथ कसौधन |
| ७. मा० श्री अमृता थापा | ३८. मा० श्री कृष्ण आचार्य |
| ८. मा० श्री अशोक कोइराला | ३९. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे |
| ९. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य (बोहोरा) | ४०. मा० श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ |
| १०. मा० श्री असर्फी सदा | ४१. मा० श्री कृष्ण देव सिंह दनुवार |
| ११. मा० श्री आनन्दप्रसाद हुङ्गना | ४२. मा० श्री कृष्णप्रसाद दहाल |
| १२. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | ४३. मा० श्री कृष्णप्रसाद सिटौला |
| १३. मा० श्रीमती आनन्दीदेवी सिंह | ४४. मा० श्री कृष्णबहादुर महारा |
| १४. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | ४५. मा० श्री कृष्णलाल महर्जन |
| १५. मा० श्री इन्द्रजीत थारु | ४६. मा० श्री खड्गबहादुर वि.क. |
| १६. मा० श्री इलियास मुसलमान | ४७. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| १७. मा० श्री ईश्वर पोखरेल | ४८. मा० श्री खेमराज भट्ट मायालु |
| १८. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | ४९. मा० श्री गमबहादुर श्रीश मगर |
| १९. मा० श्री उमाकान्त चौधरी | ५०. मा० श्री गणेश शाह |
| २०. मा० श्री उमा भुजेल | ५१. मा० श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला |
| २१. मा० श्री उमा वि.क. | ५२. मा० श्री गेहेन्द्र गिरी |
| २२. मा० श्री उर्मिला अर्याल | ५३. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट |
| २३. मा० श्री ऋषिकेश गौतम | ५४. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला |
| २४. मा० श्री एकनाथ रानाभाट | ५५. मा० श्री गोपालमान श्रेष्ठ |
| २५. मा० श्री कमलप्रकाश सुनुवार | ५६. मा० श्री गोरखबहादुर वोगटी |
| २६. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | ५७. मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह |
| २७. मा० श्री कमला रोका | ५८. मा० श्री गोविन्दराज जोशी |
| २८. मा० श्री कमानसिंह लामा | ५९. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ |
| २९. मा० श्रीमती काशी पौडेल | ६०. मा० डा. गंगाधर लम्साल |
| ३०. मा० श्री कुन्ता शर्मा | ६१. मा० श्री घनेन्द्र बस्नेत |
| ३१. मा० श्री कुमार फुदुङ्ग | ६२. मा० श्री चक्रप्रसाद वास्तोला |

६३. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली
 ६४. मा० श्री चन्द्रमणि खराल
 ६५. मा० श्री चिनक कुर्मी
 ६६. मा० श्री चिरञ्जीवी वाग्ले
 ६७. मा० श्रीमती चित्रलेखा यादव
 ६८. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
 ६९. मा० श्री जगदीशप्रसाद साह
 ७०. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा
 ७१. मा० श्री जनकराज गिरी
 ७२. मा० श्री जनार्दन शर्मा
 ७३. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर
 ७४. मा० श्री टीका बुढाथोकी
 ७५. मा० श्री टुकराज सिग्देल
 ७६. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल
 ७७. मा० श्री टंक आडबुहाङ्ग लिम्बु
 ७८. मा० श्री टंकप्रसाद राई
 ७९. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल
 ८०. मा० श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे
 ८१. मा० श्री डिल्लीराज खनाल
 ८२. मा० श्री डिल्लीराज शर्मा
 ८३. मा० श्री तारानाथ रानाभाट
 ८४. मा० श्री तारासम यङ्ग्या
 ८५. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत
 ८६. मा० श्री तिलक परियार
 ८७. मा० श्री तीर्थराम डङ्गेल
 ८८. मा० श्री तीर्था गौतम
 ८९. मा० श्री दानबहादुर चौधरी
 ९०. मा० श्री दामा शर्मा
 ९१. मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी
 ९२. मा० श्री दिपकबहादुर गुरुङ
 ९३. मा० श्री दिलबहादुर लामा
 ९४. मा० श्री दिलीप महर्जन
 ९५. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु
 ९६. मा० श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ
 ९७. मा० श्री दीनानाथ शर्मा
 ९८. मा० श्री दुर्गा लिंखा
 ९९. मा० श्री दुर्योधन सिंह
 १००. मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ
 १०१. मा० श्री देवी खड्का
 १०२. मा० श्री देवीलाल थापा
 १०३. मा० श्री देवेन्द्रराज कडेल
 १०४. मा० श्री धर्मनाथप्रसाद साह
 १०५. मा० श्री धर्मशिला चापागाई
 १०६. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई
 १०७. मा० श्री नन्द सिंह सार्की
 १०८. मा० श्री नरबहादुर हमाल
 १०९. मा० श्री नरेन्द्रबहादुर बम
 ११०. मा० श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाड
 १११. मा० श्री नागेन्द्रकुमार राय
 ११२. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद
 ११३. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल
 ११४. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी
 ११५. मा० श्री नारायणशर्मा पौड्याल
 ११६. मा० श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ
 ११७. मा० श्री पदमबहादुर राई
 ११८. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा
 ११९. मा० श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी
 १२०. मा० श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग
 १२१. मा० श्री परशुराम रम्तेल
 १२२. मा० श्री पशुपति चौलागाई
 १२३. मा० श्री पार्वती चौधरी
 १२४. मा० श्री पारोदेवी यादव
 १२५. मा० श्री पाल्तेन गुरुङ
 १२६. मा० श्री पुरन राना थारु
 १२७. मा० श्री पुष्करनाथ ओझा
 १२८. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का
 १२९. मा० श्री पूर्णसिंह राजवंशी
 १३०. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी
 १३१. मा० श्री प्रकाशबहादुर गुरुङ
 १३२. मा० श्री प्रकाशमान सिंह
 १३३. मा० डा. प्रकाश शरण महत
 १३४. मा० श्री प्रभु शाह
 १३५. मा० श्री प्रदिप गिरी
 १३६. मा० श्री प्रदिपकुमार ज्ञवाली
 १३७. मा० श्री प्रदीप नेपाल
 १३८. मा० श्री फटिकबहादुर थापा
 १३९. मा० श्री फरमुलाह मंसुर
 १४०. मा० श्री बलदेव शर्मा
 १४१. मा० श्री बलबहादुर के.सी. (खत्री)
 १४२. मा० श्री बलबहादुर राई
 १४३. मा० श्री बलावती शर्मा
 १४४. मा० श्री बिरोध खतिवडा
 १४५. मा० श्री बुद्धिमान माभी
 १४६. मा० श्री बेदुराम भुसाल
 १४७. मा० श्री बेनुपराज प्रसाई
 १४८. मा० डा. बंशीधर मिश्र
 १४९. मा० श्री भगवती प्रधान
 १५०. मा० श्री भक्तबहादुर वलायार
 १५१. मा० श्री भक्तबहादुर शाह
 १५२. मा० श्री भद्रबहादुर थापा
 १५३. मा० श्री भरतप्रसाद शाह
 १५४. मा० श्री भरतकुमार शाह

१५५. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी
 १५६. मा० श्री भरतविमल यादव
 १५७. मा० श्री भिमबहादुर तामाङ्ग
 १५८. मा० श्री मञ्जु बम
 १५९. मा० श्री मणि खम्बु
 १६०. मा० श्री महादेव गुरुड
 १६१. मा० श्री महेन्द्र पासवान
 १६२. मा० श्री महेन्द्रकुमार राय
 १६३. मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव
 १६४. मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे
 १६५. मा० श्री महेन्द्र यादव
 १६६. मा० श्री महेश आचार्य
 १६७. मा० श्री मातृकाप्रसाद यादव
 १६८. मा० श्री मिठाराम विश्वकर्मा
 १६९. मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठ
 १७०. मा० श्री मो. अफताव आलम
 १७१. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा
 १७२. मा० डा० मंगलसिद्धि मानन्धर
 १७३. मा० श्री यज्ञराज पाठक
 १७४. मा० श्री यादवबहादुर रायमाझी
 १७५. मा० श्री योगनारायण यादव
 १७६. मा० श्री रघुजी पन्त
 १७७. मा० श्री रमेश लेखक
 १७८. मा० श्री राजेन्द्र खरेल
 १७९. मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी
 १८०. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे
 १८१. मा० श्री राजेन्द्र महतो
 १८२. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी
 १८३. मा० श्री रामआश्रय राम
 १८४. मा० श्री रामकुमार चौधरी
 १८५. मा० श्री रामकुमारी यादव
 १८६. मा० श्री रामकृष्ण ताम्राकार
 १८७. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी
 १८८. मा० श्री रामचन्द्र पौडेल
 १८९. मा० श्री रामचन्द्र यादव
 १९०. मा० श्री रामचरण चौधरी थारु
 १९१. मा० श्री रामजनम चौधरी
 १९२. मा० श्री रामजीवन सिंह
 १९३. मा० श्री रामनाथ अधिकारी
 १९४. मा० श्री रापप्रीत पासवान
 १९५. मा० श्री रामबहादुर बिष्ट
 १९६. मा० श्री रामलौट तिवारी
 १९७. मा० डा. रामवरण यादव
 १९८. मा० डा. रामशरण महत
 १९९. मा० श्री रामहरि ढुङ्गेल
 २००. मा० श्री रिजवान अन्सारी
 २०१. मा० श्री रिमा नेपाली
 २०२. मा० श्री रुपा चौधरी
 २०३. मा० श्री रुपा वि.क.
 २०४. मा० श्री रोमी गौचन थकाली
 २०५. मा० श्री लक्ष्मणप्रसाद मेहता
 २०६. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर
 २०७. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत
 २०८. मा० श्री लालबाबु पण्डित
 २०९. मा० श्री लीलामणि पोखरेल
 २१०. मा० श्री लेखनाथ आचार्य
 २११. मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने
 २१२. मा० श्री लेखराज भट्ट
 २१३. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट
 २१४. मा० श्री वामदेव गौतम
 २१५. मा० श्री वामदेव क्षेत्री
 २१६. मा० श्री विजयकुमार गच्छदार
 २१७. मा० श्री विजय सुब्बा
 २१८. मा० श्रीमती विद्यादेवी भण्डारी
 २१९. मा० श्री विनयध्वज चन्द
 २२०. मा० श्री विमलेन्द्र निधि
 २२१. मा० श्री वीरबहादुर लामा
 २२२. मा० श्री वीरेन्द्रकुमार कनौडिया
 २२३. मा० श्री शरतसिंह भण्डारी
 २२४. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ
 २२५. मा० श्री शान्ति पाख्रिन
 २२६. मा० श्री शालिकराम जम्कटेल
 २२७. मा० श्री शिला यादव
 २२८. मा० श्री शिवकुमार बस्नेत
 २२९. मा० श्री शिवकुमार मण्डल
 २३०. मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाईं
 २३१. मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख)
 २३२. मा० श्री शिवराज जोशी (सुर्खेत)
 २३३. मा० श्री शुभाष कर्माचार्य
 २३४. मा० श्री शेरधन राई
 २३५. मा० श्री शेरबहादुर देउवा
 २३६. मा० श्री शोभा कट्टेल
 २३७. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी
 २३८. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे
 २३९. मा० श्री सत्यनारायण भगत वीन
 २४०. मा० श्री सत्य पहाडी
 २४१. मा० श्री सन्तोष कुमार बुढामगर
 २४२. मा० श्री सरला रेग्मी
 २४३. मा० श्री सरस्वती चौधरी
 २४४. मा० श्री सरस्वती मोहरा
 २४५. मा० श्री सर्वधन राई
 २४६. मा० श्री सावित्री गुरुड दुरा

२४७. मा० श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक)
 २४८. मा० श्रीमती सितादेवी यादव
 २४९. मा० श्री सिद्धराज ओझा
 २५०. मा० श्री सीता वि.क.
 २५१. मा० श्रीमती सुजाता कोइराला
 २५२. मा० श्री सुदर्शन बराल मगर
 २५३. मा० श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी
 २५४. मा० श्री सुरेन्द्र हमाल
 २५५. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर
 २५६. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की
 २५७. मा० श्री सुरेश मल्ल
 २५८. मा० श्री सुशील कोइराला
 २५९. मा० श्री सुशीला नेपाल
 २६०. मा० सुश्री सुशीला स्वार
 २६१. मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव
 २६२. मा० श्री सूर्यमान दोड तामाङ
 २६३. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय

२६४. मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी
 २६५. मा० श्री स्मृतिनारायण चौधरी
 २६६. मा० श्री हर्कमान तामाङ
 २६७. मा० श्री हरिनारायण चौधरी
 २६८. मा० श्री हरिप्रसाद सापकोटा
 २६९. मा० श्री हरिभक्त अधिकारी
 २७०. मा० श्री हरिलाल जोशी
 २७१. मा० श्री हरिहर दाहाल
 २७२. मा० श्री हितकाजी गुरुङ
 २७३. मा० श्री हितबहादुर तामाङ
 २७४. मा० श्री हिसिला यमी
 २७५. मा० श्री होमनाथ दाहाल
 २७६. मा० श्री हृदयराम थानी
 २७७. मा० श्री ज्ञानु के.सी.
 २७८. मा० श्री श्रीमाया थकाली

“नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भन्ने विपक्षमा अर्थात् “हुन्न” भन्ने पक्षमा मतदान गर्नुहुने मा० सदस्यहरु :-

- | | |
|-----------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री परी थापा | २. मा० श्रीमती रेणुकुमारी यादव |
| ३. मा० श्री लिला न्याइच्याङ | ४. मा० श्री सुनील प्रजापति |
| ५. मा० श्री हरि आचार्य | |

तदुपरान्त मा० श्री रामबहादुर विष्टले वेलवारीको नृशंस हत्याकाण्डका सम्बन्धमा छानविन गरी दोषिमाथि कारवाहीको सिफारिश गर्न व्यवस्थापिका-संसदीय छानविन समिति गठन गरियोस् भनी निम्नलिखित मा० सदस्यहरुको नामावली सहितको प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

- | | |
|--------------------------------|--------|
| १. मा० श्री परि थापा | संयोजक |
| २. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | सदस्य |
| ३. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट | ” |
| ४. मा० श्री तिर्था गौतम | ” |
| ५. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद | ” |
| ६. मा० श्री शिवकुमार मण्डल | ” |
| ७. मा० श्री रामनाथ अधिकारी | ” |
| ८. मा० श्री धर्मशिला चापागाई | ” |
| ९. मा० श्री विजय सुब्बा | ” |

तत्पश्चात मा० श्री लालबाबु पण्डित र मा० श्री वामदेव क्षेत्रीले उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री रामबहादुर विष्टले वेलवारीको नृशंस हत्याकाण्डका सम्बन्धमा छानविन गरी दोषिमाथि कारवाहीको सिफारिश गर्न व्यवस्थापिका-संसदीय छानविन समिति गठन गरियोस् भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतीले पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन २८ गते सोमबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
 महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - १९

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन २८ गते सोमवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री श्री गोपालमान श्रेष्ठले व्यवस्थापिका-संसदको २०६३ फागुन २५ गतेको बैठकमा आफ्नो मन्त्रालयसंग सम्बन्धित विषयमा मा० सदस्यहरुबाट उठाइएका प्रश्नहरुको वारेमा जवाफ दिन मा० सभामुखले मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रीलाई अनुमति दिनुभएपछि मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्रीले सो दिन उठेका आफ्नो मन्त्रालयसंग सम्बन्धित विषयको प्रश्नको सम्बन्धमा सदनलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि प्रारम्भ भएको शून्य समयमा अठार जना मा० सदस्यहरुले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाइहरु राख्नुभयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले विविध विषयमा आ-आफ्नो धारणा प्रकट गर्नु भयो ।

- | | |
|--------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी | २. मा० श्री घनेन्द्र वस्नेत |
| ३. मा० श्री लेखराज भट्ट | ४. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ६. मा० श्री परी थापा |
| ७. मा० श्री लीला न्याईच्याई | ८. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की |
| ९. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी | १०. मा० श्री मिठाराम विश्वकर्मा |
| ११. मा० श्री नरबहादुर हमाल | १२. मा० श्री सीतादेवी वि.क. |
| १३. मा० श्री ललितकुमार वस्नेत | १४. मा० श्री रामआश्रय राम |
| १५. मा० श्री असर्फी सदा | १६. मा० श्री रामलौट तिवारी |

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राजनैतिक दल सम्बन्धी विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल फागुन २९ गते मंगलबार दिनको १:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २०

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल फागुन २९ गते मंगलवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा सत्र जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाइहरू राख्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २११ बमोजिम सुरक्षा विशेष समितिमा पदेन सदस्यहरू बाहेक निम्नलिखित मा० सदस्यहरूको नाम प्रस्तावित गर्नुहुँदा सभाले सहमति जनायो :-

१. मा० श्री गणेश शाह
२. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी.
३. मा० श्री जनार्दन शर्मा
४. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे
५. मा० श्री परी थापा
६. मा० श्री पशुपतिशमशेर ज.ब.रा
७. मा० श्री बलबहादुर के.सी. (खत्री)
८. मा० श्री भरतविमल यादव
९. मा० श्री यज्ञजीत शाह
१०. मा० श्री रामकृष्ण ताम्राकार
११. मा० श्री लीलामणि पोखरेल
१२. मा० श्री वामदेव गौतम

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत्र २ गते शुक्रबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २१ र २२

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र २ गते शुक्रवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा सत्र जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाइहरू राख्नुभयो । यसैक्रममा मा०श्री होमनाथ दाहालले नेकपा (.माओवादी) द्वारा पेश गरिएको सीडीको सम्बन्धमा शून्य समयमा कुरा उठाउनु भएपछि मा० सभामुखले सो सम्बन्धमा कार्य व्यवस्था परामर्श समितिको बैठक डाकिसकेको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|--|---|
| १. मा० डा० रामवरण यादव | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री मातृकाप्रसाद यादव | ४. मा० श्री प्रदीप गिरी |
| ५. मा० श्री कमानसिंह लामा | ६. मा० श्री गणेश शाह |
| ७. मा० श्री परी थापा | ८. मा० श्री रामकुमार चौधरी |
| ९. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य (बोहोरा) | १०. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी |
| ११. मा० श्री कैलाशनाथ कसौधन | १२. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) |
| १३. मा० श्री शीला यादव | १४. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी |
| १५. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | १६. मा० श्री बुद्धिमान माझी |
| १७. मा० श्री रिजवान अन्सारी | १८. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| १९. मा० श्री मणि खम्बु | २०. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी |

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्रीको तर्फबाट मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री धर्मनाथप्रसाद शाहले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृहमन्त्रीको तर्फबाट मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री धर्मनाथप्रसाद शाहले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक १ घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृहमन्त्रीको तर्फबाट मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री धर्मनाथप्रसाद शाहले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--|-------------------------------|
| १. मा० श्री हरिहर दाहाल | २. मा० श्री हरी आचार्य |
| ३. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ४. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| ५. मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा) | ६. मा० श्री अञ्जना विशंखे |
| ७. मा० श्री नरबहादुर हमाल | ८. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| ९. मा० श्री गणेश शाह | |

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्रीको तर्फबाट मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री धर्मनाथप्रसाद शाहले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्रीको तर्फबाट मा० सामान्य प्रशासन राज्यमन्त्री श्री धर्मनाथप्रसाद शाहले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिले स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत ६ गते मंगलबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र ६ गते मंगलवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:२०बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले वर्तमान शान्ति सुरक्षाका सम्बन्धमा, होटल उडल्याण्डका प्रोपराईटर माथी भएको कुटपीटका सम्बन्धमा र उद्योग व्यवसायीहरूको हडतालका सम्बन्धमा र अन्य समसामयिक विषयमा आ-आफ्नो धारणा राख्नु भयो ।

- | | |
|----------------------------------|--|
| १. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी | २. मा० श्री भीमबहादुर तामाङ |
| ३. मा० श्री लोकेन्द्र बिष्ट | ४. मा० श्री होमनाथ दाहाल |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ६. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली |
| ७. मा० श्री डिलाराम आचार्य | ८. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ९. मा० श्री सुनिल प्रजापति | १०. मा० श्री सुजाता कोइराला |
| ११. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | १२. मा० श्री हिशीला यमी |
| १३. मा० श्री भरतकुमार शाह | १४. मा० श्री राजेन्द्र महतो |
| १५. मा० श्री तीर्थराम डंगोल | १६. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी |
| १७. मा० श्री खड्गबहादुर बि.क. | १८. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी |
| १९. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | २०. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| २१. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला | २२. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |

त्यसपछि उक्त छलफलमा मा० सदस्यहरूले उठाउनु भएका विभिन्न विषयको सम्बन्धमा मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले जानकारी दिने क्रममा मा० श्री रघुजी पन्तले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ३७ प्रति ध्यानाकर्षण गर्दै मा० मन्त्रीसंग स्पष्टिकरण माग गर्नु भई संसदको कामकारवाही निस्प्रभावी भएको सम्बन्धमा कुरा उठेको, व्यवस्थापिका-संसदको गठन पछि पनि सयौं ठाउँमा अपहरणको घटना घटेको, पूँजी पलायन र कल कारखाना संचालन गर्न सरकारले ठीक ढंगले सम्बोधन गर्न नसकेको सम्बन्धमा सदनमा कुरा उठेकोमा मा० गृह मन्त्रीको यस सम्बन्धमा जवाफ नआएको भनि स्पष्टिकरण माग गर्नु भएपछि मा० गृहमन्त्रीले सो सम्बन्धमा उठेका प्रश्नहरूको समेत जानकारी दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत ९ गते शुक्रबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र ९ गते शुक्रवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ६:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ ने.क.पा. माओवादीका सांसदहरूले रौतहटको गौरमा भएको घटनाको सम्बन्धलाई लिएर आ-आफ्नो स्थानमा उठ्नु भएपछि मा० सभामुखले ने.क.पा. माओवादीका व्यवस्थापिका-संसदीय दलका नेता मा० श्री कृष्णबहादुर महारालाई बोल्न समय दिनुहुँदा यस सम्बन्धमा रोष्ट्रमबाट बोल्न पाउनु पर्छ भनी ने.क.पा. माओवादीका सांसदहरूले सभामुख समक्ष माग राख्नुभएपछि मा० सभामुखले मा० श्री कृष्णबहादुर महारालाई परम्परा नबस्ने गरी रोष्ट्रमबाट बोल्न अनुमति दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री कृष्णबहादुर महाराले ने.क.पा. माओवादीका तर्फबाट रौतहटको गौरमा भएको फडपमा परि ठूलो संख्यामा ने.क.पा. माओवादीका कार्यकर्ताहरूको हत्या गरिएको सन्दर्भमा ने.क.पा. माओवादीका तर्फबाट सरकारको राजिनामा, मृतकलाई राष्ट्रिय शहिद घोषणा र पीडित परिवारलाई क्षतिपूर्ति, राजनैतिक सहमतिका आधारमा उच्चस्तरीय जाँचबुझ आयोग गठन, अपराधीलाई कारवाही, नेपाल-भारत सीमा शिल्ड गरी सीमाक्षेत्रको अपराध नियन्त्रण तथा विगतमा प्रतिकार समितिलाई राज्यद्वारा वितरित हतियार फिर्ता गर्नुपर्ने जस्ता माग राख्नुभयो ।

त्यसैगरी उहाँले रौतहटको गौरमा भएको नृशंश र बर्बर हत्याकाण्डलाई संविधानसभा निर्वाचनको नजिक पुगिरहेको मुलुकलाई पुरानै अवस्थामा फर्काउन चाहने तत्वहरूको षड्यन्त्रको पछिल्लो कडी रहेको बताउनुभयो । गौर घटनाको छानविन गर्न सरकारले संसदमा रहेका दलहरूसँग सल्लाह नगरी एउटा छानविन आयोग गठन गरिएको र सदनलाई जानकारी नदिई सार्वजनिक गरेको उक्त जाँचबुझ आयोग माओवादीका लागि अस्वीकार्य रहेको बताउनुभयो । साथै गौर घटनामा सीमापारिबाट नियोजित रुपमै ठूलो सशस्त्र जत्था आएको, गौर बजार र नजिकका गाउँमा अपराधीहरू रहेका तर प्रहरी प्रशासनले पक्राउ नगरेको र ती अपराधीहरूलाई सीमापार पुऱ्याउन प्रशासनले सहयोग पुऱ्याएको आरोप लगाउँदै आफ्ना मागहरू पुरा नहुन्जेलसम्म सदनको कारवाही अगाडि नबढाईयोस् भनी माग गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले शून्य समय प्रारम्भ गर्नु हुनासाथ नेपाल सरकारको तर्फबाट सो घटनाबारे जानकारी दिन मा० गृहमन्त्री सदनमा उपस्थित हुनुहुन्छ भन्नु भएपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौला रोष्ट्रममा पुगनासाथ ने.क.पा. माओवादीका मा० सांसदहरू सभामुखको आशान अगाडिको वेलमा आई नारा लगाउनु भयो । यसैबीच मा० सभामुखले उहाँहरूलाई बारम्बार आफ्नो आशनमा गई सदनको कारवाही अगाडि बढाउन सहयोग गर्न अनुरोध गर्नुहुँदा पनि मा० सदस्यहरूले नाराबाजी गर्ने कार्य जारी राख्नुभएकोले मा० सभामुखले बैठक २०६३ साल चैत्र ११ गते आइतबार दिनको २:०० बजेसम्मको लागि स्थगित गर्दछु भन्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत्र ११ गते आइतबार दिनको २:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २५

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र ११ गते आइतवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम जरुरी सार्वजनिक महत्वको प्रस्तावका प्रस्तावक मा० श्री कृष्णबहादुर महाराले “यहि चैत्र ७ गते रौतहटको गौरमा घटेको घटना प्रति सदनको ध्यान गम्भीर रूपमा आकृष्ट भएको छ । आम नरसंहारको उक्त घटनाप्रति घोर निन्दा र भर्त्सना गर्दै यो बैठक खेद प्रकट गर्दछ । उक्त घटना क्रुर, अमानवीय र नेपालको शान्ति प्रकृत्यालाई गम्भीर असर पुऱ्याउने र आसन्न संविधान सभाको निर्वाचन बिथोल्ने कुत्सित मनसायबाट योजनाबद्ध ढंगले घटाइएको देखिन्छ । तसर्थ उक्त गम्भीर आम नरसंहारपूर्ण घटनाको यथोचित सम्बोधन गर्नका निम्ति निम्न कदमहरु चालोस् भनी नेपाल सरकारलाई निर्देशन गर्दछ” भन्ने विषयको सार्वजनिक महत्वको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

१. उक्त घटनाको घोर निन्दा र भर्त्सना गर्दै राजनीतिक सहमतिका आधारमा उच्च स्तरीय जाँचबुझ आयोगको पुनर्गठन गरियोस् ।
२. उक्त घटनामा शहादत प्राप्त गर्ने व्यक्तिका परिवारहरुलाई यथोचित राहत र घाईतेहरुको शीघ्र उपचारको व्यवस्था गरियोस् ।
३. उक्त घटनामा संलग्न अपराधीहरुलाई यथासिघ्र पक्राउ गरी कडा कार्यवाही गरियोस् ।
४. सिमाक्षेत्रमा हुने अपराध, अबैध हातहतियार ओसार पसार र अपराध नियन्त्रण गरियोस् ।
५. सार्वभौमसत्ता, अखण्डता र साम्प्रदायिक सद्भाव खलल पुऱ्याउने सबै अपराधिक गिरोहहरुमाथी कुनै पनि अपराधिक गतिविधि गर्न निषेध गरी यस्ता क्रियाकलापमा संलग्न हुने जोसुकैलाई पनि कडा कारवाही गरियोस् ।
६. विगतकालमा कथित प्रतिकार समितिका नाममा बाँडिएका भनिएका हतियारहरु तथा सबै अबैध हतियारहरु यथाशिघ्र जफत गरियोस् ।

तत्पश्चात निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले प्रस्तावको समर्थन गर्दै छलफलमा भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री रामबहादुर विष्ट | २. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग |
| ३. मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह | ४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ५. मा० श्री नवराज सुवेदी | ६. मा० श्री गणेश शाह |
| ७. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | |

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावमाथिको छलफलमा भाग लिन चाहनु हुने मा० सदस्यहरुको नाम प्राप्त हुन आएको व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । तत्पश्चात प्रारम्भ भएको उक्त प्रस्तावमाथिको छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|------------------------------|----------------------------|
| १. मा० श्री हरी आचार्य | २. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ३. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावमाथिको छलफल समाप्त भएको जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले उक्त प्रस्तावमाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरुको सम्बन्धमा जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदुपरान्त मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत १२ गते सोमबार दिनको २:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २६ र २७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र १२ गते सोमवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको २:१० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध विषयमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|------------------------------|----------------------------------|
| १. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | २. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग |
| ३. मा० श्री दीनानाथ शर्मा | ४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ५. मा० श्री हरी आचार्य | ६. मा० श्री जग्यबहादुर शाही |

तदुपरान्त मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

माननीय उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्री श्री हृदयेश त्रिपाठीले आफ्नो पदबाट दिनुभएको राजीनामा सम्माननीय प्रधानमन्त्रीले मिति २०६३/१२/०१ मा स्वीकृत गर्नुभई रिक्त हुनआएको उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालयको कार्यभार अर्को व्यवस्था नभएसम्म माननीय अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतले सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीका लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति :- २०६३/१२/११

तत्पश्चात राज्य व्यवस्था समितिका मा० सदस्य श्री आमोदप्रसाद उपाध्यायले निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३ सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि राज्य व्यवस्था समितिका मा० सदस्य श्री आमोदप्रसाद उपाध्यायले निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३ सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--|--------------------------------|
| १. मा० श्री विरोध खतिवडा | २. मा० श्री गणेश शाह |
| ३. मा० श्री चूडामणि जंगली (विश्वकर्मा) | ४. मा० श्री उर्वादत्त पन्त |
| ५. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत | ६. मा० श्री रोमी गौचन थकाली |
| ७. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | ८. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) |
| ९. मा० श्री सुनिल प्रजापति | १०. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| ११. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | १२. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| १३. मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर | १४. मा० श्री भरतकुमार शाह |
| १५. मा० श्री हरी आचार्य | |

तत्पश्चात् मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक १५ मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा पनि मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको दफा १ देखि २४ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको दफा १ देखि २४ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि ४७ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात् मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन आयोग विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा पनि मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको दफा १ देखि १७ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको दफा १ देखि १७ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३” को दफा २ देखि ३४ सम्म विधेयकको अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “निर्वाचन (कसूर र सजाय) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत १४ गते बुधबार दिनको १:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र १४ गते बुधवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ ने.क.पा. माओवादी र अन्य दलका कतिपय मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो आशानबाट उठी बोल्नको लागि समय माग गरेपछि मा० सभामुखले ने.क.पा. माओवादीका सांसद मा० श्री देवप्रसाद गुरुङलाई बोल्न समय दिनुभयो । त्यसपछि ने.क.पा. माओवादीका सांसद मा० श्री देवप्रसाद गुरुङले निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोग तत्काल विघटन गरीयोस्, कामचलाउ सरकार विघटन गरि अन्तरिम सरकार अविलम्ब गठन गरियोस्, संसदीय सुनुवाई विशेष समितिमा निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोगका सदस्यहरूलाई सुनुवाईको प्रक्रिया पुरा नगरी नियुक्ति गरिएको विषय कानून सम्बन्ध नभएकोले व्यवस्थापिका-संसदको आजको काम कारवाही अगाडि नबढाईयोस् भन्दै विविध विषयमा आफ्ना भनाईहरू राख्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री लीलामणि पोखरेलले अन्तरिम सरकार निर्माण गर्न ढिलाई गरिएको, संविधान सभा निर्वाचनको मिति नतोकिएको, राजदुत नियुक्ति संसदीय सुनुवाई विशेष समितिमा नपठाई ठाडै नियुक्ति गर्नेतर्फ सरकार अग्रसर भएको जस्ता विविध विषयमा आफ्नो भनाई राख्नुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री खिमलाल देवकोटाले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ४३ अनुसार राजनैतिक सहमति र जनआन्दोलनको भावना अनुरूप सरकार अगाडि नबढेकोले व्यवस्थापिका-संसदको आजको काम कारवाही अगाडि नबढाईयोस् भनी आफ्नो भनाई राख्नुभयो ।

तत्पश्चात सभामुख आशान अगाडिको वेलमा आई ने.क.पा. माओवादीका मा० सांसदहरूले विभिन्न प्रकारका नारा लगाउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले समय माग गर्नु भएको छ, शायद उहाँले यहाँको कुरा सुनेर सरकारको तर्फबाट आफ्नो भनाई राख्न खोज्नुभएको छ जस्तो छ भन्नुहुँदा पनि ने.क.पा. माओवादीका सांसदहरूले सदनमा नारा लगाउने कार्यमा निरन्तरता दिनुभएपछि तथा मा० सदस्यहरूलाई आ-आफ्नो आशान ग्रहण गर्न बारम्बार अनुरोध गर्दा पनि मा० सदस्यहरूले नाराबाजी जारी राखेपछि मा० सभामुखले बैठक २०६३ साल चैत्र १६ गते शुक्रबार दिनको १:०० बजेसम्मको लागि स्थगित गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत्र १६ गते शुक्रबार दिनको १:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - २९ र ३०

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र १८ गते आइतवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाको राजीनामा सम्बन्धी निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

“नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ को उपधारा (१) बमोजिम अन्तरिम सरकार गठनको लागि मार्ग प्रशस्त गर्न नेपालको प्रधानमन्त्री पदबाट राजीनामा गरेको छु ।”

मिति :- २०६३/१२/१८

गिरिजाप्रसाद कोइराला

तत्पश्चात मा० सभामुखले आठ राजनैतिक दलबीच भएको निम्नलिखित सम्झौता पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ को उपधारा (१) बमोजिम नेपालको प्रधानमन्त्री पदका लागि नेपाली काँग्रेसका सभापति एवं अन्तरिम व्यवस्थापिका-संसदका सांसद श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालालाई सर्वसम्मतिले निर्णय गरी यो राजनीतिक सहमति व्यवस्थापिका-संसद समक्ष प्रस्तुत गरेका छौं ।

- | | |
|---|---------------------------|
| १. नेपाली काँग्रेसका सभापति | श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला |
| २. नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एमाले) का महासचिव | श्री माधवकुमार नेपाल |
| ३. नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) का अध्यक्ष | श्री प्रचण्ड |
| ४. नेपाली काँग्रेस (प्रजातान्त्रिक) का सभापति | श्री शेरबहादुर देउवा |
| ५. जनमोर्चा नेपालका अध्यक्ष | श्री अमिक शेरचन |
| ६. नेपाल सद्भावना पार्टी (आनन्दीदेवी) का अध्यक्ष | श्री आनन्दीदेवी सिंह |
| ७. नेपाल मजदूर किसान पार्टीका अध्यक्ष श्री नारायणमान विजुक्छेका प्रतिनिधि | श्री प्रेम सुवाल |
| ८. संयुक्त बाममोर्चाका अध्यक्ष | श्री सि.पी. मैनाली |

मिति :- २०६३/१२/१७

तदुपरान्त मा० श्री आनन्दप्रसाद हुंगानाले “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३” को धारा ३८ को उपधारा (१) एवं व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १४ को उपनियम (१) बमोजिम नेपालको प्रधानमन्त्री पदका लागि नेपाली काँग्रेसका सभापति एवं अन्तरिम व्यवस्थापिका-संसदमा नेपाली काँग्रेस संसदीय दलका नेता मा० श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालालाई नियुक्ति गर्ने राजनैतिक सहमति भए अनुरूप सर्वसम्मतिले उहाँलाई प्रधानमन्त्री पदमा नियुक्ति गरियोस् भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्दै निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे | २. मा० श्री दीनानाथ शर्मा |
| ३. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल | ४. मा० श्री आनन्दीदेवी सिंह |
| ५. मा० श्री कमानसिंह लामा | ६. मा० श्री गणेश शाह |

त्यसपछि उक्त प्रस्तावमाथि निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले बोल्नु भयो :-

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | २. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. |
| ३. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | ४. मा० श्री सूर्यबहादुर थापा |
| ५. मा० श्री परी थापा | ६. मा० श्री यज्ञजीत शाह |

तत्पश्चात मा० सभामुखले उक्त प्रस्तावमाथि बोल्नेकम समाप्त भएको जानकारी दिनु भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३” को धारा ३८ को उपधारा (१) एवं व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १४ को उपनियम (१) बमोजिम नेपालको प्रधानमन्त्री पदका लागि नेपाली काँग्रेसका सभापति एवं अन्तरिम व्यवस्थापिका-संसदमा नेपाली काँग्रेस संसदीय दलका नेता मा० श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालालाई नियुक्ति गर्ने राजनैतिक सहमति भए अनुरूप नेपालको प्रधानमन्त्री पदमा राजनैतिक सहमतिको आधारमा सर्वसम्मतिले मा० श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला नियुक्ति हुनु भएको घोषणा गर्नुभयो ।

तत्पश्चात नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ४२ एवं व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १५ बमोजिम मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले व्यवस्थापिका-संसद समक्ष शपथ ग्रहण गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री पदमा मा० श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला सर्वसम्मतिले नियुक्त हुनु भएकोमा सिंगो सदन, व्यवस्थापिका-संसद सचिवालय परिवार र स्वयं आफ्नो तर्फबाट पनि बधाई दिदै उहाँ लगायत उहाँको नेतृत्वमा रहेको सरकारको पूर्ण सफलताको लागि शुभकामना व्यक्त गर्नुभयो । मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाको कार्यकालमा राष्ट्रको बिग्रँदो आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं साँस्कृतिक परिवेश र खस्कँदो शान्ति सुरक्षाको स्थिति अन्त्य गरी देशलाई सहज र विकसित एवं सुगम तुल्याउन र राष्ट्रले अंगिकार गरेको महान एवं ऐतिहासिक लक्ष्य संविधान सभाको निर्वाचन सम्पन्न हुन सक्ने आशा एवं विश्वास आजको यो सर्वसम्मत नियुक्तिले अझ प्रबल बनाएको छ भन्नुभयो । साथै चौधौँ सार्क शिखर सम्मेलनमा सहभागिताका लागि आजै मित्रराष्ट्र भारततर्फ जान लाग्नु भएका माननीय प्रधानमन्त्रीज्यूका साथमा यो सिंगो सदन सहित सम्पूर्ण नेपाली जनताको विश्वास र बल रहेकोछ, तसर्थ राष्ट्रिय स्वार्थमा अडिग र विचलित नभै सार्कमा नेपालको प्रतिनिधित्व प्रधानमन्त्रीले गर्नुहुने र सार्कमा नेपालको भूमिका अत्यन्त प्रभावकारी र ठोस हुने म विश्वास गर्दछु भन्नुभयो । त्यस्तै आफ्नो विचार र सिद्धान्तमा सदा अडिग रही निरन्तर अगाडी बढ्ने श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले विगत जनआन्दोलनमा खेल्नु भएको अग्रणी भूमिका र आन्दोलनबाट लोकतन्त्र स्थापना गर्न सफल भएको कुरा स्मरण गर्दै यो सदन र मुलुक माननीय प्रधानमन्त्रीबाट सार्क शिखर सम्मेलनमा निर्वाह हुने भूमिकाले देश र जनताको विकास, समुन्नति र शान्ति सुरक्षाको लागि एक नौलो आयाम थप गर्नेछ भन्नुभयो ।

तदुपरान्त नव नियुक्त मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले आफ्नो मन्तव्य प्रस्तुत गर्दै पद पाउनु ठूलो कुरा होइन तर सबैको सहयोग पाउनु महत्वपूर्ण कुरा हो र धेरै कुरा भन्ने भन्दा गरेर देखाउनुपर्छ जुन दिन सक्दिन त्यसैदिन सार्वजनिक रुपमा मैले सकिंन भनेर फर्कन्छु भन्नुभयो । त्यस्तै उहाँले प्रधानमन्त्री बनाएर मात्र पुग्दैन सबैले सहयोग गर्नुपर्छ, मुलुकलाई संविधानसभामा पुऱ्याउन सबै दल एक ढिक्का हुनुपर्छ र सानातिना कुरा बिर्सिएर लक्ष्य पूरा गर्न अगाडि बढ्नु पर्छ भन्नुभयो । साथै संविधानमा दुई तिहाइबाट प्रधानमन्त्री निर्वाचित हुने व्यवस्थाले नै प्रतिपक्षको सुरुवात हुन्छ र यसमा सबैले धैर्य राखेमा विस्तारै सिस्टम बस्ने कुरा उल्लेख गर्नुभयो । उहाँले व्यवस्थापिका-संसदमा नव प्रवेशी सांसदहरुलाई संक्रमणकालको संवेदनशीलता बुझी उत्तेजनामा नआई जनताप्रति सदन मार्फत उत्तरदायी हुनुपर्छ भन्नुभयो । वहाँले आफूलाई प्रधानमन्त्री पदमा नियुक्ति गर्न सहयोग पु-याउनु हुने सबै मा० सदस्यहरुलाई धन्यवाद दिनु भयो ।

तदनन्तर बैठक एक घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त मन्त्रिपरिषद् गठन सम्बन्धी निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ बमोजिम सम्माननीय प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाको अध्यक्षतामा देहायबमोजिमको मन्त्रिपरिषद् गठन भई देहायबमोजिम कार्य विभाजन भएको व्यहोरा जानकारीको लागि अनुरोध गर्दछु ।

मन्त्रिपरिषद् गठन विधि		कार्यविभाजन
१. श्री गिरिजाप्रसाद कोइराला	प्रधानमन्त्री	रक्षा र स्वास्थ्य तथा जनसंख्या
२. श्री रामचन्द्र पौडेल	मन्त्री	शान्ति तथा पुननिर्माण
३. श्री सहाना प्रधान	मन्त्री	परराष्ट्र
४. श्री कृष्णबहादुर महारा	मन्त्री	सूचना तथा सञ्चार
५. श्री प्रदीप नेपाल	मन्त्री	शिक्षा तथा खेलकूद
६. श्री महन्थ ठाकुर	मन्त्री	वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि
७. डा० रामशरण महत	मन्त्री	अर्थ
८. श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ	मन्त्री	कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था
९. श्री कृष्णप्रसाद सिटौला	मन्त्री	गृह
१०. श्री देवप्रसाद गुरुङ	मन्त्री	स्थानीय विकास
११. श्री राजेन्द्र महतो	मन्त्री	उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति
१२. श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ	मन्त्री	संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन
१३. श्री मातृकाप्रसाद यादव	मन्त्री	वन तथा भू-संरक्षण
१४. श्री छविलाल विश्वकर्मा	मन्त्री	कृषि तथा सहकारी
१५. श्री हिसिला यमी	मन्त्री	भौतिक योजना तथा निर्माण
१६. श्री जगतबहादुर बोगटी	मन्त्री	भूमिसुधार तथा व्यवस्था
१७. श्री खड्गबहादुर विश्वकर्मा	मन्त्री	महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण
राज्यमन्त्री		
१८. श्री रमेश लेखक	राज्यमन्त्री	श्रम तथा यातायात व्यवस्था
१९. श्री ज्ञानेन्द्रबहादुर कार्की	राज्यमन्त्री	जलस्रोत
२०. श्री रामचन्द्र यादव	राज्यमन्त्री	सामान्य प्रशासन
२१. श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ	राज्यमन्त्री	कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था
२२. श्री मोहनसिंह राठौर	राज्यमन्त्री	शिक्षा तथा खेलकूद

मिति: २०६३।१।१८

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत २५ गते आइतबार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
प्रथम अधिवेशन
बैठक संख्या - ३१
सूचनापत्र-२
(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र २५ गते आइतवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा अठार जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाइहरू राख्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० परराष्ट्र मन्त्री श्री सहाना प्रधानले मा० प्रधानमन्त्रीको नेतृत्वमा चौधौँ सार्क शिखर सम्मेलनमा सफलतापूर्वक सहभागी भएर फर्केको जानकारी गराउँदै यस पटकको सार्क सम्मेलनमा अफगानिस्थानले नयाँ सदस्यता पाएको, पहिलो पटक अमेरिका, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, युरोपियन युनियन लगायत अन्य राष्ट्रहरू पर्यवेक्षकको रूपमा सहभागी भएको, South Asian Development Fund स्थापना गर्ने, जसमा नेपालले ३ करोड ४० लाख डलर नेपालले व्यहोर्नु पर्ने, सार्क विश्वविद्यालय स्थापना गर्ने, सार्क राष्ट्रका नागरिकहरू विना प्रवेशाज्ञा सार्क मुलुकहरूमा आवत-जावत गर्ने, SAARC Food Bank स्थापना गर्ने, सार्क राष्ट्रहरूको गरिबी न्यूनिकरण गर्ने, सार्क राष्ट्रहरू बीचको सम्बन्ध अझ पारस्परिक बनाउने लगायतका विषयहरूको सम्बन्धमा सार्वजनिक महत्वको वक्तव्य दिनुभयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध विषयमा आ-आफ्नो धारण प्रकट गर्नुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाई | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री लेखराज भट्ट | ४. मा० श्री मोतीदेवी चौधरी |
| ५. मा० श्री लीला न्याइच्याई | ६. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ७. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | ८. मा० श्री रमकुमार चौधरी |
| ९. मा० श्री विरोध खतिवडा | १०. मा० श्री सुशीला नेपाल |
| ११. मा० श्री देवी खड्का | १२. मा० श्री पारोदेवी यादव |
| १३. मा० श्री प्रभु शाह | |

त्यसपछि मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्यले व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समिति गठन गरियोस् भनी समितिमा रहने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूको नाम सहितको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

- | | |
|----------------------------------|--------|
| १. मा० श्री मैयाँदेवी श्रेष्ठ | संयोजक |
| २. मा० श्री अञ्जना विशंखे | सदस्य |
| ३. मा० श्री आनन्दीदेवी सिंह | " |
| ४. मा० श्री उमा अधिकारी (रेग्मी) | " |
| ५. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | " |
| ६. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर | " |
| ७. मा० श्री रेणुकुमारी यादव | " |
| ८. मा० श्री लीला न्याइच्याई | " |
| ९. मा० श्री सुशिला नेपाल | " |

तदुपरान्त मा० श्री हृदयराम थानीले उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्यले “व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समिति गठन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्रीको तर्फबाट मा० परराष्ट्र मन्त्री श्री सहाना प्रधानले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत २७ गते मंगलवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३२

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र २७ गते मंगलवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले अन्तरिम सरकारको साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रम सदन समक्ष पेश गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले अन्तरिम सरकारको साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रममाथि छलफल गर्न र मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्रीबाट जवाफ दिनका लागि समेत २०६३ साल चैत्र २९ गतेको दिन तोकेको जानकारी गराउँदै उक्त कार्यक्रममाथिको छलफलमा दलीय प्रतिनिधित्वको आधारमा भाग लिन दलीय पदाधिकारीहरूले आ-आफ्ना दलका वक्ता प्रतिनिधि मा० सदस्यहरूको नाम मिति २०६३ साल चैत्र २८ गते विहान १०:०० बजे देखि दिनको ५:०० बजेभित्र कार्यव्यवस्था शाखा, व्यवस्थापिका-संसदमा उपलब्ध गराई दिनु हुन अनुरोध गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समितिकी संयोजक मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठले व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा प्रतिवेदन, २०६३ पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात् मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात् मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात् मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत्र २९ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र २९ गते विहिवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले २०६३ चैत्र २७ गते पेश गर्नुभएको अन्तरिम सरकारको साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रमको आधिकारिकतालाई लिएर अधिकांश मा० सदस्यहरूले यो कार्यक्रम आठ राजनैतिक दलको हस्ताक्षर भएको एउटा दस्तावेज मात्र भएको, यसलाई सरकारको कार्यक्रमको रूपमा लिने कुनै ठोस आधार र औचित्य नभएको, यस प्रकारको त्रुटीले संसदको अपमान एवं अवमुल्यन गरेको, यो त्रुटी यथास्थितिवादी सोचको परिणाम भएको तसर्थ सरकारले यो त्रुटीपूर्ण दस्तावेजलाई संसदमा छलफल गराउन प्रकृया र आधिकारिकता पुऱ्याएर मात्र ल्याउनु पर्ने एवं मा० सभामुखले पनि कुनैपनि दस्तावेजलाई संसदमा प्रस्तावको रूपमा ल्याउंदा कार्यव्यवस्था परामर्श समितिको परामर्शमा व्यवस्थापिका संसदको नियमावली बमोजिम ल्याउनु पर्ने विषयमा सरकारको गम्भिर ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

यसैविच मा० सभामुखले उक्त साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रम आठ राजनैतिक दलका शीर्ष नेताहरूबाट सहमति भई नेपाल सरकारको मन्त्रिपरिषद्को मिति २०६३।१२।१८ का दिन वसेको बैठकबाट अनुमोदन भएर संसदमा प्रस्तुत गर्न सरकारका मुख्य सचिवले मिति २०६३।१२।२७ मा पठाउनु भएको पत्रको व्यहोरा पढेर सुनाउनु भयो ।

यस पछि पनि मा० सदस्यहरूले उक्त साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रमका त्रुटीहरूलाई लिएर विभिन्न जिज्ञासाहरू उठाउनु भएपछि मा० सभामुखले मा० सदस्यहरूले व्यवस्थापिका-संसदमा प्रस्तुत गरिएको अन्तरिम सरकारको साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रम सम्बन्धी दस्तावेज बारे गम्भिर प्रश्नहरू उठाउनु भएकोमा मेरो गंभीर ध्यानाकर्षण भएको छ, तसर्थ भोलिको बैठकमा छलफल गराउने गरि प्रकृयागत र नियमसंगत तरिकाबाट मा० सदस्यहरूलाई सो दस्तावेज उपलब्ध गराउन आवश्यक व्यवस्था गर्न अन्तरिम सरकारलाई निर्देशन दिनुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६३ साल चैत्र ३० गते शुक्रवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६३ साल चैत्र ३० गते शुक्रवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:०५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ केही मा० सदस्यहरूले नियमापत्ति गर्दै रक्त चन्दनको तस्करीमा प्रहरी, निजामति लगायतका सरकारी कर्मचारीहरू संलग्न रहेको कुरा विभिन्न पत्र पत्रिकाहरूमा छापिएको विषयलाई लिएर मा० गृह मन्त्रीले सदनमा जवाफ दिनुपर्ने माग गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले रक्त चन्दन तस्करीका सम्बन्धमा मा० सदस्यहरूले कुरा उठाउनु भएकोले त्यसतर्फ सरकारको ध्यानाकर्षण गर्दछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले नेपाल सरकारको साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रममाथि छलफल गरियोस् भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|--|
| १. मा० श्री विनयध्वज चन्द | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री जनार्दन शर्मा | ४. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद |
| ५. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | ६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ७. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | ८. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ९. मा० श्री गणेश शाह | १०. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर |
| ११. मा० श्री रोमीगौचन थकाली | १२. मा० श्री चुडामणि जंगली विश्वकर्मा |
| १३. मा० श्री पूर्णा सुवेदी | १४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| १५. मा० श्री सन्तोषकुमार बुढामगर | १६. मा० श्री रामकुमार चौधरी |
| १७. मा० श्री उर्वादत्त पन्त | १८. मा० श्री भरतप्रसाद शाह |
| १९. मा० श्री भक्तबहादुर बलायर | २०. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| २१. मा० श्री टंकप्रसाद राई | २२. मा० श्री हरिहर दाहाल |
| २३. मा० श्री ओमप्रसाद ओझा | २४. मा० श्री गमबहादुर श्रीश मगर |
| २५. मा० श्री सितादेवी यादव | २६. मा० श्री यादवबहादुर रायमाझी |
| २७. मा० श्री अमृता थापा | २८. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| २९. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | ३०. मा० श्री कृष्णप्रसाद दहाल |
| ३१. मा० श्री दामा शर्मा | ३२. मा० श्री तारासम यङ्ग्या |
| ३३. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर | ३४. मा० श्री हरि रोका |
| ३५. मा० श्री नरबहादुर हमाल | ३६. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी |

त्यसपछि मा० प्रधानमन्त्रीको तर्फबाट मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले नेपाल सरकारको साभ्ना सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रममाथिको छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुहुँदै यो कार्यक्रम आठ दलको साभ्ना सहमतिबाट नीतिगत निर्णय गरेर मन्त्रीपरिषद्दे अनुमोदन गर्दै आफ्नो न्यूनतम कार्यक्रमको रूपमा स्वीकृत गरेको हो । आठ दलको प्रतिवद्धता नै नेपाल सरकारको मार्गदर्शन भएकोले त्यसको अनुशरण गर्नु बाहेक सरकारको विकल्प रहेको छैन, यसलाई सरकारले जतिसक्दो कार्यान्वयन गर्दै जान्छ । वार्ता संयोजकको नाताले म सबै सांसद सदस्यहरू, आदिवासी, जनजाति, मधेशी र अन्य सबैलाई वार्तामा आई मुलुकलाई अष्टेरोबाट मुक्त गराउन सबैको सहयोग आवश्यक पर्दछ भन्नुहुँदै सबैलाई वार्तामा आउन आग्रह गर्नुभयो । साथै उहाँले मा० सदस्यहरूले दिनुभएको समसामयिक सुझावलाई सरकारले मार्गदर्शनका रूपमा लिनेछ भन्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल वैशाख २ गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३५

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल वैशाख २ गते आइतवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम प्रारम्भ भएको शून्य समयमा बाह्र जना मा० सदस्यहरूले विभिन्न समसामयिक विषयमा आ-आफ्ना भनाइहरू राख्नुभयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध विषयमा आ-आफ्नो धारण प्रकट गर्नुभयो :-

- | | |
|------------------------------------|--|
| १. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | २. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी |
| ३. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर | ४. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| ५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल | ६. मा० श्री सुनील प्रजापति |
| ७. मा० श्री हरि आचार्य | ८. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १०. मा० श्री रोमीगौचन थकाली |
| ११. मा० श्री पार्वती चौधरी | १२. मा० श्री मंगल विश्वकर्मा |
| १३. मा० श्री सीतादेवी यादव | १४. मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने |
| १५. मा० श्री मञ्जु बम | १६. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी |
| १७. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | १८. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद |
| १९. मा० श्री वलावती शर्मा | २०. मा० श्री हरि रोका |
| २१. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग | |

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समितिकी संयोजक मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठले “व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली, २०६३ को मस्यौदामाथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि उक्त छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|----------------------------|
| १. मा० श्री लीला न्याइच्याई | २. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ |
| ३. मा० श्री सावित्री बोगटी (पाठक) | |

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समितिकी संयोजक मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समितिकी संयोजक मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठले “व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली, २०६३ को मस्यौदामाथि सामान्य छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समितिकी संयोजक मा० सुश्री मैयाँदेवी श्रेष्ठले “व्यवस्थापिका-संसदको महिला समूहको नियमावली, २०६३ को मस्यौदालाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री बेदुराम भुषाल
२. मा० श्री सत्य पहाडी
३. मा० श्री लीला न्याइच्याई

तत्पश्चात मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो । उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री लीला न्याइच्याई
२. मा० श्री सत्य पहाडी

तत्पश्चात मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल वैशाख ५ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३६

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल वैशाख ५ गते बुधवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ अधिकांश मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो आशन अगाडि उठी हात उठाई बोल्न समय माग गर्नुभयो । यसैबीच ने.क.पा. माओवादीका सबै मा० सदस्यहरूले पनि उठेर आफ्नो आसन अगाडिको टेबुल ठटाउनुभएपछि मा० सभामुखले मा० श्री जनार्दन शर्मालाई बोल्न समय दिनुभयो । त्यसपछि मा० श्री जनार्दन शर्माले जनमुक्ति सेनाको क्यान्टनमेन्टको उचित व्यवस्था गर्नुपर्ने, वाई. सि. यल. को कार्यालयमा सरकारले छापा मारेको सम्बन्धमा मा० गृहमन्त्रीले माफि माग्नु पर्ने, निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोगको निर्णय बदर गरिनुपर्ने लगायत संविधानसभाको वारेमा सरकारको धारणा सार्वजनिक गरिनु पर्ने र संविधानसभाको वारेमा सरकारको धारणा सार्वजनिक नभएसम्म बैठकको कारवाही अगाडि नवढाईयोस् भन्ने विषयमा आफ्नो धारणा राख्नु भएपछि ने.क.पा. माओवादीका सबै मा० सदस्यहरूले सभामुख आशन अगाडि वेलमा आई विभिन्न किसिमका नारा लगाउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले अन्य संसदीय दलका मा० सदस्यहरूले बोल्न समय माग गर्नुभएको छ, तसर्थ मा० सदस्यहरू आ-आफ्नो स्थानमा गई आशन ग्रहण गर्न वारम्बार आग्रह गर्नुहुंदा पनि नारा लगाउने क्रम नरोकिएकोले मा० सभामुखले बैठक २०६४ साल वैशाख ६ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल वैशाख ६ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल वैशाख ६ गते विहिवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ अधिकांश दलका मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो आशन अगाडि उठी हात उठाई बोल्न समय माग गर्नुभयो । यसैबीच मा० सभामुखले मा० श्री हृदयेश त्रिपाठीलाई बोल्न समय दिनुभएपछि वहाँले मधेशी जनताको भावना विपरीतको निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोगको प्रतिवेदन खारेज गर्न र मधेशी आन्दोलनकारीहरूसँग वार्ता गरेर समस्या समाधान गर्न आग्रह गर्दै मधेशी आन्दोलनका शहिदहरूलाई राष्ट्रिय शहिद घोषणा गरियोस् भन्नुभयो ।

त्यसपछि विभिन्न दलका मा० सदस्यहरूले सभामुख आशन अगाडि वेलमा आई विभिन्न किसिमका छुट्टाछुट्टै नाराहरू लगाउनु भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले मा० सदस्यहरूलाई आ-आफ्नो स्थानमा गई आशन ग्रहण गरी सदनको कारवाही अगाडि बढाउन सहयोग गर्न वारम्बार आग्रह गर्नुहुँदा पनि नारा लगाउने क्रम नरोकिएकोले मा० सभामुखले बैठक २०६४ साल वैशाख १० गते सोमवार दिनको ३:०० बजेसम्मको लागि स्थगित गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल वैशाख १० गते सोमवार दिनको ३:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३८

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल वैशाख १० गते सोमवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ अधिकांश दलका मा० सदस्यहरूले आ-आफ्नो आशन अगाडि उठी हात उठाई बोल्न समय माग गर्नुभयो । यसैबीच मा० सभामुखले मा० श्री कमानसिंह लामालाई बोल्न समय दिनुभएपछि तराई क्षेत्रबाट व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्नुहुने केही मा० सदस्यहरूले सभामुख आशन अगाडि वेलमा आई विभिन्न किसिमका नाराहरू लगाउनु भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले मा० सदस्यहरूलाई आ-आफ्नो स्थानमा गई आशन ग्रहण गरी सदनको कारवाही अगाडि बढाउन सहयोग गर्न बारम्बार आग्रह गर्नुहुँदा पनि नारा लगाउने क्रम नरोकिएकोले मा० सभामुखले बैठक २०६४ साल वैशाख १२ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल वैशाख १२ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ३९

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल वैशाख १२ गते बुधवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ ने.क.पा. (माओवादी) का सांसदहरू र तराई क्षेत्रबाट व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्नुहुने केही मा० सदस्यहरूले सभामुख आशुन अगाडि वेलमा आई विभिन्न किसिमका नाराहरू लगाउनु भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले मा० सदस्यहरूलाई आ-आफ्नो स्थानमा गई बैठकको कारवाही अगाडि बढाई सहयोग गर्न बारम्बार आग्रह गर्नुहुँदा पनि नारा लगाउने क्रम नरोकिएकोले मा० सभामुखले बैठक २०६४ साल वैशाख २६ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल वैशाख २६ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ४०

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल वैशाख ३१ गते सोमवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:४० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ तराई क्षेत्रबाट व्यवस्थापिका-संसदमा प्रतिनिधित्व गर्नुहुने केहि मा० सदस्यहरु र राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीका मा० सदस्यहरुले सभामुख आशान अगाडि वेलमा आई विभिन्न किसिमका छुट्टाछुट्टै नाराहरु लगाउनु भयो ।

तत्पश्चात् मा० सभामुखले मा० सदस्यहरुलाई आ-आफ्नो स्थानमा गई बैठकको कारवाहीमा सहयोग गर्न आग्रह गर्नुहुँदा पनि नारा लगाउने क्रम नरोकिएकोले मा० सभामुखले बैठक २०६४ साल जेठ २ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल जेठ २ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ४१ र ४२

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल जेठ १७ गते विहिवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ३:२० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० शान्ति तथा पूननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले आठ दलको बैठकले केही दिनदेखि संसद अवरुद्ध भैरहेको विषयमा गम्भीर चासो व्यक्त गर्दै सो विषयलाई समेत मध्यनजर राखि एउटा सहमति कायम गरेको व्यहोरा सदनलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तदुपरान्त निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले समय माग गर्दै केही दिनदेखि अवरुद्ध संसद संचालन भएकोमा सदन संचालनमा सहयोग पुऱ्याउनु हुने सबै पक्षलाई धन्यवाद दिँदै अन्य समसामयिक विषयहरूमा आ-आफ्नो भनाईहरू राख्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री रामकुमार चौधरी | २. मा० श्री रघुजी पन्त |
| ३. मा० श्री जनार्दन शर्मा | ४. मा० श्री विजयकुमार गच्छदार |
| ५. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ७. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ८. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. |
| ९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १०. मा० श्री परी थापा |

तत्पश्चात मा० सभामुखले प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ३८ बमोजिम सम्माननीय प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले आज संवत् २०६४ साल वैशाख १६ गते रोज १ का दिन मौजुदा मन्त्रिपरिषद्मा श्री गिरिराजमणि पोखरेललाई मन्त्री पदमा नियुक्ति गरी स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयको कार्यभार सम्हाल्ने गरी तोक्नुभएको व्यहोरा जानकारीको लागि अनुरोध गर्दछु ।

मिति २०६४/०१/१६

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङले महान्यायाधिवक्ताको आ.व. २०६१/०६२ को वार्षिक प्रतिवेदन सदन समक्ष प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिका मा० सदस्य श्री लक्ष्मीदास मानन्धरले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री रामनाथ अधिकारीले व्यवस्थापिका-संसद भवन निर्माण गर्न समितिमा रहनु हुने निम्नलिखित मा० सदस्यहरूको नामावली सहितको “व्यवस्थापिका-संसद भवन निर्माण समिति” गठन गर्ने सम्बन्धी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

- | | | | |
|---------------------------------|--------|---------------------------------|-----------|
| १. मा० सभामुख | सभापति | २. मा० उप-सभामुख | उप-सभापति |
| ३. मा० श्री अमृता थापा | सदस्य | ४. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य | सदस्य |
| ५. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना | सदस्य | ६. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय | सदस्य |
| ७. मा० श्री गणेश शाह | सदस्य | ८. मा० श्री गोविन्द थारु | सदस्य |
| ९. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | सदस्य | १०. मा० श्री जग्यबहादुर शाही | सदस्य |

११. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल	सदस्य	१२. मा० श्री दीनानाथ शर्मा	सदस्य
१३. मा० श्री नवराज सुवेदी	सदस्य	१४. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का	सदस्य
१५. मा० श्री महेन्द्रबहादुर पाण्डे	सदस्य	१६. मा० श्री यज्ञजीत शाह	सदस्य
१७. मा० श्री रेणुकुमारी यादव	सदस्य	१८. मा० श्री लीलामणि पोखरेल	सदस्य
१९. मा० श्री हरी आचार्य	सदस्य	२०. मा० अर्थ मन्त्री	सदस्य
२१. मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री	सदस्य	२२. मा० भौतिक योजना तथा निर्माण मन्त्री	सदस्य
२३. महासचिव, व्यवस्थापिका-संसद	सचिव		

त्यसपछि उक्त प्रस्तावको निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले समर्थन गर्नुभयो :-

१. मा० श्री सुशिला नेपाल
२. मा० श्री जनार्दन शर्मा
३. मा० श्री भक्तबहादुर वलायर

तदुपरान्त उक्त “व्यवस्थापिका-संसद भवन निर्माण समिति” गठन गर्ने सम्बन्धी नामावली सहितको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तत्पश्चात मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “भन्सार विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० अर्थ मन्त्री डा० रामशरण महतको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “भन्सार विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “मुलुकी (बाह्रौँ संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “मुलुकी (बाह्रौँ संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “विभूषण विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “विभूषण विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्री श्री छविलाल विश्वकर्माको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्री श्री छविलाल विश्वकर्माको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिन नचाहनु भएकोले मा० संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्री श्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ्गले “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक १५ मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङ्गको अध्यक्षतामा दिनको ६:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदन सहितको “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा पनि मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------------|------------------------------|
| १. मा० श्री रोमी गौचन थकाली | २. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| ३. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | ४. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ५. मा० श्री तारासम यङ्ग्या | ६. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |
| ७. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | |

तदुपरान्त मा० सभामुखले केही मा० सदस्यहरूले सदन संचालनको प्रक्रियासँग सम्बन्धित कुरा उठाउनु भएको छ, सो विषयमा कुनैपनि विधेयक अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्ने क्रममा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम कुनैपनि मा० सदस्यहरूले विधेयक प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोध नगरेपछि विधेयक विधिवत सदनमा प्रवेश गर्ने प्रावधान रहेको छ तसर्थ उक्त विधेयकमाथि संशोधन पेश गर्ने क्रममा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १२१ को उपनियम (१) को (ख) बमोजिम विधेयकमा निहित सिद्धान्त विपरीतका संशोधनहरू राख्न नपाईने र यसै नियमको उपनियम (३) बमोजिम मा० सभामुखलाई कुनै संशोधनलाई स्वीकृत गर्ने, अस्वीकृत गर्ने वा सम्बन्धित सदस्यसँग परामर्श गरी त्यसमा सुधार गर्ने वा एकै आशयका एक भन्दा बढी संशोधनलाई एकीकृत गरी स्वीकृत गर्ने अधिकार रहेको तर्फ ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ४ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले श्रम तथा औद्योगिक सम्बन्ध समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ४ सम्म उल्लेखित संशोधनहरू “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० श्रम तथा यातायात व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री रमेश लेखकले “वैदेशिक रोजगार (तेस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल जेठ २० गते आइतवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ४३

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल जेठ २० गते आइतवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ११:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध विषयहरूमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|-------------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री सितादेवी यादव | २. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| ३. मा० श्री तिलक परियार | ४. मा० श्री उमाकान्त चौधरी |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ६. मा० श्री लीला न्याईच्याइ |
| ७. मा० श्री डिलाराम आचार्य | ८. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई |
| ९. मा० श्री मोतिदेवी चौधरी | |

त्यसपछि मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|--------------------------------------|
| १. मा० श्री मिठाराम विश्वकर्मा | २. मा० श्री चुडामणि जंगली विश्वकर्मा |
| ३. मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी | |

त्यसपछि मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|----------------------------|-----------------------------------|
| १. मा० श्री हरिहर दाहाल | २. मा० डा० वंशीधर मिश्र |
| ३. मा० श्री अमृता थापा | ४. मा० श्री सावित्री गुरुङ्ग दुरा |
| ५. मा० श्री सुनिल प्रजापति | ६. मा० श्री ललितकुमार बस्नेत |

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी
२. मा० श्री खिमलाल देवकोटा
३. मा० श्री सुनिल प्रजापति

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल जेठ २३ गते बुधवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ४४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल जेठ २३ गते बुधवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:१५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम विशेष समयमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले विविध समसामयिक विषयहरूमा आ-आफ्नो भनाई राख्नुभयो :-

- | | |
|-----------------------------------|---|
| १. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | २. मा० श्री तीलकुमार मेन्याङबो (लिम्बु) |
| ३. मा० श्री उमा भुजेल | ४. मा० डा० प्रकाशशरण महत |
| ५. मा० श्री पशुपति शम्शेर ज.ब.रा. | ६. मा० श्री लीलामणि पोखरेल |
| ७. मा० श्री लीला न्याईच्याई | ८. मा० श्री हरि आचार्य |
| ९. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १०. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ११. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | १२. मा० श्री रोमी गौचन थकाली |
| १३. मा० श्री फटिकबहादुर थापा | १४. मा० श्री धर्मशिला चापागाई |
| १५. मा० श्री वीरबहादुर लामा | |

तदुपरान्त मा० सँस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “राष्ट्रिय प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सँस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “राष्ट्रिय ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सँस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “राष्ट्रिय सङ्गीत तथा नाट्य प्रज्ञा प्रतिष्ठान विधेयक, २०६३ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “भन्सार सम्बन्धी कानूनलाई संशोधन र एकीकरण गर्न बनेको विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|----------------------------|-----------------------------|
| १. मा० श्री सुनिल प्रजापति | २. मा० श्री भद्रबहादुर थापा |
| ३. मा० श्री भरतकुमार शाह | ४. मा० श्री खिमलाल देवकोटा |

त्यसपछि मा० अर्थ मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० अर्थ मन्त्रीको तर्फबाट मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “भन्सार सम्बन्धी कानूनलाई संशोधन र एकीकरण गर्न बनेको विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------|-------------------------------|
| १. मा० श्री भरतकुमार शाह | २. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय |
| ३. मा० श्री अमृता थापा | ४. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी |

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल जेठ २४ गते विहिवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ४५ र ४६

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संशोधित संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल जेठ २४ गते विहिवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:०० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्न अनुमति माग्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ११३ बमोजिम अनुमति माग्ने प्रस्तावको विरोधको सूचना प्राप्त नभएकोले मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १२:४५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|---------------------------------|--------------------------------|
| १. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | २. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी |
| ३. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य) | ४. मा० श्री गोपालमान श्रेष्ठ |
| ५. मा० डा० प्रकाशशरण महत | ६. मा० श्री नवराज सुवेदी |
| ७. मा० श्री भरतकुमार शाह | ८. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ९. मा० श्री इश्वर पोखरेल | १०. मा० श्री विजय सुब्बा |
| ११. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट | १२. मा० श्री सुनिल प्रजापति |
| १३. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य | १४. मा० श्री लिलामणि पोखरेल |
| १५. मा० श्री मल्ल के. सुन्दर | १६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| १७. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ | १८. मा० श्री भरतप्रसाद शाह |
| १९. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर | २०. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा |
| २१. मा० श्री शरला रेग्मी | २२. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह |
| २३. मा० श्री हरिहर दाहाल | |

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल जेठ २९ गते मंगलवार दिनको ११:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ४७

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संशोधित संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल जेठ २९ गते मंगलवार

आजको बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको २:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ मा० सभामुखको अनुमति लिई मा० श्री महेन्द्र पासवानले हात उठाएर बोल्दै मधेशी मुक्ति मोर्चाका तर्फबाट हिजो दिउँसो २ बजे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार सम्बन्धित पक्षलाई जानकारी गराएर मा० श्री महेन्द्र पासवान, मा० श्री शिवकुमार मण्डल, मा० श्री सत्यनारायण भगत र मा० श्री इलियास मुसलमान लगायतका विधायकहरु समेत समावेश भएको जुलुसले मोर्चाको १५ बुँदे मागपत्र मन्त्रिपरिषद् तथा प्रधानमन्त्रीको कार्यालयमा बुझाउन जाने क्रममा प्रहरी हस्तक्षेप भएकोमा खेद प्रकट गर्दै विधायकहरु समेत समावेश भएको जुलुसमाथि अमानवीय तवरले प्रहरी हस्तक्षेप गरी कैयौं व्यक्तिलाई घाइते समेत बनाएको विषयमा मा० गृह मन्त्रीले सदन समक्ष सो सम्बन्धमा भएको घटनाको विषयमा जानकारी दिई माफी समेत माग्नु पर्दछ भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० श्री रामबहादुर विष्टले नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि दफावार छलफल गर्नको लागि समितिमा रहनुहुने निम्नलिखित मा० सदस्यहरुको नामावली सहितको “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समिति” गठन गर्ने सम्बन्धी प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

१. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का	संयोजक	२. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य	सदस्य
३. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना	सदस्य	४. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय	”
५. मा० श्री इश्वर पोखरेल	”	६. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य)	”
७. मा० श्री खिमलाल देवकोटा	”	८. मा० श्री गणेश शाह	”
९. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट	”	१०. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह	”
११. मा० श्री जनार्दन शर्मा	”	१२. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर	”
१३. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल	”	१४. मा० श्री दीनानाथ शर्मा	”
१५. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग	”	१६. मा० डा० मिनेन्द्र रिजाल	”
१७. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी	”	१८. मा० श्री लीलामणि पोखरेल	”
१९. मा० श्री शरतसिंह भण्डारी	”	२०. मा० श्री सुनिल प्रजापति	”
२१. मा० श्री सुशिला स्वाँर	”	२२. मा० श्री हरि आचार्य	”
२३. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी	”		

तत्पश्चात उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्दै निम्नलिखित मा० सदस्यहरुले छलफलमा भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--------------------------|------------------------|
| १. मा० श्री सुशिला नेपाल | २. मा० श्री अमृता थापा |
| ३. मा० श्री भरतकुमार शाह | |

त्यसपछि मा० श्री रामबहादुर विष्ट प्रस्तावक रहनु भएको नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि दफावार छलफल गर्नको लागि “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समिति” गठन गर्ने सम्बन्धी प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्री श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ्गले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल जेठ ३० गते बुधवार दिनको ४:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद
प्रथम अधिवेशन
बैठक संख्या - ४८ र ४९
सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल जेठ ३० गते बुधवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा साँझ ७:३५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ हुनासाथ सभामुखको अनुमतिले ने.क.पा. माओवादीका सांसद मा० श्री वामदेव क्षेत्रीले हात उठाएर बोल्दै जेठ २९ गते सप्तरीमा नेकपा माओवादीको किसान संगठनका केन्द्रीय सदस्य दशरथ ठाकुरको तथाकथित जनतान्त्रिक मोर्चाले हत्या गरेको र ने.क.पा. माओवादीकै क्षेत्रीय व्यूरो सदस्य र पार्टीका जिल्ला सदस्य जितेन्द्र र मणि कुमारलाई तथाकथित फोरमले अपहरण गरी अमानवीय र जघन्य रूपमा हत्या गरिएकोमा हाम्रो पार्टी र नेपाली जनता गम्भीर भएका छन् । साथै स्थानीय प्रशासनले षडयन्त्रपूर्वक त्यस्ता अपराधीलाई गिरफ्तार गरी छाड्ने गरेको छ । यस प्रकारको घटनाहरूले हामी सांसदहरू समेत असुरक्षित महसुस गरिरहेका छौं । यस विषयमा मा० गृहमन्त्रीले रोष्ट्रममा आई जवाफ दिनु पर्छ भन्नुभयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले सभामुखको अनुमति लिई उक्त घटनाहरूका बारेमा जानकारी दिँदै ज्यादै अमानवीय र निन्दनीय ति दुवै घटनाहरूप्रति सरकारको तर्फबाट दुःख व्यक्त गर्दै दुवै घटनाका दोषिहरूलाई अविलम्ब पक्राउ गरी कारवाही गर्न स्पष्ट निर्देशन दिइसकिएको छ भन्नुभयो । साथै यस प्रकारले हत्या हिंसालाई बढाएर आफ्नो स्वार्थ सिद्ध गर्ने र अभिष्ट पुरा गर्न खोज्ने तत्वलाई हामीले वृहद एकता र समझदारी निर्माण गरेर परास्त गर्नुपर्छ भन्नुभयो ।

तदुपरान्त नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिका संयोजक मा० श्री पूर्णबहादुर खड्काले “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदन, २०६४” प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा साँझ ८:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदन सहितको “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदन सहितको नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरू तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरूमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात प्रारम्भ भएको छलफलमा निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

- | | |
|--|----------------------------|
| १. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना | २. मा० श्री इश्वर पोखरेल |
| ३. मा० श्री खिमलाल देवकोटा | ४. मा० डा० मिनेन्द्र रिजाल |
| ५. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | ६. मा० श्री कमानसिंह लामा |
| ७. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे | ८. मा० श्री डिलाराम आचार्य |
| ९. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली | १०. मा० श्री परी थापा |

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुहुँदै लोकतान्त्रिक आन्दोलनलाई बैधानिक रूपले गति दिन यो

संविधान संशोधन विधेयकले महत्वपूर्ण योगदान पुऱ्याएको छ, यसले दलहरु बीचको एकता, समझदारी र विश्वासलाई मजबुत तुल्याएको छ, केन्द्रकृत र एकात्मक शासन प्रणालीको अन्त्य गर्न सघाएको छ, नेपालमा पुरानो युगको अन्त्य गरेर नयां युगको प्रारम्भ गर्दैछ भन्दै यस विधेयकमा मा० सदस्यज्यूहरुले अत्यन्त महत्वपूर्ण सुझावहरु संशोधनमार्फत राखेर जन भावना अनुरुपको बनाउन सहयोग गर्नुभएको छ भन्ने धारणा सरकारले राखेको छ भन्नुभयो ।

त्यसपछि “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ तथा विधेयकको दफा ५ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (२) पछि थपिएको उपधारा (३) माथिको संशोधनलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या २ तथा विधेयकको दफा ६ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५५ पछि थपिएको धारा ५५क को उपधारा (२) माथिको संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या ३ तथा विधेयकको दफा ९ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १५४क मा थपिएको उपधारा (१०ख) माथिको संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या ४ तथा विधेयकको दफा १० अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १५५ माथिको संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” का सम्बन्धमा नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या ५ तथा विधेयकको दफा ११ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १५९ मा थपिएको उपधारा (३क) र (३ख) माथिको संशोधनलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ५ सम्म अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (२) पछि थपिएको उपधारा (३), धारा ५५ पछि थपिएको धारा ५५क को उपधारा (२), धारा १५४क मा थपिएको उपधारा (१०ख), धारा १५५ र धारा १५९ मा थपिएको उपधारा (३क) र (३ख) माथिको संशोधनहरु समूहिकृत रूपमा “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा ३३ माथिको संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको दफा ३ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा ३८ को उपधारा (७) को खण्ड (क) पछि खण्ड (क१) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको दफा ४ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा ४० माथिको संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा ५ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (२) पछि उपधारा (३) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको दफा ६ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा ५५ पछि धारा (५५क) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको दफा ७ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा ५७ पछि धारा (५७क) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा ८ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा ६५ को खण्ड (ग) पछि खण्ड (ग१) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको दफा ९ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा १५४क को उपधारा (९) माथि र उपधारा (१०) पछि उपधारा (१०क), (१०ख), (१०ग), (१०घ) र (१०ङ) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले विधेयकको दफा १० अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा १५५ को उपधारा (१) माथिको संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा ११ अर्थात् नेपालको अन्तरिम संविधान २०६३ को धारा १५९ को उपधारा (३) पछि उपधारा (३क) र (३ख) थप गर्ने सम्बन्धी संशोधन “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा बहुमतबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गर्न व्यवस्थापिका-संसदका मा० सभामुखलाई पठाउनु भएको निम्नलिखित व्यहोराको पत्र पढेर सुनाउनु भयो ।

नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को दोस्रो संशोधनलाई मा० सदस्यहरुबाट विशेष समितिमा व्यापक छलफल गरी निर्णय लिएकोमा म सांसद साथीहरुलाई हार्दिक धन्यवाद दिन चाहन्छु । आजको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा म उपस्थित हुन नसक्ने भएकोले सबै व्यवस्थापिका सांसदहरुलाई अन्तरिम संविधानको दोस्रो संशोधन पारित गरिदिनु हुन अनुरोध गर्दछु । संविधान सभाको निर्वाचनलाई सुनिश्चित गर्दै लोकतन्त्रलाई संस्थागत गर्ने दिशामा यो संशोधनले ऐतिहासिक योगदान पुऱ्याउँदछ भन्ने मेरो विश्वास छ ।

मिति :- २०६४/०२/३०

गिरिजाप्रसाद कोइराला
प्रधानमन्त्री

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली २०६३ को नियम १३८ को उपनियम (४) बमोजिम नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस् भन्ने प्रस्तावलाई मत विभाजनद्वारा निर्णयार्थ पेश गर्नुपर्ने प्रावधान भएको व्यहोरा मा० सदस्यहरुलाई जानकारी गराउँदै मत विभाजन गर्दा अपनाइने प्रक्रियाको विषयमा जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावमा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली २०६३ को नियम १३८ को उपनियम (४) बमोजिम मत विभाजन गरी मत संकलन गर्दा “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्तावको पक्षमा अर्थात् “हुन्छ” भन्ने पक्षमा जम्मा २८१ मत र यस प्रस्तावको विपक्षमा अर्थात् “हुन्न” भन्ने पक्षमा २ मत परेकोले मा० सभामुखले “नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव व्यवस्थापिका-संसदको दुईतिहाई बहुमतबाट पारित भएको घोषणा गर्नुभयो ।

“नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने पक्षमा अर्थात् “हुन्छ” भन्ने पक्षमा मतदान गर्नुहुने मा० सदस्यहरुको नामावली :-

१.	मा० श्री अजयकुमार चौरसिया बरै
२.	मा० श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह
३.	मा० श्री अर्जुनप्रसाद जोशी
४.	मा० श्री अञ्जना विशंखे
५.	मा० श्री अमरेशकुमार सिंह
६.	मा० श्री अमृता थापा
७.	मा० श्री अशोक कोइराला
८.	मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य
९.	मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुङ्गाना
१०.	मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल
११.	मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय
१२.	मा० श्री इन्द्रजीत थारु
१३.	मा० श्री इलियास मुसलमान
१४.	मा० श्री ईश्वर पोखरेल
१५.	मा० श्री उमाकान्त चौधरी
१६.	मा० श्री उमा भुजेल
१७.	मा० श्री उमा वि.क.
१८.	मा० श्री उर्मिला अर्याल
१९.	मा० श्री ऋषिकेश गौतम
२०.	मा० श्री एकनाथ रानाभाट
२१.	मा० श्री ओमप्रसाद ओझा
२२.	मा० श्री कमलप्रकाश सुनुवार
२३.	मा० श्री कमला पन्त (आचार्य)
२४.	मा० श्री कमला रोका
२५.	मा० श्री कमानसिंह लामा
२६.	मा० श्रीमती काशी पौडेल
२७.	मा० श्री कुन्ता शर्मा
२८.	मा० श्री कुमार फुदुङ्ग

२९.	मा० श्री कुमारी मोक्तान
३०.	मा० श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग
३१.	मा० श्री केशरमान रोका
३२.	मा० श्री केशव थापा
३३.	मा० श्री कैलाशनाथ कसौधन
३४.	मा० श्री कृष्ण आचार्य
३५.	मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे
३६.	मा० श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ
३७.	मा० श्री कृष्ण देव सिंह दनुवार
३८.	मा० श्री कृष्णप्रताप मल्ल
३९.	मा० श्री कृष्णप्रसाद दहाल
४०.	मा० श्री कृष्णप्रसाद सिटौला
४१.	मा० श्री कृष्णबहादुर महरा
४२.	मा० श्री कृष्णलाल महर्जन
४३.	मा० श्री खड्गबहादुर वि.क.
४४.	मा० श्री खिमलाल देवकोटा
४५.	मा० श्री खुमबहादुर खड्का
४६.	मा० श्री गमबहादुर श्रीश मगर
४७.	मा० श्री गणेश शाह
४८.	मा० श्री गेहेन्द्र गिरी
४९.	मा० श्री गोकर्णराज विष्ट
५०.	मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला
५१.	मा० श्री गोपालमान श्रेष्ठ
५२.	मा० श्री गोरखबहादुर वोगटी
५३.	मा० श्री गोविन्दराज जोशी
५४.	मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह
५५.	मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ
५६.	मा० डा. गंगाधर लम्साल

५७.	मा० श्री गंगाप्रसाद नेपाल
५८.	मा० श्री चक्रप्रसाद वास्तोला
५९.	मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली
६०.	मा० श्री चन्द्रमणि खराल
६१.	मा० श्री चिनक कुर्मी
६२.	मा० श्री चिरञ्जीवी वाग्ले
६३.	मा० श्रीमती चित्रलेखा यादव
६४.	मा० श्री चुडामणि जंगली (विश्वकर्मा)
६५.	मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा
६६.	मा० श्री जनकराज गिरी
६७.	मा० श्री जनार्दन शर्मा
६८.	मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर
६९.	मा० श्री जयन्ति राई
७०.	मा० श्री जयप्रकाशप्रसाद गुप्ता
७१.	मा० श्री भलनाथ खनाल
७२.	मा० श्री टीका बुढाथोकी
७३.	मा० श्री टुकराज सिग्देल
७४.	मा० श्री टेकबहादुर चोखाल
७५.	मा० श्री टंक आडबुहाङ्ग लिम्बु
७६.	मा० श्री टंकप्रसाद राई
७७.	मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल
७८.	मा० श्री डिलाराम आचार्य
७९.	मा० श्री डिल्लीराज खनाल
८०.	मा० श्री डिल्लीराज शर्मा
८१.	मा० श्री तारानाथ रानाभाट
८२.	मा० श्री तारासम यङ्ग्या
८३.	मा० श्री तारिणीदत्त चटौत
८४.	मा० श्री तिलक परियार
८५.	मा० श्री तीर्थराम डङ्गोल
८६.	मा० श्री तीर्था गौतम
८७.	मा० श्री तीलकुमार मेन्याडवो (लिम्बु)
८८.	मा० श्री दानबहादुर चौधरी
८९.	मा० श्री दामा शर्मा
९०.	मा० श्री दामोदर वस्ताकोटी
९१.	मा० श्री दिपकबहादुर गुरुङ
९२.	मा० श्री दिलबहादुर लामा
९३.	मा० श्री दिलीप महर्जन
९४.	मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु
९५.	मा० श्री दीनबन्धु श्रेष्ठ
९६.	मा० श्री दीनानाथ शर्मा
९७.	मा० श्री दुर्गा लिंखा

९८.	मा० श्री दुर्योधन सिंह
९९.	मा० श्री देवप्रसाद गुरुङ
१००.	मा० श्री देवी खड्का
१०१.	मा० श्री देवीलाल थापा
१०२.	मा० श्री देवेन्द्रराज कडेल
१०३.	मा० श्री धर्मनाथप्रसाद साह
१०४.	मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई
१०५.	मा० श्री नन्द सिंह सार्की
१०६.	मा० श्री नरेन्द्रबहादुर बम
१०७.	मा० श्री नरेन्द्रविक्रम नेम्वाङ
१०८.	मा० श्री नागेन्द्रकुमार राय
१०९.	मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल
११०.	मा० श्री नारायणप्रसाद रेग्मी
१११.	मा० श्री नारायणमान विजुक्छे
११२.	मा० श्री नारायणशर्मा पौड्याल
११३.	मा० श्री नारायणी देवी श्रेष्ठ
११४.	मा० श्री पदमबहादुर राई
११५.	मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा
११६.	मा० श्री परमानन्द वर्मा कुर्मी
११७.	मा० श्री परशुराम मेची गुरुङ्ग
११८.	मा० श्री परशुराम रम्तेल
११९.	मा० श्री पार्वती चौधरी
१२०.	मा० श्री पाल्तेन गुरुङ
१२१.	मा० श्री पुरन राना थारु
१२२.	मा० श्री पुष्करनाथ ओझा
१२३.	मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का
१२४.	मा० श्री पूर्णसिंह राजवंशी
१२५.	मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी
१२६.	मा० श्री प्रकाश ज्वाला
१२७.	मा० श्री प्रकाशबहादुर गुरुङ
१२८.	मा० श्री प्रकाशमान सिंह
१२९.	मा० डा. प्रकाश शरण महत
१३०.	मा० श्री प्रभु शाह
१३१.	मा० श्री प्रदिप गिरी
१३२.	मा० श्री प्रदिपकुमार ज्ञवाली
१३३.	मा० श्री प्रदीप नेपाल
१३४.	मा० श्री फरमुलाह मंसुर
१३५.	मा० श्री फुर्वी शेर्पा
१३६.	मा० श्री बलबहादुर राई
१३७.	मा० श्री बलावती शर्मा
१३८.	मा० श्री बिरोध खतिवडा

१३९.	मा० श्री बुद्धिमान माफी
१४०.	मा० श्री बेदुराम भुसाल
१४१.	मा० श्री बेनुपराज प्रसाई
१४२.	मा० डा. बंशीधर मिश्र
१४३.	मा० श्री भगवती प्रधान
१४४.	मा० श्री भक्तबहादुर शाह
१४५.	मा० श्री भद्रबहादुर थापा
१४६.	मा० श्री भरतप्रसाद शाह
१४७.	मा० श्री भरतकुमार शाह
१४८.	मा० श्री भरतमोहन अधिकारी
१४९.	मा० श्री भिमबहादुर तामाङ्ग
१५०.	मा० श्री भिक्षु आनन्द
१५१.	मा० श्री मञ्जु बम
१५२.	मा० श्री मणि खम्बु
१५३.	मा० श्री मल्ल के सुन्दर
१५४.	मा० श्री महन्थ ठाकुर
१५५.	मा० श्री महादेव गुरुङ
१५६.	मा० श्री महेन्द्र पासवान
१५७.	मा० श्री महेन्द्रकुमार राय
१५८.	मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव
१५९.	मा० श्री महेन्द्र यादव
१६०.	मा० श्री महेश आचार्य
१६१.	मा० श्री माधवकुमार नेपाल
१६२.	मा० श्री मिठाराम विश्वकर्मा
१६३.	मा० डा. मिनेन्द्र रिजाल
१६४.	मा० सुश्री मैयादेवी श्रेष्ठ
१६५.	मा० श्री मो. अफताव आलम
१६६.	मा० श्री मोतीदेवी चौधरी
१६७.	मा० श्री मोहनबहादुर बस्नेत
१६८.	मा० श्री मंगलप्रसाद थारु
१६९.	मा० श्री मंगल विश्वकर्मा
१७०.	मा० डा० मंगलसिद्धि मानन्धर
१७१.	मा० श्री यज्ञराज पाठक
१७२.	मा० श्री यादवबहादुर रायमाफी
१७३.	मा० श्री योगनारायण यादव
१७४.	मा० श्री रघुजी पन्त
१७५.	मा० श्री रत्नप्रसाद शर्मा न्यौपाने
१७६.	मा० श्री राजेन्द्र खरेल
१७७.	मा० श्री राजेन्द्रप्रकाश लोहनी
१७८.	मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे
१७९.	मा० श्री राधेश्याम अधिकारी

१८०.	मा० श्री रामआश्रय राम
१८१.	मा० श्री रामकुमार चौधरी
१८२.	मा० श्री रामकुमारी यादव
१८३.	मा० श्री रामकृष्ण ताम्राकार
१८४.	मा० श्री रामचन्द्र तिवारी
१८५.	मा० श्री रामचन्द्र पौडेल
१८६.	मा० श्री रामचन्द्र यादव
१८७.	मा० श्री रामचरण चौधरी थारु
१८८.	मा० श्री रामजनम चौधरी
१८९.	मा० श्री रामजीवन सिंह
१९०.	मा० श्री रामनाथ अधिकारी
१९१.	मा० श्री रामप्रीत पासवान
१९२.	मा० श्री रामबहादुर गुरुङ
१९३.	मा० श्री रामबहादुर बिष्ट
१९४.	मा० श्री रामलौट तिवारी
१९५.	मा० डा. रामवरण यादव
१९६.	मा० डा. रामशरण महत
१९७.	मा० श्री रामहरि ढुङ्गेल
१९८.	मा० श्री रिजवान अन्सारी
१९९.	मा० श्री रिमा नेपाली
२००.	मा० श्री रुपा चौधरी
२०१.	मा० श्री रुपा वि.क.
२०२.	मा० श्री रोमी गौचन थकाली
२०३.	मा० श्री रंगनाथ जोशी
२०४.	मा० श्री लक्ष्मणप्रसाद मेहता
२०५.	मा० श्री लक्ष्मीदास मानन्धर
२०६.	मा० श्री ललितकुमार बस्नेत
२०७.	मा० श्री लालबाबु पण्डित
२०८.	मा० श्री लिला न्याइच्याइँ
२०९.	मा० श्री लीलामणि पोखरेल
२१०.	मा० श्री लेखनाथ आचार्य
२११.	मा० श्री लेखनाथ न्यौपाने
२१२.	मा० श्री लेखराज भट्ट
२१३.	मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट
२१४.	मा० श्री वसन्तकुमार नेम्वाङ
२१५.	मा० श्री वामदेव गौतम
२१६.	मा० श्री वामदेव क्षेत्री
२१७.	मा० श्री विजयकुमार गच्छदार
२१८.	मा० श्री विजय सुब्बा
२१९.	मा० श्री विनयध्वज चन्द
२२०.	मा० श्री विनोदकुमार उपाध्याय

२२१.	मा० श्री विमलेन्द्र निधि
२२२.	मा० श्री वीरबहादुर लामा
२२३.	मा० श्री वीरेन्द्रकुमार कनौडिया
२२४.	मा० श्री शरतसिंह भण्डारी
२२५.	मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ
२२६.	मा० श्री शान्ति पाख्रिन
२२७.	मा० श्री शालिक्राम जम्कटेल
२२८.	मा० श्री शिला यादव
२२९.	मा० श्री शिवकुमार बस्नेत
२३०.	मा० श्री शिवकुमार मण्डल
२३१.	मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाईं
२३२.	मा० श्री शिवबहादुर देउजा
२३३.	मा० श्री शिवराज जोशी (दैलेख)
२३४.	मा० श्री शिवराज जोशी (सुर्खेत)
२३५.	मा० श्री शुभाष कर्माचार्य
२३६.	मा० श्री शेरधन राई
२३७.	मा० श्री शोभा कट्टेल
२३८.	मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी
२३९.	मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे
२४०.	मा० श्री सत्यनारायण भगत वीन
२४१.	मा० श्री सत्य पहाडी
२४२.	मा० श्री सन्तोष कुमार बुढामगर
२४३.	मा० श्री सरला रेग्मी
२४४.	मा० श्री सरस्वती चौधरी
२४५.	मा० श्री सरस्वती मोहरा
२४६.	मा० श्री सर्वधन राई
२४७.	मा० श्री सावित्री गुरुङ दुरा
२४८.	मा० श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक)
२४९.	मा० श्रीमती सितादेवी यादव
२५०.	मा० श्री सिद्धराज ओझा
२५१.	मा० श्री सीता वि.क.

२५२.	मा० श्रीमती सुजाता कोइराला
२५३.	मा० श्री सुनिल प्रजापति
२५४.	मा० श्री सुरेन्द्रप्रसाद चौधरी
२५५.	मा० श्री सुरेन्द्र हमाल
२५६.	मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर
२५७.	मा० श्री सुरेशकुमार कार्की
२५८.	मा० श्री सुरेश मल्ल
२५९.	मा० श्री सुशील कोइराला
२६०.	मा० श्री सुशीला नेपाल
२६१.	मा० सुश्री सुशीला स्वाँर
२६२.	मा० श्री सूर्यप्रसाद प्रधान
२६३.	मा० श्री सूर्यनाथ प्रसाद यादव
२६४.	मा० श्री सूर्यमान दोड तामाङ
२६५.	मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय
२६६.	मा० श्री सोहनप्रसाद चौधरी
२६७.	मा० श्री स्मृतिनारायण चौधरी
२६८.	मा० श्री हर्कमान तामाङ
२६९.	मा० श्री हरि आचार्य
२७०.	मा० श्री हरि रोका
२७१.	मा० श्री हरिनारायण चौधरी
२७२.	मा० श्री हरिप्रसाद सापकोटा
२७३.	मा० श्री हरिभक्त अधिकारी
२७४.	मा० श्री हरिलाल जोशी
२७५.	मा० श्री हरिहर दाहाल
२७६.	मा० श्री हितबहादुर तामाङ
२७७.	मा० श्री हिसिला यमी
२७८.	मा० श्री होमनाथ दाहाल
२७९.	मा० श्री हृदयराम थानी
२८०.	मा० श्री ज्ञानु के.सी.
२८१.	मा० श्री श्रीमाया थकाली

“नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भन्ने विपक्षमा अर्थात् “हुन्न” भन्ने पक्षमा मतदान गर्नुहुने मा० सदस्यहरुको नामावली :-

१. मा० श्री नवराज सुवेदी

२. मा० श्री परी थापा

तदनन्तर बैठक २०६४ साल जेठ ३१ गते विहिवार दिनको ४:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ५० र ५१

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल जेठ ३१ गते विहिवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा साँझ ७:२५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० सभामुखको अनुमतिले मा० श्री शिला यादवले ने.क.पा. माओवादी र यसका भातृ संगठनहरुमाथि विभिन्न पक्षहरुबाट श्रृंखलावद्ध आक्रमणहरु भैरहेको विषयमा सरकारको ध्यानाकर्षण गर्दछु भन्नुहुँदै यस विषयमा खोजी गरी मा० गृहमन्त्रीले सदनमा जवाफ दिन माग गर्दछु भन्नुभयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले मा० सदस्यले गम्भीर विषय उठाउनु भएको छ, यस विषयमा आगामि आइतवारको बैठकमा मा० गृह मन्त्रीले सदनलाई जानकारी गराउन ध्यानाकर्षण गराउँछु भन्नुभयो ।

तत्पश्चात व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १८४ को उपनियम (१०) बमोजिम राज्य व्यवस्था समितिका मा० सभापति श्री आमोदप्रसाद उपाध्यायले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” सम्बन्धी समितिको प्रतिवेदन सहितको विधेयक पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सूचना तथा सञ्चार मन्त्री श्री कृष्णबहादुर महाराले “श्रमजीवी पत्रकार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० अर्थमन्त्रीको तर्फबाट मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “भन्सार विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “मुलुकी (बाह्रौं संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “केही नेपाल ऐनलाई संशोधन गर्ने विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था राज्यमन्त्री श्री इन्द्रबहादुर गुरुङ्गले “विशेष अदालत (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफलको लागि सम्बन्धित समितिमा पठाईयोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक पन्ध्र मिनेटको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा साँझ ७:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० श्री रामबहादुर विष्टले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समिति, २०६४ गठन गरियोस्” भनी समितिमा रहनुहुने निम्नलिखित मा० सदस्यहरुको नामावली सहितको प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

१.	मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य	संयोजक	२.	मा० श्री इन्द्रजीत थारु	सदस्य
३.	मा० श्री उमा भुजेल	सदस्य	४.	मा० श्री उमाकान्त चौधरी	”
५.	मा० श्री काशी पौडेल	”	६.	मा० श्री खिमलाल देवकोटा	”

७. मा० श्री गणेश शाह	”	८. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट	”
९. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह	”	१०. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल	”
११. मा० श्री नवराज सुवेदी	”	१२. मा० श्री परशुराम मेघी गुरुङ्ग	”
१३. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी	”	१४. मा० श्री लीलामणि पोखरेल	”
१५. मा० श्री सुनिल प्रजापति	”	१६. मा० श्री हरि आचार्य	”
१७. मा० श्री हरिहर दाहाल	”	१८. मा० श्री होमनाथ दाहाल	”
१९. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी	”		

तदुपरान्त उक्त प्रस्तावको निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले समर्थन गर्नुभयो :-

१. मा० श्री तिलक परियार
२. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे
३. मा० श्री गोरखबहादुर बोगटी

तत्पश्चात मा० श्री रामबहादुर विष्टले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समिति, २०६४ गठन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३ माथि छलफल गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदन सहितको “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” माथिको छलफलमा समितिको प्रतिवेदन र सो सम्बन्धी विधेयकका दफाहरु तथा आनुसांगिक अन्य दफाहरुमा मात्र छलफल गर्न सकिने व्यहोरा मा० सदस्यहरूलाई जानकारी गराउनु भयो ।

तत्पश्चात उक्त विधेयकमाथिको छलफलमा मा० श्री सुनिल प्रजापतिले भाग लिनुभयो ।

त्यसपछि मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले उक्त छलफलमा उठेका प्रश्नहरूको जवाफ दिनुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” का सम्बन्धमा राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ३९ सम्म र सो सँग सम्बन्धित अनुसूची १ देखि ५ सम्म उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले राज्य व्यवस्था समितिको प्रतिवेदनको क्रमसंख्या १ देखि ३९ सम्म र सो सँग सम्बन्धित अनुसूची १ देखि ५ सम्म उल्लेखित संशोधनहरु “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले विधेयकको दफा २ देखि ७६ सम्म र सम्बन्धित अनुसूची १ देखि ४ सम्म “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले विधेयकको प्रस्तावना र नाम पढेर सुनाउँदै “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “संविधान सभा सदस्य निर्वाचन विधेयक, २०६४ लाई पारित गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक २०६४ साल असार ३ गते आइतवार दिनको १:०० बजेसम्मको लागि स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव

व्यवस्थापिका-संसद

प्रथम अधिवेशन

बैठक संख्या - ५२, ५३ र ५४

सूचनापत्र-२

(बैठकको कारवाहीको संक्षिप्त विवरण)

२०६४ साल असार ३ गते आइतवार

आजको पहिलो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको १:३० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० श्री रामकुमार चौधरीले मा० सभामुखको अनुमति लिएर राजविराजमा माओवादी कार्यकर्ताको हत्यापछि माओवादीले तीन दिने बन्द कार्यक्रम राखेकोमा दोस्रो दिनको बन्दको कार्यक्रमको सिलसिलामा माओवादी कार्यकर्ताले स्थानीय व्यापारी वैदी शाह र दिनेश गुप्तालाई मरणासन्न हुने गरी पिटेर हाल स्थानीय अस्पतालमा उपचार गराइ रहेका छन् । त्यहाँका व्यापारीहरूले जिल्ला प्रशासन कार्यालयमा ४ बुंदे ज्ञापन पत्र दिँदै व्यापारीहरूलाई कुटपिट गर्ने माओवादीलाई कारवाही गर्नुपर्ने, व्यापारीहरूको शान्ति सुरक्षाको ग्यारेण्टी गर्नुपर्ने, माओवादी कार्यालयमा हातहतियार बरामद भएकोले माओवादीका सप्तरी नेतृत्वलाई कारवाही गर्नुपर्ने र राजविराज बिच बजारमा रहेको चोकमा प्रहरी विट स्थापना गरी हालको माओवादी कार्यालय त्यहाँबाट हटाउनु पर्ने माग राख्दै यसबाट सप्तरीका जनतामा असुरक्षाको महशुस भैरहेकोले मा० गृहमन्त्रीले शान्ति सुरक्षाको व्यवस्था कसरी गर्नु हुन्छ त्यसको जवाफ चाहियो भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० गृहमन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले जेठ ३१ गते बाराको सिम्रौनगढ स्थित मुसरिया गा.वि.स. बस्ने ने.क.पा. माओवादीका जिल्ला सदस्य जुलिम मन्सुरीलाई अपहरण गरी हत्या गरीएको जिम्मेवारी जनतान्त्रिक समूहका ज्वाला सिंहले लिएको छ । यस घटनामा सरीक व्यक्तिलाई खोज तलाश गरी कानून बमोजिम कारवाही गर्न निर्देशन दिई सकिएको छ । केही दिनदेखि जनतान्त्रिक समूह, गोइत समूह, जनतान्त्रिक ज्वाला सिंह समूह र अन्य केही अज्ञात व्यक्तिहरूले तराईमा प्रहरी चौकी लुटपाट गर्ने, ज्यान लिने, अपहरण गर्ने जस्ता अपराधिक क्रियाकलाप गरिरहेकोमा प्रहरी प्रशासनलाई त्यस कार्यमा उच्च प्राथमिकताका साथ अनुसन्धान अगाडि बढाउन निर्देशन दिई सकिएको र सशस्त्र द्वन्दको अवस्थामा वेपत्ता पारिएका भनिएका व्यक्तिहरूको सम्बन्धमा छानविन गरी सत्य तथ्य पत्ता लगाउन आयोग गठन गरि सकिएको विषयमा जानकारी दिनुभयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिका मा० संयोजक श्री अष्टलक्ष्मी शाक्यले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” पेश गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिन नचाहनु भएकोले मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले “नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “विभूषण विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिन नचाहनु भएकोले मा० गृह मन्त्री श्री कृष्णप्रसाद सिटौलाले “विभूषण विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६४ माथि विचार गरियोस्” भन्ने प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा विधेयकको सैद्धान्तिक पक्षमा मात्र छलफल हुने व्यहोरा जानकारी गराउनु भयो ।

त्यसपछि उक्त विधेयकमाथिको सामान्य छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिन नचाहनु भएकोले मा० कृषि तथा सहकारी मन्त्रीको तर्फबाट मा० वातावरण, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्री श्री महन्थ ठाकुरले “बिरुवा संरक्षण विधेयक, २०६३ माथि विचार गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको दोस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको २:५० बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्गले “व्यवस्थापिका-संसदको यो बैठक मिति २०६३ साल असोज ७ गते सिराहा क्षेत्र नं. ३ का प्रतिनिधि सभा सदस्य श्री कृष्णचरण श्रेष्ठको षडयन्त्रपूर्ण ढङ्गले हत्या गरिएको सम्बन्धमा छानविन गरी दोषी माथी कारवाहीको लागि सिफारिश गर्न संसदीय समिति गठन गरियोस्” भनी निम्नलिखित मा० सदस्यहरूको नामावली सहितको प्रस्ताव पेश गर्नुभयो ।

१. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल	संयोजक	२. मा० श्री धर्मनाथप्रसाद शाह	सदस्य
३. मा० श्री कृष्णदेवसिंह दनुवार	सदस्य	४. मा० श्री रामचन्द्र राय	”
५. मा० श्री रामकुमार चौधरी	”	६. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य)	”
७. मा० श्री जयन्ति राई	”		

तदुपरान्त उक्त प्रस्तावको मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह र मा० श्री रामबहादुर विष्टले समर्थन गर्नुभयो ।

तत्पश्चात मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्गले “व्यवस्थापिका-संसदको यो बैठक मिति २०६३ साल असोज ७ गते सिराहा क्षेत्र नं. ३ का प्रतिनिधि सभा सदस्य श्री कृष्णचरण श्रेष्ठको षडयन्त्रपूर्ण ढङ्गले हत्या गरिएको सम्बन्धमा छानविन गरी दोषी माथी कारवाहीको लागि सिफारिश गर्न संसदीय समिति गठन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिका संयोजक मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्यले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” माथिको छलफल सदनमा गरियोस् भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तदुपरान्त उक्त छलफलमा कुनैपनि मा० सदस्यले भाग लिन नचाहनु भएकोले मा० सभामुखले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” मा उल्लेखित संशोधनहरूलाई निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

तत्पश्चात मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदनमा उल्लेखित संशोधनहरू “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३” को अंग बनोस् भनी निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिका संयोजक मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्यले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समितिको प्रतिवेदन, २०६४” लाई पारित गरियोस् भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।

तदनन्तर बैठक आधा घण्टाको लागि स्थगित भयो ।

आजको तेस्रो बैठक मा० सभामुख श्री सुभाष नेम्वाङको अध्यक्षतामा दिनको ४:५५ बजे प्रारम्भ भयो ।

सर्वप्रथम मा० श्री राजेन्द्र खरेलले सामाजिक सुधारको सिलसिलामा विभिन्न जिल्ला भ्रमणको क्रममा रहनु भएका प्रतिनिधि सभाका भूतपूर्व सदस्य श्री नथुनी सिंह दनुवारको अपहरण भएकोमा खोजी खबरी नभएको भन्दै मा० सभामुख मार्फत सरकारको ध्यानाकर्षण गराउनु भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले मा० सदस्यले गम्भिर विषय उठाउनु भएकोले मा० गृह मन्त्रीको यसतर्फ ध्यानाकर्षण गराउँछु भन्नुभयो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २१२, २१४, २१५, २१६, २१७ र २१८ बमोजिमका निम्नलिखित ६ वटा विशेष समितिहरूमा रहनुहुने मा० सदस्यहरूको नाम सभाको सहमतिका लागि प्रस्ताव गर्नुभएकोमा सभाले सहमति जनायो ।

संसदीय सुनुवाई विशेष समिति

१. मा० श्री अमृता थापा	२. मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्य
३. मा० श्री आमोदप्रसाद उपाध्याय	४. मा० श्री कमला पन्त (आचार्य)
५. मा० श्री कृष्णप्रताप मल्ल	६. मा० श्री खिमलाल देवकोटा
७. मा० श्री गणेश शाह	८. मा० श्री गोपालमान श्रेष्ठ
९. मा० श्री चक्रप्रसाद वास्तोला	१०. मा० श्री डिलाराम आचार्य
११. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद वडु	१२. मा० श्री दीनानाथ शर्मा
१३. मा० श्री धर्मनाथप्रसाद साह	१४. मा० श्री नवराज सुवेदी
१५. मा० श्री नारायणप्रकाश साँउद	१६. मा० श्री नारायणमान विजुक्छे
१७. मा० श्री पदमबहादुर राई	१८. मा० श्री परशुराम रम्तेल
१९. मा० श्री पशुपति चौलागाईं	२०. मा० श्री भरतकुमार शाह
२१. मा० श्री भरतमोहन अधिकारी	२२. मा० डा. मिनेन्द्र रिजाल
२३. मा० डा० मंगलसिद्धि मानन्धर	२४. मा० डा. रामवरण यादव
२५. मा० श्री लीलामणि पोखरेल	२६. मा० श्री सिद्धराज ओझा
२७. मा० श्री हितबहादुर तामाङ	२८. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी

संविधान सभा निर्वाचन व्यवस्थापन अनुगमन विशेष समिति

१. मा० श्री अञ्जना विसंखे	२. मा० श्री उर्वादत्त पन्त
३. मा० श्री कमला रोका	४. मा० श्री केशव थापा
५. मा० श्रीमती कृष्णकुमारी श्रेष्ठ	६. मा० श्री गोकर्णराज विष्ट
७. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह	८. मा० श्री चिरञ्जीवी वार्ले
९. मा० श्री जग्यबहादुर शाही	१०. मा० श्री जयपुरी घर्ती मगर
११. मा० श्री भुलनाथ खनाल	१२. मा० श्री टंकप्रसाद राई
१३. मा० श्री तिलक परियार	१४. मा० श्री देवेन्द्रराज कडेल
१५. मा० श्री धर्मशिला चापागाईं	१६. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाईं
१७. मा० श्री नवराज सुवेदी	१८. मा० श्री प्रभु शाह
१९. मा० श्री बेदुराम भुसाल	२०. मा० श्री महेश आचार्य
२१. मा० श्री राधेश्याम अधिकारी	२२. मा० श्री रामचरण चौधरी थारु
२३. मा० श्री लोकेन्द्र विष्ट	२४. मा० श्री वीरबहादुर लामा
२५. मा० श्री सुशील कोइराला	२६. मा० श्री सोमप्रसाद पाण्डेय
२७. मा० श्री हरि आचार्य	२८. मा० श्री हरिहर दाहाल
२९. मा० श्री होमनाथ दाहाल	

शान्ति सम्भौता कार्यान्वयन अनुगमन विशेष समिति

- | | |
|------------------------------------|--|
| १. मा० श्रीमती आनन्दीदेवी सिंह | २. मा० श्री ईश्वर पोखरेल |
| ३. मा० श्री कमानसिंह लामा | ४. मा० श्री कृष्णप्रताप मल्ल |
| ५. मा० श्री कृष्णप्रसाद दहाल | ६. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली |
| ७. मा० श्री चित्रबहादुर के.सी. | ८. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल |
| ९. मा० श्री टंकप्रसाद शर्मा कडेल | १०. मा० श्री डम्बरसिं सम्वाहाम्फे |
| ११. मा० श्री तीर्थराम डंगोल | १२. मा० श्री पदमलाल विश्वकर्मा |
| १३. मा० श्री परी थापा | १४. मा० श्री पूर्णकुमारी सुवेदी |
| १५. मा० श्री प्रकाशबहादुर गुरुङ | १६. मा० श्री प्रकाशमान सिंह |
| १७. मा० श्री बलावती शर्मा | १८. मा० श्री मल्ल के सुन्दर |
| १९. मा० श्री महेन्द्र पासवान | २०. मा० श्री महेन्द्रप्रसाद यादव |
| २१. मा० श्री लिला न्याइच्याई | २२. मा० श्री लेखराज भट्ट |
| २३. मा० श्रीमती विद्यादेवी भण्डारी | २४. मा० श्री शरतसिंह भण्डारी |
| २५. मा० श्री शान्ता श्रेष्ठ | २६. मा० श्री शिवप्रसाद हुमागाई |
| २७. मा० श्री शिवराज जोशी (सुर्खेत) | २८. मा० श्रीमती सुजाता कोइराला |
| २९. मा० श्री सुशीला नेपाल | |

द्वन्द्वपीडित पुनर्स्थापना तथा राहत परिचालन अनुगमन विशेष समिति

- | | |
|------------------------------------|---------------------------------|
| १. मा० श्री अर्जुनजङ्गबहादुर सिंह | २. मा० श्री असर्फी सदा |
| ३. मा० श्री उमा अधिकारी रेग्मी | ४. मा० श्री उमा भुजेल |
| ५. मा० श्री उर्मिला अर्याल | ६. मा० श्रीमती काशी पौडेल |
| ७. मा० श्री कुलबहादुर गुरुङ्ग | ८. मा० श्री कृष्णकिशोर घिमिरे |
| ९. मा० श्री कृष्ण देव सिंह दनुवार | १०. मा० श्री गणेश शाह |
| ११. मा० श्री गोविन्दविक्रम शाह | १२. मा० श्री गंगानारायण श्रेष्ठ |
| १३. मा० श्री घनेन्द्र बस्नेत | १४. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा |
| १५. मा० श्री नवराज सुवेदी | १६. मा० श्री नारायणप्रसाद दाहाल |
| १७. मा० श्री बिरोध खतिवडा | १८. मा० श्री भक्तबहादुर शाह |
| १९. मा० श्री यज्ञजीत शाह | २०. मा० श्री योगनारायण यादव |
| २१. मा० श्री रामजनम चौधरी | २२. मा० श्री रामनाथ अधिकारी |
| २३. मा० श्री रामहरि दुङ्गेल | २४. मा० श्री विनयध्वज चन्द |
| २५. मा० श्री शंकरनाथ शर्मा अधिकारी | २६. मा० श्री शंकरप्रसाद पाण्डे |
| २७. मा० श्री सुनिल प्रजापति | २८. मा० श्री हरिनारायण चौधरी |
| २९. मा० श्री श्रीमाया थकाली | |

राज्यको पुर्नसंरचना सम्बन्धी विशेष समिति

- | | |
|-------------------------------------|--|
| १. मा० श्री अजयप्रताप शाह | २. मा० श्री इन्द्रजीत थारु |
| ३. मा० श्री कमानसिंह लामा | ४. मा० श्री केशरमान रोका |
| ५. मा० श्री गेहेन्द्र गिरी | ६. मा० श्री चन्द्रप्रकाश (सी.पी.) मैनाली |
| ७. मा० श्री जगन्नाथ खतिवडा | ८. मा० श्री जयन्ति राई |
| ९. मा० श्री डिलाराम आचार्य | १०. मा० श्री देवी खड्का |
| ११. मा० श्री दिलीप महर्जन | १२. मा० श्री परी थापा |
| १३. मा० श्री पूर्णबहादुर खड्का | १४. मा० डा. प्रकाश शरण महत |
| १५. मा० श्री प्रदिपकुमार ज्ञवाली | १६. मा० श्री रघुजी पन्त |
| १७. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे | १८. मा० श्री रामचन्द्र तिवारी |

- | | |
|-----------------------------------|---------------------------------|
| १९. मा० श्री रामबहादुर गुरुड | २०. मा० श्री विजयकुमार गच्छदार |
| २१. मा० श्री विनोदकुमार उपाध्याय | २२. मा० श्री विमलेन्द्र निधि |
| २३. मा० श्री सन्तोष कुमार बुढामगर | २४. मा० श्रीमती सितादेवी यादव |
| २५. मा० श्री सुनिल प्रजापति | २६. मा० श्री सुरेशकुमार आले मगर |
| २७. मा० श्री हर्कमान तामाड | २८. मा० श्री हरिप्रसाद सापकोटा |

आर्थिक सामाजिक रुपान्तरण सम्बन्धी विशेष समिति

- | | |
|--------------------------------|---------------------------------------|
| १. मा० श्री आनन्दप्रसाद पोखरेल | २. मा० श्री उमाकान्त चौधरी |
| ३. मा० श्री कृष्ण आचार्य | ४. मा० श्री खेमराज भट्ट मायालु |
| ५. मा० श्री गोविन्द थारु | ६. मा० श्री गोविन्दबहादुर शाह |
| ७. मा० श्री टुकराज सिग्देल | ८. मा० श्री डिल्लीराज खनाल |
| ९. मा० श्री तारिणीदत्त चटौत | १०. मा० श्री दामा शर्मा |
| ११. मा० श्री नन्दकुमार प्रसाई | १२. मा० श्री परी थापा |
| १३. मा० श्री प्रकाश ज्वाला | १४. मा० श्री बेनुपराज प्रसाई |
| १५. मा० श्री मञ्जु बम | १६. मा० श्री महादेव गुरुड |
| १७. मा० श्री रामकुमार चौधरी | १८. मा० श्री रामचन्द्र राय |
| १९. मा० श्री रामप्रीत पासवान | २०. मा० श्री रामबहादुर बिष्ट |
| २१. मा० श्री रोमी गौचन थकाली | २२. मा० श्री लिला न्याइच्याई |
| २३. मा० श्री वामदेव क्षेत्री | २४. मा० श्री शिवकुमार मण्डल |
| २५. मा० श्री सत्य पहाडी | २६. मा० श्रीमती सावित्री बोगटी (पाठक) |
| २७. मा० श्री सुरेशकुमार कार्की | २८. मा० सुश्री सुशीला स्वाँर |
| २९. मा० श्री हरि आचार्य | |

तत्पश्चात मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ बमोजिम सुरक्षा विशेष समिति र अन्य विषयगत समितिमा थप तथा हेरफेरमा पर्नु भएका निम्नलिखित मा० सदस्यहरुको नाम सभाको सहमतिका लागि प्रस्ताव गर्नुभएकोमा सभाले सहमति जनायो ।

- | | |
|--|--|
| १. मा० श्री राजेन्द्रप्रसाद पाण्डे | - सार्वजनिक लेखा समिति |
| २. डा० मंगलसिद्धी मानन्धर | - अर्थ समिति |
| ३. मा० श्री प्रदीपकुमार ज्ञवाली | - राज्य व्यवस्था समिति |
| ४. मा० श्री उर्मिला अर्याल | - मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समिति |
| ५. मा० श्री हृदयेश त्रिपाठी | - प्राकृतिक स्रोत र साधन समिति |
| ६. मा० श्री धर्मनाथप्रसाद शाह | - कानून, न्याय तथा व्यवस्थापिका-संसद सम्बन्ध समिति |
| ७. मा० श्री के.पी. शर्मा ओली | - मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समिति |
| ८. मा० श्री दिलेन्द्रप्रसाद बडु | - वातावरण, सञ्चार तथा प्रविधि समिति |
| ९. मा० श्री गोपालमान श्रेष्ठ | - भौतिक पूर्वाधार तथा विकास समिति |
| १०. मा० श्री कुमार फुदुङ्ग | - सुरक्षा विशेष समिति |
| ११. मा० श्री फरमुलाह मन्सुर | - सुरक्षा विशेष समिति |
| १२. मा० श्री माधवकुमार नेपाल | - सुरक्षा विशेष समिति |
| १३. मा० श्री के.पी. शर्मा ओली | - सुरक्षा विशेष समिति |
| १४. मा० श्री शिवकुमार बस्नेत | - सुरक्षा विशेष समिति |
| १५. मा० श्री जनार्दन शर्मा | - सुरक्षा विशेष समिति |
| १६. मा० श्री शेरबहादुर देउवा | - सुरक्षा विशेष समिति |
| १७. मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना अर्थ समितिबाट | - राज्य व्यवस्था समितिमा |

१८. मा० श्री यज्ञजीत शाह कृषि तथा सहकारी समितिबाट - राज्य व्यवस्था समितिमा
१९. मा० श्री माधवकुमार नेपाल मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय समितिबाट - अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध समितिमा
२०. मा० श्री गोपालप्रसाद कोइराला कृषि तथा सहकारी समितिबाट - शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिमा
२१. मा० श्री महेन्द्रकुमार राय शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या समितिबाट - कृषि तथा सहकारी समितिमा

त्यसपछि मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगानाले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २६६ बमोजिम उक्त नियमावलीको नियम १४४ को उपनियम (२) र (३) लाई निलम्बन गरियोस्” भनी प्रस्ताव प्रस्तुत गर्नुभयो ।

तदुपरान्त उक्त प्रस्तावको समर्थन गर्दै निम्नलिखित मा० सदस्यहरूले भाग लिनुभयो :-

१. मा० श्री दीनानाथ शर्मा २. मा० श्री परशुराम मेधी गुरुङ्ग
३. मा० श्री टेकबहादुर चोखाल

तत्पश्चात मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगानाले “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २६६ बमोजिम उक्त नियमावलीको नियम १४४ को उपनियम (२) र (३) लाई निलम्बन गरियोस्” भनी राख्नुभएको प्रस्तावलाई मा० सभामुखले निर्णयार्थ प्रस्तुत गर्नुहुँदा सर्वसम्मतिबाट स्वीकृत भयो ।

त्यसपछि मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसदको अधिवेशन अवधिमा भए गरेका निम्नलिखित काम कारवाहीको विवरणको जानकारी गराउनु भयो ।

- (१) व्यवस्थापिका-संसदको बैठक २०६३ साल माघ १ गते सोमबार प्रारम्भ भई आज २०६४ साल असार ३ गते आइतवारसम्म जम्मा १५४ दिन चालु रह्यो । जसमध्ये ४२ दिनहरूमा ५४ पटक बैठक बसी जम्मा ८९ घण्टा ४५ मिनेट खास कार्यमा व्यतित गर्‍यो ।
- (२) यसै अधिवेशनमा मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाद्वारा २०६३ साल माघ १ गते प्रस्तुत गर्नुभएको नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ लाई सर्वसम्मतिले पारित गर्‍यो ।
- (३) २०६३ साल माघ ३ गते वसेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकले “यस सभाका सदस्य श्री सुभाष नेम्वाङलाई सभामुख पदमा निर्वाचित गरियोस्” भन्ने एक मात्र प्रस्तावलाई सर्वसम्मतिले स्वीकृत गर्‍यो । त्यसैगरी २०६३ साल माघ ११ गते वसेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकले “यस सभाका सदस्य श्रीमती चित्रलेखा यादवलाई उप-सभामुख पदमा निर्वाचित गरियोस्” भन्ने एक मात्र प्रस्तावलाई सर्वसम्मतिले स्वीकृत गर्‍यो ।
- (४) २०६३ साल माघ ३ गते नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा १६० को उपधारा (१) र (२) मा रहेको मन्त्रपरिषद् सम्बन्धी व्यवस्थाका बारेमा जानकारी गराइयो ।
- (५) २०६३ साल माघ ११ गतेको बैठकले मा० श्री पूर्णबहादुर खड्काको संयोजकत्वमा १७ सदस्यीय व्यवस्थापिका-संसद नियमावली मस्यौदा समिति गठन गर्‍यो र उक्त समितिले माघ २५ गते प्रतिवेदन पेश गरी उक्त मस्यौदालाई सोही दिन पारित गर्‍यो । त्यस्तै २०६४ जेठ ३१ गतेको बैठकद्वारा मा० श्री अष्टलक्ष्मी शाक्यको संयोजकत्वमा १९ सदस्यीय व्यवस्थापिका-संसद नियमावली संशोधन मस्यौदा समिति गठन गरेकोमा उक्त समितिले २०६४ साल असार ३ गते प्रतिवेदन सभा समक्ष पेश गरेकोमा सोही दिन उक्त मस्यौदा प्रतिवेदन पारित गर्‍यो ।
- (६) यस अधिवेशनमा जम्मा १९ वटा सरकारी विधेयकहरू प्रस्तुत भएकोमा ६ वटा विधेयकहरू सभाबाट पारित भई प्रमाणिकरण गर्ने कार्य सम्पन्न भयो । व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १३९ बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदमा हस्तान्तरण भएका पुनर्स्थापित प्रतिनिधिसभाद्वारा समितिमा विचारार्थ पठाएको विचाराधीन १० वटा विधेयकहरू समेत जम्मा २० वटा विधेयकहरू सम्बन्धित समितिहरूमा विचाराधीन रहेका छन् भने ३ वटा विधेयकहरू माथि सैद्धान्तिक छलफल भई संशोधनको प्रक्रियामा रहेका छन् ।

- (७) त्यसैगरी यसै अधिवेशनमा “राजा ज्ञानेन्द्रले २०६३।१।७ गते दिएको असंवैधानिक, अनाधिकृत एवं अलोकतान्त्रिक अभिव्यक्तिप्रति सरकारले आवश्यक कारवाही गरी सो सम्बन्धी जवाफ सर्वाधिकार सम्पन्न व्यवस्थापिका-संसदलाई जानकारी गराओस् भन्ने सम्बन्धी” र “चैत्र ७ गते रौतहटको गौरमा घटेको क्रुर, अमानवीय आम नरसंहारपूर्ण घटना” सम्बन्धी महत्वपूर्ण विषयका २ वटा जरुरी सार्वजनिक महत्वको प्रस्ताव प्रस्तुत भई सर्वसम्मतिबाट पारित भयो ।
- (८) २०६३ माघ २८ गतेको व्यवस्थापिका-संसदको बैठकमा समावेश हुने विषयहरु लगायत अन्य विषयहरुमा सभामुखले परामर्श लिने कार्यका लागि कार्यव्यवस्था परामर्श समिति गठन गर्‍यो ।
- (९) २०६३ साल फागुन ९ गतेको बैठकमा नेपालको अन्तरिम संविधान (पहिलो संशोधन) विधेयक, २०६३ प्रस्तुत भई २०६३ साल फागुन २५ गते बसेको बैठकले व्यवस्थापिका-संसदमा तत्काल कायम रहेको सम्पूर्ण सदस्य संख्याको दुई तिहाई बहुमतले पारित गर्‍यो । त्यस्तै २०६४ साल जेठ २९ गतेको बैठकले नेपालको अन्तरिम संविधान (दोस्रो संशोधन) विधेयक, २०६४ लाई दफावार छलफल गर्नको लागि मा० श्री पूर्णबहादुर खड्काको संयोजकत्वमा २३ सदस्यीय “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ संशोधन विशेष समिति” गठन गर्‍यो र उक्त समितिले जेठ ३० गते प्रतिवेदन सभा समक्ष पेश गरेकोमा सोही दिन व्यवस्थापिका-संसदमा तत्काल कायम रहेको सम्पूर्ण सदस्य संख्याको दुई तिहाई बहुमतले पारित गर्‍यो ।
- (१०) २०६३ फागुन १० गतेको बैठकमा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ ले व्यवस्था गरे बमोजिम १४ वटा विषयगत समितिहरुमा मा० सदस्यहरुको नाम मनोनयन गरियो । साथै व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १३ बमोजिम सभामुख र उपसभामुखको अनुपस्थितिमा बैठकको अध्यक्षता गर्न ९ जना मा० सदस्यहरुको नाम मनोनयन गरियो ।
- (११) २०६३ साल फागुन १८ गतेको बैठकमा एशियाली प्रकोप पूर्व तयारी केन्द्र (ADPC) को चार्टर २००५ प्रस्तुत भई सर्वसम्मतिले अनुमोदन गर्‍यो । त्यस्तै २०६३ साल माघ २९ गतेको बैठकमा मा० अर्थमन्त्रीले २०६३ साल वैशाख १० गतेदेखि २०६३ साल पुस मसान्तसम्म वैदेशिक सहयोगका सम्बन्धमा भएका सम्झौताहरुको विवरण पेश गर्नुभयो ।
- (१२) २०६३ साल फागुन २५ गते बेलवारीको नृसंश हत्याकाण्डको सम्बन्धमा छानविन गरी प्रतिवेदन पेश गर्न मा० श्री परी थापाको संयोजकत्वमा ९ सदस्यीय “बेलवारी हत्याकाण्ड छानविन समिति” गठन गर्‍यो । त्यसैगरी २०६४ साल असार ३ गते प्रतिनिधि सभा सदस्य मा० श्री कृष्णचरण श्रेष्ठको हत्याको सम्बन्धमा छानविन गरी दोषी माथी कारवाहीको सिफारिश गर्न मा० श्री टेकबहादुर चोखालको संयोजकत्वमा ७ सदस्यीय संसदीय छानविन समिति गठन गर्‍यो ।
- (१३) २०६३ फागुन २९ गतेको बैठकले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ ले व्यवस्था गरे बमोजिम सुरक्षा विशेष समिति गठन गर्‍यो । त्यसैगरी २०६४ साल असार ३ गतेको बैठकले व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ बमोजिमका अन्य ६ वटा विशेष समितिहरु गठन गर्‍यो र सोही दिन व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ बमोजिम सुरक्षा विशेष समिति र अन्य विषयगत समितिमा मा० सदस्यहरुको नाम थप तथा हेरफेर गर्‍यो ।
- (१४) २०६३ चैत्र १८ गते आइतवार मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाले प्रधानमन्त्री पदबाट राजीनामा दिनु भएकोमा सोही दिन “नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३” को धारा ३८ को उपधारा (१) एवं व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम १४ को उपनियम (१) बमोजिम नेपालको प्रधानमन्त्री पदका लागि नेपाली काँग्रेसका सभापति एवं अन्तरिम व्यवस्थापिका-संसदमा नेपाली काँग्रेस संसदीय दलका नेता मा० श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालालाई नियुक्ति गर्ने राजनैतिक सहमति भए अनुरूप सर्वसम्मतिले उहाँलाई प्रधानमन्त्री पदमा नियुक्ति गर्‍यो । साथै सोही दिन मा० प्रधानमन्त्रीले सदन समक्ष प्रधानमन्त्री पदको शपथ ग्रहण गर्नुभयो ।
- (१५) २०६३ साल माघ १ गते व्यवस्थापिका-संसदका मा० सदस्यहरुलाई मा० सभामुखले व्यवस्थापिका-संसद समक्ष शपथ ग्रहण गराउनु भयो ।

- (१६) २०६३ साल चैत्र १८ गते आइतवार मा० प्रधानमन्त्री श्री गिरिजाप्रसाद कोइरालाको अध्यक्षतामा २२ सदस्यीय मन्त्रिमण्डल गठन सम्बन्धी पत्रको व्यहोरा र २०६४ साल वैशाख १६ गते श्री गिरिराजमणि पोखरेललाई स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयको कार्यभार सम्हाल्ने गरी नियुक्ति गर्नुभएको प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रपरिषद्को कार्यालयको पत्रको व्यहोरा बैठकमा पढेर सुनाइयो ।
- (१७) २०६३ साल चैत्र २५ गतेको बैठकले मा० श्री मैयाँदेवी श्रेष्ठको संयोजकत्वमा ९ सदस्यीय महिला समूहको नियमावली मस्यौदा समिति गठन गऱ्यो र सो समितिले २०६३ साल चैत्र २७ गते सभा समक्ष प्रतिवेदन पेश गऱ्यो । साथै २०६४ साल वैशाख २ गते उक्त प्रतिवेदनलाई सभाले पारित गऱ्यो ।
- (१८) २०६३ साल चैत्र २७ गतेको बैठकमा मा० शान्ति तथा पुननिर्माण मन्त्री श्री रामचन्द्र पौडेलले “नेपाल सरकारको साभ्गा सहमतिको न्यूनतम कार्यक्रम” प्रस्तुत गर्नुभयो ।
- (१९) यसै अवधिमा व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम ८ को उपनियम (३) बमोजिम २०६३ चैत्र १६ गते शुक्रवार, २०६३ चैत्र १७ गते शनिवार, २०६४ वैशाख २६ गते बुधवार, २०६४ जेठ २ गते बुधवार, २०६४ जेठ १० गते विहिवार, २०६४ जेठ १२ गते शनिवार र २०६४ जेठ १६ गते बुधवार गरी जम्मा ७ पटक बैठक स्थगन भएको सूचनापत्र-१ जारी गऱ्यो ।
- (२०) २०६४ साल जेठ १७ गतेको बैठकले २३ सदस्यीय “व्यवस्थापिका-संसद भवन निर्माण समिति” गठन गऱ्यो ।
- (२१) यसै अधिवेशनमा मा० कानून, न्याय तथा संसदीय व्यवस्था मन्त्रीले २०६४ साल जेठ १७ गते महान्यायाधिवक्ताको आ.व. २०६१/६२ को वार्षिक प्रतिवेदन पेश गर्नुभयो ।
- (२२) यसै अधिवेशनमा मा० श्री आनन्दप्रसाद ढुंगाना प्रस्तावक रहनु भएको “व्यवस्थापिका-संसद नियमावली, २०६३ को नियम २६६ बमोजिम उक्त नियमावलीको नियम १४४ को उपनियम (२) र (३) लाई निलम्बन गरियोस्” भन्ने प्रस्तावलाई सर्वसम्मतिले पारित गऱ्यो ।

तदुपरान्त मा० सभामुखले मा० प्रधानमन्त्री कार्यालयबाट प्राप्त निम्नलिखित पत्र पढेर सुनाउनु भयो :-

“नेपालको अन्तरिम संविधान, २०६३ को धारा ५१ को उपधारा (२) बमोजिम व्यवस्थापिका-संसदका माननीय सभामुखको परामर्शमा व्यवस्थापिका-संसदको चालू पहिलो अधिवेशन सम्बत् २०६४ साल आषाढ ३ गते आइतवारका दिन बेलुकी ९:०० बजेदेखि अन्त्य गरेको छु ।”

मिति :- सम्बत् २०६४ आषाढ ३

(गिरिजाप्रसाद कोइराला)
प्रधानमन्त्री

तदनन्तर व्यवस्थापिका-संसदको प्रथम अधिवेशन आजै बेलुकी ९:०० बजेदेखि स्वतः अन्त्य हुने गरी स्थगित भयो ।

सूर्य किरण गुरुङ्ग
महासचिव